जरा संभलकर... वाटर कूलर की सफाई कराना भूल गया रेलवे, टैंक के भीतर कीचड़

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अलग खबर

गर्मी का मौसम शुरू होते ही रेलवे स्टेशन पर यात्रियों ने ठंडे पानी के लिए वाटर कूलरों का इस्तेमाल तेज कर दिया है, लेकिन जिस पानी को दिनभर में हजारों यात्री पी रहे हैं, रेलवे उसकी समय पर सफाई कराना ही भूल गया है। नियमित मेंटेनेंस न होने के कारण अब ज्यादातर वाटर कूलरों से ठंडे की जगह सामान्य पानी निकल रहा है। नियमानुसार ⏭शेष पेज 13 पर

- 3 फरवरी के बाद 3 मार्च को होनी थी सफाई, 13 दिन बाद भी रेलवे ने वाटर कूलर की नहीं ली सुध
- स्टेशन के लगभग एक दर्जन वाटर कूलरों में केवल 5 में ही ठंडा पानी , बाकी से सामान्य पानी

समाजसेवियों ने दिए थे दान रेलवे ने नहीं रखा ध्यान

रेलवे स्टेशन में ज्यादातर वाटर कूलर समाजसेवी संस्थाओं द्वारा इस उद्देश्य से दान किए गए थे कि यात्रियों को साफ और ठंडा पानी मिल सके। इन कूलरों की समय पर सफाई और रखरखाव की जिम्मेदारी रेलवे की थी। वर्तमान में स्टेशन के दो से अधिक वाटर कूलर पूरी तरह बंद पड़े हैं। प्लेटफॉर्म 1 पर मौजूद 5 वाटर कूलरों में से केवल दो में ही ठंडा पानी आ रहा है। इन सभी वाटर कूलरों को मेंटेनेंस की आवश्यकता है।

ढक्कन से टैंक में जा रही गंदगी

स्टेशन के कुछ वाटर कूलर नए हैं तो कुछ पुराने हो चुके हैं। पुराने कूलरों के ढक्कन आसानी से खुल जाते हैं और पूरी तरह बंद न होने के कारण बाहर की गंदगी सीधे अंदर जा रही है और लोग यही पानी पीने को मजबूर हैं। नियमित सफाई के अभाव में टैंक के अंदर का पानी साफ तौर पर गंदा दिखाई दे रहा है।

यह है सफाई का सिस्टम

स्टेशन के वाटर कूलरों पर स्पष्ट रूप से तारीख लिखी होती है कि पिछली सफाई कब हुई थी और अगली सफाई किस तिथि को होनी है। हर महीने पानी के टैंक की सफाई करना अनिवार्य है, क्योंकि यहां से हर दिन हजारों लोग पानी पीते हैं। लेकिन रेलवे की इस अनदेखी की वजह से टैंक की गंदगी अब सीधे यात्रियों के पेट तक पहुंचने लगी है।

तत्काल जांच कराई जाएगी

स्टेशन में लगे वाटर कूलर की साफ-सफाई और ठंडे पानी की समस्या को लेकर जांच की जाएगी और इसे तत्काल ठीक करवाया जाएगा।

- दयानंद
डीआरएम

खबर संक्षेप

तेज आवाज में गाना बजाने पर विवाद, मारपीट

रायपुर। डीडीनगर थाना क्षेत्र अंतर्गत इंद्रप्रस्थ कॉलोनी में तेज आवाज में गाना तथा साउंड सिस्टम बजाने के विवाद में घर घुसकर तोड़फोड़ करने तथा मारपीट कर ब्लेड से हमला करने के आरोप में पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आर्यन ठावरे के बड़े भाई की शिकायत पर पुलिस ने कुबेर प्रसाद वर्मा, चंदन गुप्ता, विष्णु प्रसाद वर्मा को गिरफ्तार किया है। आर्यन के बड़े भाई ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है कि वे अपने घर में छोटे भाई तथा दोस्तों के साथ अपने साउंड सिस्टम से गाना सुन रहे थे। इस दौरान कुबेर और उसके साथी घर के दरवाजे को लात मारकर तोड़ दिए और मारपीट कर युवक आर्यन के कान के पास ब्लेड से हमला कर मौके से फरार हो गए।

मकान का ताला तोड़कर चोरी, दो गिरफ्तार

रायपुर। उरला पुलिस ने मकान का ताला तोड़कर नकदी तथा मोबाइल चोरी करने के आरोप में दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दिनेश शर्मा की शिकायत पर पुलिस ने अमन ताम्रकर, श्रवण विश्वकर्मा उर्फ चोटाई को गिरफ्तार किया है। दिनेश ने थाने में शिकायत दर्ज कराई थी कि रविवार को वह घर का ताला बंद कर सोने चले गया। रात में अपने बेटे को देखने के लिए दिनेश उठा तो घर का ताला टूटा मिला तथा घर की आलमारी से नकदी रकम तथा मोबाइल गायब मिला।

फर्जी दस्तावेज से जमीन नामांतरण, केस दर्ज

रायपुर। अभनपुर पुलिस ने मृत व्यक्ति के नाम की जमीन के फर्जी दस्तावेज तैयार कर अपने नाम से नामांतरण कराने वाले व्यक्ति तथा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। माना कैंप निवासी सरीत बरई की शिकायत पर पुलिस ने मनोरंजन मंडल तथा अन्य के खिलाफ अपराध दर्ज किया है। महिला ने थाने में शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि पचेड़ा में मृतक विष्णु मंडल के नाम से 1.60 हेक्टेयर जमीन है। मनोरंजन ने अपने साथियों के साथ मिलकर फर्जी दस्तावेज तैयार कर उक्त जमीन अपने नाम पर नामांतरण करने तहसील कार्यालय में दस्तावेज पेश किया।

रक्सेल गैंग मौदहापारा के लड़कों से दूसरी बार भिड़ा

आपसी विवाद में मौदहापारा में गैंगवार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मौदहापारा थाना क्षेत्र में बदमाशों के दो गुट आपसी रंजिश के चलते जमकर हंगामा करते हुए एक-दूसरे पर पथराव किए, साथ ही चाकू और तलवार से हमला कर दिया। घटना में तीन लोगों को चोटें आई हैं। घटना के बाद मरहीमाता मंदिर में पथराव होने से तनाव की स्थिति निर्मित हो गई। मौके पर पहुंचकर पुलिस ने स्थिति नियंत्रित करते हुए, किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने पुलिस बल की तैनाती ⏭शेष पेज 13 पर

- एक-दूसरे पर चाकू और तलवार से किया हमला
- आरोपियों की पतासाजी में जुटी पुलिस

तलवार लहराने का वीडियो वायरल

भीड़ छंटने के बाद रक्सैल गैंग के लोगों द्वारा खुलेआम तलवार लहराने का वीडियो सामने आया है। जानकारी के मुताबिक, दो वर्ष पूर्व मौदहापारा मस्जिद के पास अल्ताफ और राशिद ने रवि तथा अभय के साथ विवाद होने पर मारपीट कर चाकू से हमला किया था। केस का खात्मा होने के बाद अल्ताफ और राशिद, रवि तथा अभय को देखकर हंसते और चिढ़ाते थे। इससे नाराज होकर रवि तथा उसके साथियों ने अल्ताफ और राशिद के साथ मारपीट कर उन पर चाकू से हमला कर दिया।

एमएलसी कराने ले जाते पत्थरबाजी

पुलिस की टीम अल्ताफ तथा राशिद को एमएलसी कराने आंबेडकर अस्पताल ले जा रही थी। इस दौरान अल्ताफ तथा राशिद के साथी बड़ी संख्या में आंबेडकर अस्पताल साथ जाने लगे। इस दौरान अल्ताफ और उसके साथियों को रवि तथा उसके साथियों के मरहीमाता मंदिर में छिपे होने की जानकारी मिली। इसके बाद 30-40 लोग मरहीमाता मंदिर पहुंच गए और पत्थरबाजी करने लगे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मौके पर डीसीपी सहित अन्य पुलिस अधिकारी मौके पर पहुंचे और भीड़ को तितर-बितर किया।

गांजा कारोबार पर कब्जे का विवाद बदमाश भिड़े, जमकर चले चाकू

कोतवाली थाना क्षेत्र के गांधीनगर में नशे के सौदागरों के गुर्गों के बीच रविवार को जमकर चाकू, लात घूंसे चले। बदमाशों ने दो मकानों में जमकर तोड़फोड़ की। मारपीट, चाकूबाजी, तोड़फोड़ करने के आरोप में तीन बदमाशों को हिरासत में लेकर पुलिस पूछताछ कर रही है। जेल में बंद मुकेश बनिया तथा रवि साहू के गुर्गे मोहित निहाल तथा अभिषेक सोनी के बीच गांजा बिक्री की बात को लेकर लंबे अरसे से विवाद चल रहा है। घटना दिनांक को अभिषेक अपने भाई के साथ अपने घर के पास बैठा हुआ था। इसी दौरान विक्रम बघेल, अभिषेक गुप्ता, अभिषेक ⏭शेष पेज 13 पर

रवि सहित आधा दर्जन बदमाशों को 10-10 साल कैद

गांजा सहित अन्य मादक पदार्थों का सिंडिकेट चलाने वाले रवि साहू, उसके साथी अनिल जुल्फेकार, संजय जुल्फेकार तथा अन्य को कोर्ट ने एनडीपीएस के एक मामले में 10-10 वर्ष कैद की सजा सुनाई है। पिछले महीने 26 फरवरी को कालीबाड़ी क्षेत्र के नेहरू नगर बस्ती के हिस्ट्रीशीटर मुकेश ⏭शेष पेज 13 पर

जल गया चूल्हा...

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

गैस सिलेंडर की आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहने संबंधित शासन के दावों क बीच सोमवार को रविवि में अंततः चूल्हा जल ही गया। तस्वीर प्रदेश के सबसे बड़े विश्वविद्यालय पं.रविशंकर शुक्ल विवि के गांधी ब्वॉयज हॉस्टल की है। यहां बालकों व बालिकाओं के लिए एक ही कैटर्स द्वारा दो समय का नाश्ता और दो समय का खाना बनाया जाता है। प्रतिदिन 115 लड़कों और 300 लड़कियों अर्थात 411 विद्यार्थियों के लिए यहां चार समय खाना बनता है। गैस सिलेंडर नहीं मिलने के कारण रविवि परिसर की ही सूखी लकड़ी को एकत्र कर यहां छात्रों के लिए चूल्हे में भोजन बनाया जा रहा है।

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला, खनूजा सहित अन्य की 23.35 करोड़ की संपत्ति अटैच

- जिनकी संपत्ति अटैच, उनमें पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष के साथ जिला पंचायत सदस्य की संपत्ति भी शामिल

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतमाला परियोजना मुआवाजा घोटाले में ईडी ने अभनपुर के पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष, पूर्व जिला पंचायत सदस्य, जमीन दलाल सहित अन्य की 23.35 करोड़ रुपए की संपत्ति अटैच की है। परियोजना के तहत रायपुर-विशाखापट्टनम राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजना से संबंधित भूमि अधिग्रहण मुआवजा को लेकर जमीन दलालों ने राजस्व विभाग के अफसरों के साथ सांठगांठ कर वर्ष 2020 से 2024 के बीच 43 करोड़ रुपए से ज्यादा का घोटाला किया था। ⏭शेष पेज 13 पर

इनकी संपत्ति अटैच

ईडी ने जिन लोगों की संपत्ति अटैच की है, उनमें जमीन दलाल हरमीत सिंह खनूजा, उसके सहयोगी पूर्व जिला पंचायत सदस्य खेमराज कोशले, पूर्व नगर पंचायत अध्यक्ष कुंदन बघेल, पुन्नूराम देशलहरे की संपत्ति शामिल है। इन लोगों द्वारा भूमि मालिकों को शपथ पत्र, आवेदन और राजस्व कागजात जैसे विभिन्न दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने के लिए प्रेरित किया और कुछ सरकारी अधिकारियों की ⏭शेष पेज 13 पर

भू-मालिकों के नाम पर कई बैंक खाते

ईडी की जांच में पता चला है कि भू-मालिकों के नाम पर कई बैंक खाते खोले गए और मुआवजे की राशि इन खातों में जमा की गई। इसके बाद भूमि मालिकों से प्राप्त पहले से हस्ताक्षरित कोरे चेक और बैंकिंग दस्तावेजों का उपयोग करके, मुआवजे की राशि का एक बड़ा हिस्सा हरमीत सिंह खनूजा, उसके ⏭शेष पेज 13 पर

मोक्षित कॉर्पोरेशन की महाराष्ट्र-छत्तीसगढ़ में 80.36 करोड़ की संपत्ति अटैच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

करोड़ों रुपए के मेडिकल उपकरण, री-एजेंट घोटाले में ईडी ने मोक्षित कॉर्पोरेशन की छत्तीसगढ़, महाराष्ट्र में 80.36 करोड़ रुपए की चल, अचल संपत्ति अटैच की है। इसके पूर्व ईडी इस कोराबारी संस्था के 43 करोड़ रुपए से ज्यादा कीमत की महंगी कार के साथ चल, अचल संपत्ति अटैच कर चुकी है। इस तरह मोक्षित कॉर्पोरेशन से जुड़ी सवा सौ करोड़ रुपए की संपत्ति अब तक अटैच की जा चुकी है।

- पूर्व में 43 करोड़ की संपत्ति पहले ही फ्रीज कर चुकी है ईडी

आरोप है कि मोक्षित कॉर्पोरेशन के पार्टनर शशांक चोपड़ा ने डीएचएस और सीजीएमसीएल के अधिकारियों के साथ मिलीभगत करके टेंडर प्रक्रियाओं में हेरफेर किया, मांग को मनगढ़ंत तरीके से बढ़ाया और सीजीएमसीएल को मेडिकल उपकरण तथा री-एजेंट अत्यधिक बढ़ी हुई कीमतों पर सप्लाई किए, जिससे राज्य के खजाने को भारी नुकसान हुआ और उन्हें तथा उनके सहयोगियों को अवैध रूप से लाभ पहुंचा। शशांक चोपड़ा ने अपने सहयोगियों की मदद से, ⏭शेष पेज 13 पर

घोटाले की रकम से संपत्ति अर्जित करने का आरोप

ईडी के आरोपों की मुताबिक, जिन 80.36 करोड़ रुपए की चल, अचल संपत्ति अटैच की गई है। संचालक ने घोटाले की रकम से छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र राज्य में स्थित आवासीय प्लॉट, फैक्ट्रियां, फ्लैट खरीदे थे।

मूल्यांकनकर्ता शिक्षकों के लिए एडवाइजरी जारी

मूल्यांकन की जानकारी साझा नहीं कर सकेंगे शिक्षक, सोशल मीडिया में टिप्पणी भी नहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

सीबीएसई ने 10वीं और 12वीं बोर्ड परीक्षा की कॉपियां जांचने में शामिल शिक्षकों के लिए एक एडवाइजरी जारी की है। नोटिस में परीक्षकों को सोशल मीडिया पर मार्किंग प्रक्रिया से जुड़ी कोई भी जानकारी शेयर करने के प्रति आगाह किया गया है। बोर्ड ने कहा है कि उसे ऑनलाइन कई ऐसे पोस्ट और कमेंट मिले हैं जिनमें मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में गुमराह करने वाली या तथ्यात्मक रूप से गलत जानकारी दी गई है। बोर्ड ने अपने ⏭शेष पेज 13 पर

उत्तरपुस्तिकाओं के बारे में नहीं दे सकेंगे राय गोपनीयता बनाए रखने फैसला

अफवाह फैलाने पर एक्शन

सीबीएसई ने आगे कहा है कि मूल्यांकन प्रक्रिया कॉन्फीडेंशियल होती है और सख्त नियमों (प्रोटोकॉल) के तहत संचालित होती है। सार्वजनिक मंचों पर मूल्यांकन से संबंधित कोई भी भ्रामक जानकारी, अनुभव या राय साझा करना सख्त मना है। बोर्ड ने यह भी चेतावनी दी कि मूल्यांकन प्रक्रिया के बारे में अफवाहें फैलाने या तथ्यों को गलत तरीके से पेश करने के प्रयासों को पेशेवर आचरण का उल्लंघन माना जा सकता है। मूल्यांकन ⏭शेष पेज 13 पर

लोगो प्रयोग की अनुमति नहीं

बोर्ड ने एक अलग नोटिस में कहा है कि उसने ऐसे लोगों को भी भ्रामक जानकारी फैलाते देखा है जिनका मूल्यांकन प्रक्रिया से कोई संबंध नहीं है। ये लोग ऑनलाइन माध्यम से बोर्ड परीक्षाओं से संबंधित भ्रामक जानकारी फैला रहे हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि सीबीएसई परीक्षाओं या मूल्यांकन प्रक्रियाओं के बारे में झूठी या भ्रामक जानकारी फैलाना सख्त मना है। किसी भी व्यक्ति को भ्रम पैदा करने या जनता को गुमराह करने के लिए सीबीएसई के नाम, ⏭शेष पेज 13 पर

दूरस्थ गांवों में नेटवर्क नहीं, ऐसे में वहां राशनकार्ड ई-केवाईसी कैसे होगा, विपक्ष ने उठाए सवाल

खाद्य मंत्री बोले- पीडीएस दुकान आएंगे तभी होगा, विपक्ष का बहिर्गमन

बजट सत्र में प्रश्नकाल के दौरान एक बार फिर विपक्ष ने सत्ता पक्ष से पूछा कि आप पीडीएस सिस्टम को चाक चौबंद करने की बात करते हैं, लेकिन हजारों लोग ऐसे हैं जो राशन के लिए आज भी दर-दर की ठोकरें खा रहे हैं। ई-केवाइसी न होने के कारण हजारों लोगों को राशन नहीं मिल पा रहा है। खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, जिनके पास राशन कार्ड है और केवाईसी पेंडिंग है, वो राशन दुकान पर आएंगे, तभी ये काम हो पाएगा। प्रश्नकाल में विधायक दिलीप लहरिया ने पूछा कि अब तक कितने राशन कार्ड से नाम काटे गए हैं। ई-केवाईसी के लिए पिछले 2 महीनों से दौड़ रहे ग्रामीणों की इस महीने अगर ई-केवाईसी हो जाती है, तो क्या उनको पिछले दो महीने का राशन भी इसके साथ ही दिया जाएगा। जवाब में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, हां पिछले दो महीने का पेंडिंग राशन भी तीसरे महीने उनको एक साथ दिया जाएगा, ऐसी व्यवस्था है। विपक्ष ने कहा, कई जगहों पर सर्वर डाउन होने से राशन मिलने में परेशानी हो रही है, इस पर शासन को ध्यान देना चाहिए।

पेंडिंग केवाईसी को लेकर सदन को दी खाद्य मंत्री ने जानकारी

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने कहा, जिन लोगों का ई-केवाईसी नहीं हुआ है वो राशन दुकान पर आएंगे तो वहां पर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी कर ली जाएगी। जिनके पास राशन कार्ड है और केवाईसी पेंडिंग है वो राशन दुकान पर आएंगे तभी ये काम हो पाएगा। उन्होंने सदन को जानकारी देते हुए बताया कि बिलासपुर में 16 लाख 24 हजार ई-केवाईसी अब तक पूर्ण किया जा चुका है। करीब 64 हजार 628 लोगों के नाम छूटे हुए हैं, ये वो लोग हैं जिनकी उम्र 5 से कम है। जबकि 15 हजार 758 लोगों का ई-केवाईसी पूरा ही नहीं हुआ है, ये वो लोग हैं जो प्रक्रिया पूरी करने के लिए उपस्थित ही नहीं हुए हैं। खाद्य मंत्री ने कहा, जिनको शिकायत है वो राशन दुकान पर आएंगे तो प्रक्रिया पूरी हो जाएगी।

भूपेश बघेल ने दिया खड़ता गांव का उदाहरण

खाद्य मंत्री दयालदास बघेल के जवाब पर पूर्व सीएम भूपेश बघेल ने कहा,

उन्होंने एक दिन खड़ता गांव में देखा कि कई लोग सड़क पर खड़े हैं। पूछने पर ग्रामीणों ने बताया कि यहां पर ई-केवाईसी प्रक्रिया पूरी करने के लिए आए हैं। गांव वालों ने बघेल को बताया कि गांव में नेटवर्क नहीं मिलता है। ऐसे में सड़क पर आकर ही उनको काम करवाना पड़ता है।

नहीं मिल पा रहा राशन

विधायक शेषराज हरवंश, बालोद विधायक संगीता सिन्हा और भूपेश बघेल ने कहा कि बस्तर संभाग सहित कई ऐसे जिले हैं, जहां मोबाइल इंटरनेट की पहुंच खत्म हो जाती है। पीडीएस दुकान पर पीओएस मशीन काम नहीं करता है। ऐसे में गरीबों को उनके हक का राशन नहीं मिल पाता, ई-केवाईसी होना तो उससे भी बड़ी समस्या है। खाद्य मंत्री के जवाब से असंतुष्ट विपक्ष ने बहिर्गमन कर दिया।

अमानक चावल की खरीदी विपक्ष ने की जिम्मेदारों पर कार्रवाई की मांग, बहिर्गमन

छत्तीसगढ़ विधानसभा में कोरबा जिले में अमानक चावल खरीदी का मामला कांग्रेस विधायक व्यास कश्यप ने उठाते हुए सरकार से पूछा कि आखिर कितनी मात्रा में अमानक चावल खरीदा गया और इसकी अनुमानित कीमत क्या है। प्रश्नकाल में

कांग्रेस विधायक व्यास कश्यप ने कहा कि यदि अमानक चावल की खरीदी हुई है, तो यह गंभीर लापरवाही है। क्योंकि इसका सीधा असर सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से आम जनता को मिलने वाले खाद्यान्न की गुणवत्ता पर पड़ सकता है। उन्होंने यह भी पूछा कि इस मामले में किन अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की गई है और उनके खिलाफ अब तक क्या कार्रवाई की गई है। जवाब में खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने सदन को बताया कि जांच में कोरबा जिले में 8 हजार क्विंटल से अधिक अमानक चावल खरीदे जाने की बात सामने आई है। चावल की अनुमानित कीमत करीब 3 करोड़ 34 लाख रुपये आंकी गई है। मंत्री ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए विभाग ने कार्रवाई की है और अधिकारी प्रमोद जांगड़े को निलंबित कर दिया गया है, इसके अलावा विभागीय स्तर पर अन्य कर्मचारियों की भी जिम्मेदारी तय की जा रही है।

नेता प्रतिपक्ष ने कार्रवाई का दिन पूछा

नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने मंत्री से पूछा कि संबंधित

अधिकारी को कब निलंबित किया गया और जांच की वर्तमान स्थिति क्या है। उन्होंने कहा, ऐसे मामलों में पारदर्शिता जरूरी है, ताकि जनता को भरोसा मिल सके कि दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। क्या प्रशासन ने संबंधित अधिकारी को छुट्टी वाले दिन रविवार को निलंबित किया।

मंत्री ने जांच का दिया आश्वासन

मंत्री ने बताया कि इस मामले की जांच के लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण यानी एफएसएसएआई से भी जांच कराई गई है। विभागीय स्तर पर जांच जारी है और दोषियों के खिलाफ आगे भी कार्रवाई की जाएगी। हालांकि मंत्री के जवाब से विपक्ष पूरी तरह संतुष्ट नहीं हुआ। उच्चस्तरीय जांच की मांग को लेकर विपक्षी विधायकों ने सदन में नारेबाजी की और विरोध स्वरूप सदन से बहिर्गमन कर दिया.

राज्य के आर्थिक विकास के लिए तकनीकी कौशलयुक्त मानव संसाधन का निर्माण आवश्यक : गुरु खुशवंत

स्टार्टअप और नवाचार को बढ़ावा, छात्र स्टार्टअप एवं नवाचार नीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

राज्य के आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, शिक्षा, सेवाएं और प्रौद्योगिकी प्रमुख क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए कुशल इंजीनियरों और तकनीकी कौशल से युक्त मानव संसाधन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। इसके लिए स्टार्टअप और नवाचार नीति को बढ़ावा देने के लिए पांच करोड़ का प्रावधान किया गया है। कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने अनुदान मांगों पर चर्चा करते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ग के विकास शासकीय के साथ प्रायवेट सेक्टर में रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं। राज्य में विश्वस्तरीय तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से रायगढ़, जगदलपुर, कबीरधाम, जशपुर, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए राशि प्रावधान किया गया है। नया रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए स्थापना अनुदान के रूप में 15 करोड़ रुपये तथा 18 नए पदों के सृजन के लिए 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई, शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थान रायपुर (कन्या), दुर्ग, रायगढ़ और धमतरी के अधोसंरचना विकास हेतु बजट का प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री उच्च शिक्षा ऋण ब्याज अनुदान योजना के अंतर्गत आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों को 4 लाख रुपये तक के शिक्षा ऋण पर ब्याज में राहत प्रदान की जाएगी। छात्र स्टार्टअप और नवाचार नीति के क्रियान्वयन के लिए 5 करोड़ रुपये का बजट रखा गया है। राज्य में वर्तमान में आईटीआई की में लगभग 61 हजार प्रशिक्षण सीटें उपलब्ध हैं जिसके लिए पिछली बार 76 हजार से अधिक आवेदन प्राप्त हुए, जिससे युवाओं में व्यावसायिक प्रशिक्षण के प्रति बढ़ती रुचि स्पष्ट होती है। नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में आईटीआई की स्थापना तथा सभी जिलों में रोजगार एवं स्वरोजगार मार्गदर्शन केन्द्र संचालित किए जा रहे हैं। समेकित बजट प्रावधान किया गया है। भवन विहीन संस्थाओं के लिए नए भवनों के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है। बड़े शहरों छात्रावासों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर विद्यार्थियों को सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। सतनाम पंथ के प्रवर्तक गुरु घासीदास से जुड़े तीर्थ स्थलों के विकास के लिए भी बजट स्वीकृत किया गया है। साथ ही अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों के विकास के लिए गठित प्राधिकरण के बजट में 25 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए इसे 75 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है।

कौशल विकास को नया प्रोत्साहन

छत्तीसगढ़ राज्य कौशल विकास प्राधिकरण के लिए वर्ष 2026-27 में 38 करोड़ रुपये का बजट प्रावधान किया गया है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना के अंतर्गत अब तक 4 लाख 91 हजार 543 युवाओं को प्रशिक्षण दिया जा चुका है, जिनमें से 2 लाख 72 हजार 754 युवाओं को रोजगार प्राप्त हुआ है। वर्तमान में 366 संस्थाएं कौशल प्रशिक्षण प्रदान कर रही हैं, जिनमें 212 लघु अवधि के कोर्स संचालित हैं। युवाओं को आधुनिक क्षेत्रों में कौशल प्रशिक्षण देने के लिए प्रतिष्ठित संस्थाओं के साथ अनुबंध किए गए हैं। राज्य परियोजना लाईवलीहुड कॉलेज सोसायटी के लिए 33 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। योजना के तहत अब तक 67 हजार 118 युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। नवा रायपुर में अंतर्राष्ट्रीय स्तर के कौशल प्रशिक्षण संस्थान के रूप में लाईवलीहुड सेंटर ऑफ एक्सीलेंस की स्थापना की जाएगी, जिसके लिए भूमि लीज अनुबंध हेतु 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

मनखे-मनखे एक समान के सिद्धांत पर चल रही सरकार

अनुसूचित जाति विकास मंत्री गुरु खुशवंत साहेब के विभाग के लिए 12 हजार 970 करोड़ रूपए की अनुदान मांगें विधानसभा में आज पारित कर दी गई है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रातः स्मरणीय, विश्ववंदनीय परम पूज्य बाबा गुरु घासीदास बाबा जी के मनखे-मनखे एक समान के संदेश पर चल रही है। अनुसूचित जाति कल्याण हेतु 7 करोड़ 15 लाख 39 हजार, अनुसूचित जाति उपयोजना हेतु 565 करोड़ 89 लाख 8 हजार रुपये का प्रावधान किया गया है। इस प्रकार कुल बजट 573 करोड़ 4 लाख 47 हजार रुपये बजट मंजूर की गई है, जो पिछले वर्ष के मुख्य बजट 531 करोड़ 17 लाख 64 हजार रुपये की तुलना में 7.88 प्रतिशत अधिक है। राज्य के मुख्य बजट में अनुसूचित जाति उपयोजना के अंतर्गत विभिन्न विभागों के माध्यम से 12,970 करोड़ 2 लाख 45 हजार रुपए का समेकित बजट प्रावधान किया गया है। भवन विहीन संस्थाओं के लिए नए भवनों के निर्माण हेतु 25 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए है। बड़े शहरों छात्रावासों में प्रवेश नहीं मिल पाने पर विद्यार्थियों को सहायता देने के लिए मुख्यमंत्री शिक्षा सहयोग योजना के अंतर्गत 2 करोड़ 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। सतनाम पंथ के प्रवर्तक गुरु घासीदास से जुड़े तीर्थ स्थलों के विकास के लिए भी बजट स्वीकृत किया गया है। साथ ही अनुसूचित जाति बाहुल्य जिलों के विकास के लिए गठित प्राधिकरण के बजट में 25 करोड़ रुपये की वृद्धि करते हुए इसे 75 करोड़ रुपये करने का प्रस्ताव रखा है।

धान उठाव की जानकारी सार्वजनिक करने समितियों के बाहर बोर्ड लगाएगी सरकार

प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रामकुमार यादव ने धान के कस्टम मिलिंग को रोके जाने की वजह पूछी। उन्होंने कहा, धान का उठाव नहीं होने से किसानों को काफी परेशानी झेलनी पड़ी। उन्होंने ये भी सवाल उठाया कि जो लोग इस पूरे मामले के लिए जिम्मेदार हैं, उनके खिलाफ सरकार ने क्या कार्रवाई की है। उन्होंने सक्ती जिले का उदाहरण देते हुए कहा, वहां करीब 30 करोड़ रुपये के धान को चूहों द्वारा खाने की बात सामने आ रही है, जो बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने कहा, सूखत (धान खराब होने) की जिम्मेदारी केवल समितियों के प्रबंधकों पर न डाली जाए।

600 करोड़ के धान पर उठे सवाल

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने कहा, सरकार ने अपने जवाब में यह स्वीकार किया है कि धान की रीसाइकिलिंग हो रही थी। इसी वजह से धान खरीदी को बंद कर दिया गया, जिससे किसान अपना धान नहीं बेच पाए। उन्होंने आरोप लगाया कि करीब 600 करोड़ रुपये का धान नहीं बिक पाया, जिसके लिए जिम्मेदार कौन होगा, यह स्पष्ट होना चाहिए। इस पर खाद्य मंत्री दयालदास बघेल ने जवाब देते हुए बताया कि प्रदेश में इस साल 47.41 लाख मीट्रिक टन धान की खरीदी की गई है, जिसमें से 44.25 लाख मीट्रिक टन धान का उठाव हो चुका है।

समितियों के बाहर लगाए जाएंगे बोर्ड

विपक्ष के सवाल पर विधानसभा आसंदी ने भी ये सुझाव दिया कि समितियों में बोर्ड लगाकर ये बताया जाए कि किस कार्य के लिए कितना पैसा दिया जा रहा है। आसंदी के सुझाव पर खाद्य मंत्री ने भी सहमति जताई। मंत्री ने कहा कि समितियों में बोर्ड लगाकर जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि किसानों को किसी तरह की क्षति न हो।

निर्माण श्रमिक पंजीयन में अनियमितता, श्रम निरीक्षक मरकाम निलंबित

मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना से जुड़े प्रकरण में अनियमितता पाए जाने पर जिला जांजगीर-चांपा के श्रम निरीक्षक लक्ष्मण सिंह मरकाम को निलंबित करने की घोषणा श्रम मंत्री लखनलाल देवांगन ने सदन में की। विधानसभा सदस्य बालेश्वर साहू द्वारा विधानसभा में ध्यानाकर्षण के जरिए मुद्दा उठाया गया, जिसमें कहा गया था कि मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना में अनियमितता बरती जा रही है। मंत्री ने कहा, इसमें दिव्यांग सहायता कलेक्टर जांजगीर-चांपा द्वारा कराई गई प्राथमिक जांच में निर्माण श्रमिक के पंजीयन में अनियमितता परिलक्षित हुई। जांच में पंजीयन आवेदन स्वीकृत करने वाले क्षेत्रीय श्रम निरीक्षक लक्ष्मण सिंह मरकाम, कार्यालय श्रम पदाधिकारी जिला जांजगीर- चांपा की भूमिका संदिग्ध पाए जाने पर उन्हें निलंबित करते हुए विभागीय जांच कराई जा रही है। निलंबित श्रम निरीक्षक मरकाम के निलंबन अवधि के दौरान मुख्यालय कार्यालय सहायक श्रमायुक्त, जिला बिलासपुर निर्धारित किया गया है। यह आदेश श्रमायुक्त के अनुमोदन से अपर श्रमायुक्त (स्थापना), कार्यालय श्रमायुक्त, छत्तीसगढ़, नवा रायपुर, अटल नगर द्वारा आज सोमवार को जारी किया गया है।

खबर संक्षेप

भाजयुमो का आज होली मिलन

रायपुर। भारतीय जनता युवा मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष राहुल टिकरिहा के नेतृत्व में मंगलवार को शदाणी दरबार के समीप शहनाई गार्डन में शाम 5 बजे होली मिलन समारोह आयोजित किया गया है। भाजयुमो प्रदेश मीडिया प्रभारी वासु शर्मा ने बताया, होली मिलन समारोह में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेशाध्यक्ष किरण देव, उपमुख्यमंत्री अरूण साव, विजय शर्मा सहित सभी मंत्री, सांसद बृजमोहन अग्रवाल, विधायक, जिलाध्यक्ष रायपुर शहर रमेश सिंह ठाकुर, रायपुर ग्रामीण जिलाध्यक्ष श्याम नारंग, रायपुर की महापौर मीनल चौबे सहित पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता बड़ी संख्या में शामिल होंगे।
नशे को हतोत्साहित करने

भारतमाता वाहिनी, तीन साल में खर्च हुए तीस करोड़

रायपुर। नशे की वजह से बढ़ रही अराजकता को नियंत्रित करने और इसकी लत के शिकार लोगों को जागरूक करने प्रदेश में गठित भारतमाता वाहिनी पर पिछले तीन साल में तीस करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। ग्राम पंचायत और आश्रित ग्राम में नशाखोरी को रोकने लिए गठित इस वाहिनी में महिला अध्यक्ष के नेतृत्व में आठ सदस्यों की टीम काम करती है। रायपुर जिले में वर्तमान में 112 भारत माता वाहिनी काम कर रही हैं। नशाखोरी की वजह से रायपुर समेत राज्यभर में लगातार आपराधिक घटनाएं बढ़ रही हैं। खासकर ग्रामीण इलाकों में शराबखोरी सहित अन्य घटनाओं की वजह से बढ़ रहे पारिवारिक कलह को रोकने के लिए तीन साल पहले भारतमाता वाहिनी का गठन किया गया था। ग्राम पंचायत स्तर पर महिला अध्यक्ष के नेतृत्व में काम करने वाली यह वाहिनी रैली, बैनर-पोस्टर सहित अन्य कार्यक्रमों की मदद से लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने का काम कर रही है।

होली-शादी का ऐसा भी असर, परीक्षा से गायब ना रहें छात्र, इसलिए फोन कर रहे शिक्षक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

पांचवीं और आठवीं की परीक्षा सोमवार से शुरू हुई। पहले दिन पांचवी की परीक्षा ली गई। परीक्षार्थियों की सुविधा के लिए विशेष व्यवस्था की जा रही है, जिसमें पेयजल, शौचालय और बैठने की उचित व्यवस्था शामिल है। पहले दिन पांचवीं की हिंदी की परीक्षा हुई। 5वीं की परीक्षा सुबह 9 से 11 बजे और 8 वीं की सुबह 9 से 12 बजे तक होगी। परीक्षा की गोपनीय सामग्री ब्लॉक स्तर पर पहले ही भेज दी गई थी। परीक्षा केंद्रों पर नकलविहीन परीक्षा सुनिश्चित करने के लिए उड़नदस्तों की टीम तैनात की गई है। इसके इतर, शासकीय शिक्षक अलग ही समस्या से जूझते नजर आए। शिक्षकों को मौखिक आदेश दिया गया है कि वे 5वीं-8वीं की परीक्षा में छात्रों की 100 प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करें। होली के दौरान छुट्टियों में कई छात्र अब तक नहीं लौटे हैं। कई विद्यार्थी शादियों में अपने परिजन संग गांव चले गए हैं। ऐसे में शिक्षक उन्हें फोन करके परीक्षा में शामिल होने आग्रह कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राज्य सरकार ने 2009 में शिक्षा का अधिकार लागू होने के बाद 8वीं बोर्ड परीक्षा लेना बंद कर दी थी। जबकि 2007 में 5वीं बोर्ड भी बंद हो गई थी। इधर प्रदेश के स्कूलों में बच्चों की पढ़ने की क्षमता में कमजोरी को देखते हुए शासन ने 15 साल बाद एक बार फिर 5वीं और 8वीं कक्षा में बोर्ड परीक्षा लेने का निर्णय लिया है। ऐसे में जिले के निजी और सरकारी स्कूलों के बच्चे परीक्षा में शामिल हो रहे हैं। प्रदेशभर के छात्र एक समान प्रश्नपत्र से ही परीक्षा दिलाएंगे।

पूरक परीक्षा जून में

इन दोनों परीक्षाओं की खास बात है कि जो विद्यार्थी वार्षिक परीक्षा में अनुत्तीर्ण होंगे, उन्हें पूरक परीक्षा में बैठने का अवसर दिया जाएगा। पूरक परीक्षा का आयोजन एक जून से किया जाएगा। यदि कोई छात्र पूरक परीक्षा में भी सफल नहीं होता है, तब भी उसे कक्षा उन्नति का लाभ दिया जाएगा। इधर शिक्षा विभाग ने स्पष्ट कर दिया है कि परीक्षा संचालन या मूल्यांकन में किसी भी स्तर पर लापरवाही, गड़बड़ी या गोपनीयता भंग होने की स्थिति में संबंधित शिक्षक या अधिकारी के खिलाफ कड़ी विभागीय कार्रवाई की जाएगी।

बिलासपुर सहित कई जिलों में देर से पहुंचे प्रश्नपत्र

बिलासपुर सहित कई जिलों में कुछ सेंटर में प्रश्नपत्र नहीं पहुंचने और देर से पहुंचने की शिकायत मिली। हालांकि शिकायतों के बाद शिक्षा विभाग ने व्यवस्था तत्काल करने की बात कही है। इस बार कक्षा 5वीं और 8वीं की केंद्रीय परीक्षा के लिए राज्य के सभी शासकीय और अनुदान प्राप्त स्कूलों को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। वहीं सीबीएसई और आईसीएसई से जुड़े स्कूल इस व्यवस्था से बाहर रहेंगे। संस्कृत और मदरसा बोर्ड से जुड़े विषयों के लिए अलग से विशेष व्यवस्था की गई है ताकि पाठ्यक्रम के अनुसार परीक्षा हो सके। परीक्षा की निष्पक्षता बनाए रखने के लिए हर परीक्षा केंद्र में केंद्राध्यक्ष की नियुक्ति पास के दूसरे स्कूल से की गई है। इनकी नियुक्ति विकासखंड शिक्षा अधिकारी के प्रस्ताव पर जिला स्तरीय संचालन समिति द्वारा की जा रही है। इससे स्थानीय स्तर पर किसी भी तरह की गड़बड़ी या पक्षपात की संभावना को कम किया जा सकेगा।

गढ़फुलझर नानक सागर बनेगा आस्था और पर्यटन का प्रमुख केंद्र

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महासमुंद जिले के बसना क्षेत्र में स्थित ऐतिहासिक एवं पवित्र स्थल गढ़फुलझर नानक सागर को आस्था और पर्यटन के प्रमुख केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। वे गढ़फुलझर नानक सागर में आयोजित होला मोहल्ला कार्यक्रम में शामिल होकर उपस्थित सिख श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे। मुख्यमंत्री श्री साय ने पवित्र गुरुग्रंथ साहिब के समक्ष मत्था टेककर प्रदेशवासियों की सुख-समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर सिख समाज की ओर से मुख्यमंत्री का सिरोपा भेंट कर आत्मीय स्वागत किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा कि गुरुनानक देवजी की तपोभूमि गढ़फुलझर सिख समाज की आस्था का केंद्र है, जहां अनेक संतों ने मानवता, सेवा और सद्भाव का संदेश दिया। इस पवित्र स्थल पर आकर उन्हें अत्यंत शांति और आध्यात्मिक आनंद की अनुभूति हुई। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के प्रमुख धार्मिक स्थलों के संरक्षण और समुचित विकास के लिए प्रतिबद्ध है। गढ़फुलझर को पर्यटन के रूप में विकसित करने की घोषणा पहले ही की जा चुकी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि विकास कार्य शीघ्र पूर्ण किए जाएं तथा नानक सागर क्षेत्र में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार किया जाए, ताकि यह स्थान प्रदेश और देश के श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र बन सके।

ये रहे उपस्थित : कार्यक्रम में कृषि मंत्री रामविचार नेताम, बसना विधायक संपत अग्रवाल, छत्तीसगढ़ सिख फोरम के अध्यक्ष बलदेव सिंह भाटिया, क्रेडा अध्यक्ष भूपेंद्र सवन्नी, राज्य अल्पसंख्यक आयोग अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा, स्काउट गाइड के आयुक्त इंद्रजीत गोल्डी, छत्तीसगढ़ राज्य बीज निगम के अध्यक्ष चंद्रहास चंद्राकर, रिंकू ओबरॉय, हरकिशन राजपूत, हरजीत हरजू सहित सिख समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

कांग्रेस का विधानसभा घेराव आज भीड़ जुटाने जिला अध्यक्षों को जिम्मा

प्रदेश प्रभारी पायलट, पूर्व सीएम भूपेश, टीएस सिंहदेव सहित पीसीसी पदाधिकारी होंगे शामिल

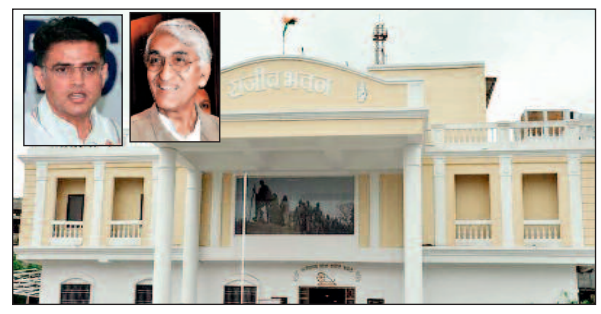

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

मनरेगा बचाओ संग्राम तथा प्रदेश के स्थानीय मुद्दों बिजली के दाम में बढ़ोतरी, किसानों से धोखा, धान खरीदी पर वादा खिलाफी, गैस सिलेंडर के दामों की बढोत्तरी बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था, प्रदेश में नशे की खेती और करोबार जैसे मुद्दो को लेकर कांग्रेस मंगलवार को विधानसभा का घेराव करेगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज, प्रभारी सचिव एस सम्पत, जरिता लेतफ्लांग, विजय जांगिड़ ने रायपुर शहर के पदाधिकारियों की बैठक लेकर तैयारियों की समीक्षा किया। समीक्षा के दौरान कांग्रेस ने जिला अध्यक्षों को भीड़ जुटाने का जिम्मा सौंपा है। कार्यक्रम में प्रदेश के प्रभारी महासचिव सचिन पायलट सहित सभी सह-प्रभारी, नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत, राष्ट्रीय महासचिव एवं पूर्व सीएम भूपेश बघेल, पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस्र सिंहदेव, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू सहित राज्य के वरिष्ठ नेतागण, कार्यकर्ता, पदाधिकारी सहित आम आदमी बड़ी संख्या में शामिल होंगे। विधानसभा घेराव के लिए जिलेवार तथा विधानसभा प्रभारियों की नियुक्तियां की हैं। 17 मार्च मंगलवार को राजधानी रायपुर के शंकर नगर पहुना के पहले केनाल रोड पर भारत माता चौक से कांग्रेसी दोपहर 12 बजे विधानसभा की ओर कूच करेंगे। कांग्रेस का दावा है कि लगभग 30 हजार से अधिक कांग्रेसी घेराव में शामिल होंगे।

सरकारी अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम के लिए मुख्यमंत्री, स्वास्थ्य मंत्री को बृजमोहन ने लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ के नागरिकों को बेहतर और समयबद्ध स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से रायपुर लोकसभा सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल को पत्र लिखकर छत्तीसगढ़ के प्रमुख शासकीय अस्पतालों एवं मेडिकल कॉलेजों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम की स्थापना की मांग की है।

अपने पत्र में सांसद श्री अग्रवाल ने कहा, प्रदेश की बड़ी

आबादी आज भी अपने उपचार के लिए शासकीय अस्पतालों और मेडिकल कॉलेजों पर ही निर्भर है। उन्होंने कहा, एक जनप्रतिनिधि के रूप में जब वे क्षेत्र के लोगों से मिलते हैं, तो अनेक परिवारों की पीड़ा सामने आती है। ऑपरेशन की तारीख के लिए लंबी प्रतीक्षा के कारण कई मरीजों की बीमारी और अधिक जटिल हो जाती है। वहीं निजी अस्पतालों में सर्जरी का अत्यधिक खर्च गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के लिए भारी आर्थिक संकट खड़ा कर देता है। कई परिवार अपनी जीवनभर की जमा पूंजी खर्च कर देते हैं, गहने बेचने पड़ते हैं और कई बार जमीन-जायदाद तक गिरवी रखनी पड़ती है। श्री अग्रवाल ने अपने पत्र में सुझाव दिया है कि प्रदेश के प्रमुख शासकीय चिकित्सा संस्थानों जैसे मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल रायपुर, डीकेएस सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल रायपुर सहित सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी सिस्टम स्थापित किया जाए।

मामला उजागर होने पर डुप्लिकेट श्रमिकों के नाम निरस्त किए जा रहे

हितग्राही एक, पंजीयन दो या उससे अधिक, ऐसे हजारों प्रकरण अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में मिले

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रायपुर

छत्तीसगढ़ में श्रम विभाग अंतर्गत असंगठित कर्मकार मंडल और भवन एवं अन्य सन्निर्माण के तहत हितग्राहियों को लाभ देने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इन योजनाओं का लाभ पाने के लिए हितग्राहियों को श्रम विभाग में पंजीयन कराना अनिवार्य हैं, लेकिन पंजीयन कराने में बड़ा फर्जीवाड़ा सामने आया है। एक हितग्राही ने अपने नाम से दो या उससे अधिक बार पंजीयन करा लिया है। हालांकि इस फर्जीवाड़ा को लेकर विभाग के अधिकारियों का कहना है कि यह गलती उस समय हुई है, जब आधार अनिवार्य नहीं था। आधार नंबर के अनुसार पंजीयन नहीं होने के कारण कई हितग्राहियों ने एक से अधिक बार अपना पंजीयन करा लिया है। एक से अधिक बार पंजीयन कराने वाले सभी हितग्राहियों के डुप्लिकेट नाम का पता लगाकर उनके पंजीयन निरस्त किए जा रहे हैं। श्रम विभाग कार्यालय से मिले आंकड़ों के अनुसार रायपुर जिले के अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में 31 जनवरी 2026 की स्थिति में श्रम विभाग के अधीन छत्तीसगढ़ भवन एवं अन्य सन्निर्माण कर्मकार कल्याण मंडल अंतर्गत 45 हजार 291 निर्माण श्रमिक, छत्तीसगढ़ असंगठित कर्मकार राज्य सामाजिक सुरक्षा मंडल अंतर्गत 12 हजार 797 असंगठित कर्मकार तथा छत्तीसगढ़ श्रम कल्याण मंडल अंतर्गत 4 हजार 547 संगठित श्रमिक पंजीकृत हैं।

निरस्त किएजा रहे

डुप्लिकेट श्रमिकों के नाम निरस्त किए किए जा रहे हैं। आधार अनिवार्य नहीं होने के कारण एक श्रमिक का एक से अधिक बार पंजीयन हो गए हैं। डुप्लिकेट नाम पता लगाकर निरस्त किए जा रहे हैं।
- देवेंद्र देवांगन, प्रभारी श्रमायुक्त, श्रम विभाग रायपुर

अभनपुर के अलावा अन्य विधानसभा क्षेत्रों में भी डुप्लिकेट नाम पंजीकृत

सूत्रों से पता चला है कि अभनपुर विधानसभा क्षेत्र के अलावा जिले के रायपुर पश्चिम, रायपुर उत्तर, रायपुर दक्षिण, रायपुर ग्रामीण, आरंग एवं अभनपुर विधानसभा क्षेत्र में भी बड़ी संख्या में श्रमिकों के नाम पर डूप्लीकेट पंजीकृत हैं। विभाग इन सभी डुप्लिकेट श्रमिकों के नाम पता कर उन्हें निरस्त कर रहा है।

खबर संक्षेप

वार्ड 6 में नाली निर्माण के लिए हुआ भूमिपूजन

आरंग। नगर पालिका आरंग के वार्ड क्रमांक 06 के अकोली रोड में वार्डवासियों द्वारा लंबे समय से नाली निर्माण की मांग की जा रही थी। जिस पर पार्षद खुशबू राकेश शर्मा ने तत्काल प्रस्ताव बनाकर मुख्य नगर पालिका अधिकारी को अवगत कराया। इस पर अनुशंसा कर टेंडर जारी किया गया। निर्माण कार्य के लिए आज नगर पालिका अध्यक्ष डॉ. संदीप जैन एवं पार्षद खुशबू राकेश शर्मा ने भूमिपूजन कर वार्डवासियों को शुभकामनाएं दीं। उक्त भूमिपूजन कार्यक्रम में पार्षद उमाकांत यादव, पार्षद चितरेखा विक्रम परमार, नगर पालिका इंजीनियर केशनाथ साहू व वार्डवासी उपस्थित थे।

पीएम श्री अरुंधती स्कूल में 18 को एल्युमिनी कार्यक्रम

आरंग। नगर के प्रतिष्ठित और ऐतिहासिक पीएम श्री अरुंधती विद्यालय में वर्षों बाद पुरानी यादों को जीवंत करने के लिए पूर्व छात्र मिलन समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। 18 मार्च को आयोजित होने वाले इस मिलन समारोह को 'यादों की धड़कन, स्पंदन' का अनूठा नाम दिया गया है। विद्यालय की प्राचार्य संध्या रानी बारीक एवं एसएमडीसी अध्यक्ष खिलेश धुरंधर ने संयुक्त रूप से जानकारी देते हुए बताया कि इस कार्यक्रम को लेकर छात्र-छात्राओं और प्रबंधन में भारी उत्साह है। विद्यालय परिसर में व्यापक स्तर पर तैयारियां की जा रही हैं, ताकि पुराने छात्र जब अपने स्कूल लौटें तो उन्हें वही अपनापन और सजीवता महसूस हो।

कांग्रेस का मनरेगा बचाओ संग्राम आज

सिलयारी। जिला कांग्रेस कमेटी रायपुर ग्रामीण के निर्देशानुसार 17 मार्च, मंगलवार को 'मनरेगा बचाओ संग्राम' के तहत विधानसभा घेराव कार्यक्रम का आयोजन दोपहर 12:00 बजे, भारत माता चौक, शंकर नगर रायपुर में किया गया है। अतः पूर्व विधायकगण, पूर्व सांसदगण, पूर्व जिलाध्यक्षगण, पूर्व ब्लॉक अध्यक्षगण, जिला पंचायत सदस्यगण, पूर्व जिला पंचायत अध्यक्षगण, जनपद सदस्यगण, पूर्व जनपद अध्यक्षगण, प्रदेश पदाधिकारीगण,ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के समस्त पदाधिकारीगण, नगर पंचायत के पूर्व अध्यक्ष एवं पार्षदगण, युवा कांग्रेस, किसान कांग्रेस, महिला कांग्रेस, एनएसयूआई, सेवादल एवं समस्त प्रकोष्ठों के पदाधिकारीगण होंगे शामिल।

कृषि पंपों में बिजली कटौती व लो वोल्टेज से बढ़ी परेशान

तरपोंगी। सरोरा, तरपोंगी, टंडवा, किरना, टोहड़ा, बिलाड़ी, तिल्दा क्षेत्र के किसान अटल ज्योति योजना के तहत लगाए गये कृषि पंप में विद्युत कटौती शाम 5 बजे से रात्रि 11 बजे तक बंद होने व लो वोल्टेज के कारण किसान परेशान है। गर्मी के मौसम में धान, सब्जी एवं अन्य फसल के कारण कृषकों को पानी की अधिक आवश्यकता है। क्षेत्र के किसान बार बार बिजली बंद एवं लो वोल्टेज होने से परेशान है। लो वोल्टेज को देखते हुए किसान नेता व पूर्व जिला पंचायत कृषि सभापति राजू शर्मा ने कहा कि वर्तमान में गर्मी के समय अटल ज्योति योजना के तहत शाम 5 से रात्रि 11 बजे तक विद्युत कटौती को बंद किया जाए, किसानों को फसल के लिए पानी दिया जाए। शर्मा ने कहा कि गर्मी तेज होने के कारण अचानक ट्रांसफार्मरों में लोड बढ़ रहा ऐसे ट्रांसफारमर को तत्काल बदलकर क्षमता बढ़ाने की मांग राजू शर्मा ने की है। क्षेत्र में धान की फसल लगाए जाने के कारण कृषि पंपों के माध्यम से खेतों में सिंचाई हेतु अधिक पानी की आवश्यकता है। किसानों को भी उद्योगपति के बराबर 24 घंटा बिजली दी जाय।

सीएमओ पर तानाशाही का आरोप, पार्षदों ने पालिका में की तालाबंदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ चंदखुरी

मंदिर हसौद नगर पालिका परिषद में सोमवार को बड़ा विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। मुख्य नगर पालिका अधिकारी (सीएमओ) श्रीमती पूजा पिल्ले की कथित मनमानी और तानाशाही कार्यशैली के खिलाफ पार्षदों, व्यापारी संघ और स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका कार्यालय के मुख्य गेट पर ताला जड़ दिया। साथ ही एक दिवसीय हड़ताल और शांतिपूर्ण धरना प्रदर्शन किया गया जिसमें पूरा नगर की सभी दुकानें बंद रही।

प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि सीएमओ श्रीमती पूजा पिल्ले लंबे समय से जनप्रतिनिधियों की अनदेखी कर रही हैं और कई प्रशासनिक फैसले नियमों के खिलाफ ले रही हैं। इससे नगरवासियों, व्यापारियों और पार्षदों में गहरा असंतोष फैल गया है। पूर्व में भी कई बार शिकायतें और ज्ञापन दिए जा चुके हैं, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई। नगर पालिका अध्यक्ष गोपाल चतुर्वेदी के नेतृत्व में यह आंदोलन किया गया। प्रदर्शन के दौरान पार्षदों और नागरिकों ने एक संयुक्त ज्ञापन सौंपा, जिसमें मांग की गई है कि: श्रीमती पूजा पिल्ले के खिलाफ निष्पक्ष जांच शीघ्र कराई जाए। जांच पूरी होने तक उन्हें पद से अलग रखा जाए और अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। इससे नगर पालिका के कार्य सुचारू रूप से चल सकें और जांच की निष्पक्षता बनी रहे।प्रदर्शन के दौरान रायपुर कलेक्टर के नाम पर मंदिर हसौद तहसीलदार समक्ष ज्ञापन सौंपा गया।

आरोप निराधार : पूजा पिल्ले

सीएमओ पूजा पिल्ले ने कहा कि अध्यक्ष द्वारा लगाया गया आरोप निराधार है। स्वयं परिषद कि बैठक को विगत 6 माह से अनावश्यक रूप से टाला जा रहा है। जबकि अनेकों बार भाजपा पार्षदगण एवं मेरे द्वारा बैठक की तिथि निर्धारण हेतु उनके समक्ष कई बार नस्ती बढ़ाया जा चुका है, उनकी अरुचि के कारण प्रशासकीय एवं वित्तीय स्वीकृति के अभाव में विकास एवं मूलभूत कार्य प्रभावित हो रहे हैं। रही बात जनप्रतिनिधियों के सम्मान कि बात तो मेरे द्वारा हमेशा आमनगरिकों एवं जनप्रतिनिधियों से सम्मानपूर्वक व्यवहार किया जाता है, मेरे विरुद्ध लगाया गया आरोप पूर्णतः निराधार एवं असत्य है।

11 लाख का चेक और 50 हजार नकद मिलने पर हुआ समझौता

संयंत्र में महिला की मौत, परिजनों ने शव को लेकर दिया धरना तब मिला मुआवजा

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा न्यूज

तिल्दा के समीप स्थित ग्राम खम्हरिया में संचालित पाइप इंपैक्स प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत एक महिला की प्लांट के अंदर काम करते समय अचानक मौत हो गई महिला की हुई। मौत की खबर मिलने के बाद बवाल खड़ा हो गया ।महिला के परिजन और भीम आर्मी संगठन के लोग शव को लेकर प्लांट के मुख्य गेट के सामने धरने पर बैठ गए। जिससे शनिवार पूरी रात तनाव की स्थिति बनी रही। प्रबधन महिला की मौत का कारण अचानक तबीयत खराब होना बताता रहा है ,वही परिजन मौत को संदिग्ध परिस्थितियों में होना बताकर जाँच की मांग करते मुवाअजा और महिला के परिजनों को पर्मानेट नौकरी देने की मांग करते रहे। समझौते के बाद सोमवार सुबह 5 बजे गेट से शव को हटाया गया ।

जानकारी अनुसार ग्राम देवगांव निवासी सुनीता धृतलहरे 42 वर्ष पाइप इंपैक्स प्राइवेट लिमिटेड में काम करती है । शनिवार को प्लांट के अंदर जब वह काम कर रही थी तभी उसकी अचानक तबीयत

बिगड़ गई और कुछ ही देर में उसकी मौत हो गई । उधर जब महिला के मौत की खबर उनके परिजनों को हुई तो वे रोते हुए संयंत्र पहुंच गए। लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें अंदर जाने से रोक लिया और बताया गया कि महिला की तबीयत बिगड़ने के बाद उसे तिल्दा उपचार के लिए भेजा गया है। उसके बाद उनके परिजन तिल्दा आ गए। लेकिन महिला को किस अस्पताल उपचार के लिए लाया गया है जानकारी नहीं मिल पाई जिसके कारण एक से दुसरे अस्पताल भटकते रहे ।

बाद उन्हें यह बताया गया कि उसकी तबीयत ज्यादा बिगड़ जाने के कारण रायपुर मेकाहारा अस्पताल रेफर किया गया है। जब परिजन देर शाम मेकाहारा पहुंचे तो डॉक्टरो ने बताया कि उसकी मौत हो चुकी हैउसे पोस्ट मार्टम के लिए ले जाया गया है । परिजनों का आरोप है कि सुनीता की मौत संयंत्र के अंदर ही हो चुकी थी बावजूद जबरदस्ती उसे उपचार के बहाने तिल्दा भेज दिया गया ।फिर वहां से उसे रायपुर रेफर किया गया।

इस तरह महिला को जिन्दा बताकर उपचार क्रे बहाने उसके शव को पहले तिल्दा फिर रायपुर घुमाया जाता रहा और महिला के परिजन इधर उधर भटकते रहे। प्लांट प्रबंधन के द्वारा झूठी जानकारी दिए जाने से महिला के परिजन आक्रोशित हो गए, और भीम आर्मी के पदाधिकारी के साथ प्लांट पहुंच शव को लेकर धरने में बैठ गएऔर महिला की मौत की जांच के साथ मुआवजा और उसके परिजन को नौकरी देने की मांग कर प्रबंधन के विरोध में नारेबाजी करने लगे। पूरी रात महिला का शव के साथ बैथे रहे । इस बीच संयंत्र मैं ठेकेदारी करने वाले कुछ लोग वहां पहुंच गए और परिजनों को 2 लाख दिलानेकी बात कहकर धरना समाप्त करने दबाव बनाते रहर लेकिन धरने पर बैठे परिजनों भीम आर्मी के सदस्यों ने उनकी बात को अनसुना कर अपनी मांग पर अड़े रहे।इस दौरान प्रबंधन के कुछ लोग क्षेत्र के दलाल नुमा नेतांओ को लेकर दबाव बनाते रहे जब किसी की नहीं चली तब सुबह 5 बजे प्रबंधन और परिजनों के बीच समझौता हुआ। परिजनों के बताए अनुसार उन्हें 11 लाख का चेक मुआवजा राशी के रूप में दिया गया है साथ ही अतिम संस्कार के लिए 50 हजार नकद दिया गया, और घर के एक सदस्य को नौकरी देने का भी आश्वासन दिया गया है।

धोबी समाज के महाअधिवेशन में भवन निर्माण का संकल्प लिया

हरिभूमि न्यूज ⏭ सिलयारी

धोबी समाज कूंरा राज धरसीवां परिक्षेत्र का महाधिवेशन मलौद मे प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर के उपस्थिति में हुई जिसमें जिला पंचायत के सभापति श्रीमती सरोज चंद्रवंशी किसान नेता राजू शर्मा सरपंच शारदा देवांगन उप सरपंच जनार्दन वर्मा पंच महेंद्र देवांगन सहित अनेक पंचायत प्रतिनिधि अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर श्रीमती चंद्रवंशी ने कहा धोबी समाज अब उपेक्षित नहीं रहेगा समाज का भवन बनकर रहेगा। इस समाज को भी सत्ता संगठन में भागीदारी मिलनी चाहिए। समाज के प्रदेश अध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने पंचायत प्रतिनिधियों का आभार मानते हुए कहा सभी प्रक्रियाओं को मिल जुल कर पूरी करे भवन निर्माण के सांसद बृजमोहन अग्रवाल श्रीमती लक्ष्मी वर्मा विधायक अनुज शर्मा से आवश्यक राशि की मांग हम लोग जरुर करेंगे। किसान नेता राजू शर्मा ने कहा धोबी समाज अति पिछड़ा है राजनेताओं को इस समाज पर भी ध्यान देना चाहिए। सरपंच शारदा देवांगन उप सरपंच जनार्दन वर्मा ने कहा पंचायत की ओर से जमीन आवंटन के लिए प्रस्ताव पारित कर जिला पंचायत को भेजा जाएगा अध्यक्षता करते हुए कूंरा राज धरसीवां परिक्षेत्र के अध्यक्ष मंसाराम निर्मलकर ने कहा अब छेत्र में धोबी जगाओ अभियान चलाया जाएगा।

इस महाधिवेशन में विवाह योग्य बेटा बेटी ने भी अपना परिचय देकर अपना मनपसंद जीवन साथी चयन करते रहें। माहाधिवेशन का संचालन उपाध्यक्ष भूजबल निर्मल कर कोषाध्यक्ष भुवनेश्वर निर्मलकर सचिव हरिश्चंद्र निर्मलकर कर रहे थे। आभार प्रदर्शन सह सचिव दिलीप निर्मल कर ने किया।

माहधिवेशन मे दुर्ग जिला अध्यक्ष गोपाल निर्मलकर जांजगीर जिला संगठन प्रभारी महावीर कर्ष ने भावी वर-वधू को मंच में पहूंच कर परिचय देने के लिए प्रोत्साहित करते रहे। माहाधिवेशन में नरेंद्र निर्मल कर श्रीमती निर्मला गणेशिया रेखा अनिता पिंकी ज्योति लीला पुर्णिमा दुलारी सम्मत घसनीन लछमी बुधयारीन डिगेशवरी बृहस्पति सहित अनेक दिग्गज पदाधिकारी का सराहनीय योगदान रहा ।

छग के बजट में तकनीकी शिक्षा और कौशल विकास को मिली प्राथमिकता

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

छत्तीसगढ़ विधानसभा के बजट सत्र फरवरी-मार्च 2026 में कौशल विकास, तकनीकी शिक्षा एवं रोजगार मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने विभागीय बजट प्रस्तुत किया। मंत्री गुरु साहेब ने कहा कि राज्य के आर्थिक विकास के लिए कृषि, उद्योग, शिक्षा, सेवाएं और प्रौद्योगिकी प्रमुख क्षेत्र हैं। इन क्षेत्रों के विकास के लिए कुशल इंजीनियरों और तकनीकी कौशल से युक्त मानव संसाधन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है। राज्य सरकार तकनीकी एवं व्यावसायिक शिक्षा के समुचित विकास के लिए निरंतर प्रयासरत है। मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि प्रदेश के 33 जिलों में वर्तमान में 4 छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, 2 शासकीय इंजीनियरिंग महाविद्यालय, 1 सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ पेट्रोकेमिकल्स इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी रायपुर, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग (छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई) तथा 20 निजी इंजीनियरिंग महाविद्यालय संचालित हैं। वहीं पॉलीटेक्निक क्षेत्र में 3 सीजीआईटी (पॉलीटेक्निक), 35 शासकीय पॉलीटेक्निक, 1 विश्वविद्यालय शिक्षण विभाग तथा 14 निजी पॉलीटेक्निक संस्थान संचालित हैं। इंजीनियरिंग महाविद्यालयों में 11 हजार 528 तथा पॉलीटेक्निक संस्थानों में 8,408 सीटें उपलब्ध हैं। तकनीकी शिक्षा विभाग का बजट वर्ष 2018 में 265.49 करोड़ रुपये था, जो बढ़कर वर्ष 2026-27 में 372.35 करोड़ रुपये हो गया है।

मंत्री गुरु खुशवंत साहेब ने बताया कि राज्य में विश्वस्तरीय तकनीकी मानव संसाधन तैयार करने के उद्देश्य से रायगढ़, जगदलपुर, कबीरधाम, जशपुर, रायपुर, दुर्ग और बिलासपुर में छत्तीसगढ़ इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी की स्थापना के लिए 12.02 करोड़ रुपये तथा मशीन और उपकरणों की खरीद के लिए 98 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि सीजीआईटी रायगढ़ में अतिरिक्त कक्ष निर्माण और ऑडिटोरियम जीर्णोद्धार के लिए 2.50 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। नया रायपुर स्थित अंतर्राष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी संस्थान के लिए स्थापना अनुदान के रूप में 15 करोड़ रुपये तथा 18 नए पदों के सृजन के लिए 50 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। गुर साहेब जी ने बताया कि छत्तीसगढ़ स्वामी विवेकानंद तकनीकी विश्वविद्यालय भिलाई के अधोसंरचना विकास हेतु 41.90 करोड़ रुपये की परियोजना में से वर्ष 2026-27 में 10 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त मशीन एवं उपकरण क्रय के लिए 10 करोड़ रुपये तथा स्थापना अनुदान के लिए 20 करोड़ रुपये निर्धारित किए गए हैं। शासकीय पॉलीटेक्निक संस्थान रायपुर (कन्या), दुर्ग, रायगढ़ और धमतरी में मशीन एवं उपकरणों की खरीद के लिए 2 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है।

संविदा शिक्षकों की भर्ती प्रक्रिया पर असंतोष, संशोधन की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय संचालन एवं प्रबंधन समिति, जिला रायपुर द्वारा 19 फरवरी को रायपुर जिले के 31 स्कूलों में व्याख्याता, प्रधान पाठक, प्राथमिक शाला शिक्षक, सहायक शिक्षक, व्यायाम शिक्षक, सहायक ग्रेड-3, ग्रंथपाल सहित कुल 151 पदों पर भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। आवेदन की अंतिम तिथि 20 मार्च निर्धारित की गई है। भर्ती प्रक्रिया के अंतर्गत एक नियम को लेकर अभ्यर्थियों में जबरदस्त असंतोष देखने को मिल रहा है। जारी दिशा-निर्देशों के अनुसार जो अभ्यर्थी वर्तमान में किसी स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में संविदा शिक्षक के रूप में कार्यरत हैं, वे समकक्ष पद के लिए आवेदन नहीं कर सकते। अभ्यर्थियों का कहना है कि यह नियम तर्कसंगत नहीं है, क्योंकि कई शिक्षक वर्तमान में अन्य जिलों में पदस्थ हैं और अपने गृह जिले से दूर सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे में वे अपनी पूर्ण शैक्षणिक योग्यता और अनुभव होने के बावजूद इस प्रतिबंध के कारण आवेदन करने से वंचित हो रहे हैं। शिक्षकों और अभ्यर्थियों ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव तथा प्रशासन से मांग की है कि इस नियम पर पुनर्विचार कर आवश्यक संशोधन तुरंत किया जाए, ताकि योग्य एवं अनुभवी उम्मीदवारों को समान अवसर मिल सके और चयन प्रक्रिया अधिक पारदर्शी एवं न्यायसंगत बन सके।

साहू समाज ने मनाई माता कर्मा जयंती

तरपोंगी। सोमनाथ धाम कर्मा मंदिर प्रांगण में रविवार को साहू समाज की आराध्य देवी की 1010 वीं जयंती मनाई गई जिसमें सर्वप्रथम मां कर्मा की पूजा अर्चना करने के बाद पहुंचे अतिथियों का स्वागत वंदन कर बच्चों के द्वारा मनमोहक प्रस्तुति दिया गया। अतिथि के रूप में तहसील साहू संघ के संरक्षक पोषण साहू , उपाध्यक्ष गिरेंद्र साहू , परिक्षेत्र अध्यक्ष संतोष साहू , डागेश्वर साहू,पवन साहू , मनोहर साहू,मंदिर समिति परम संरक्षक तुला राम साहू उपस्थित रहे। अतिथियों ने अपने उद्बोधन में सामाजिक एकता पर जोर दिया। इस अवसर पर मंदिर समिति के संरक्षक भरत साहू, अध्यक्ष माखन साहू, उपाध्यक्ष रूपकुमार साहू, सचिव डॉ तखत साहू, सह सचिव परमेश्वर साहू, कोषाध्यक्ष बेनी राम साहू, अंकेक्षक रामेश्वर साहू, डॉ शिव कुमार साहू, तखत राम साहू, रंजीत साहू, अरुण साहू, युगल किशोर साहू, सोनम साहू, रतनी साहू, दुष्यंत साहू, मुकेश साहू , परमेश्वर साहू सहित बड़ी संख्या में सामाजिक जन उपस्थित रहे।

सतनामी समाज ने 40 उत्कृष्ट महिलाओं का किया सम्मान

अभनपुर। उपतहसील परिक्षेत्र सतनामी समाज खोरपा-भटगांव द्वारा उत्कृष्ट महिला सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उपतहसील खोरपा परिक्षेत्र के 21 गांवों से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली 40 महिलाओं को सम्मान पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस मौके पर उपतहसील अध्यक्ष लक्ष्मवीर बांधे ने कहा कि महिलाओं का हर क्षेत्र में आगे बढ़ना अत्यंत आवश्यक है। वहीं परिक्षेत्र के संरक्षक प्रेमलाल गहिरवारे ने कहा कि महिला समाज के विकास की धुरी होती है और उनके योगदान से ही समाज आगे बढ़ता है। वही कार्यक्रम में अन्य वक्ताओं ने महिलाओं की समाज निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। इस दौरान मनमोहन कुर्रे, जितेंद्र कुर्रे,खिलावन जोशी, प्रेमलाल गहिरवारे, मोहन बंजारे, सूर्यकांत चेलक, कमलेश बांधे, हेमलाल मारकंडेय, विकास बंजारे, अजय गायकवाड़, उत्तम रात्रे, टेशू भारती, महेश कुर्रे, भानू मार्कंडेय, ईश्वरी बघेल, अजय बघेल, सूरज बघेल,नेहा कुर्रे सहित संतोषी बंजारे, कुन्ती बांधे, सुरेखा ओगरे, नूतन टंडन, सरोज चेलक, नर्मदा, ललिता मारकंडेय, मीना मनहरे, सुमिता मारकंडेय, रूखमणी बंजारे, सुनीता बांधे, पूर्णिमा बंजारे, चांदनी जांगड़े, योगेश्वरी जोशी, चित्रलेखा डहरिया, जमुना चेलक, शम्मी टंडन, रेमन कुर्रे, रूखमणी कुर्रे, कमलेश्वरी कुर्रे, थनेश्वरी जांगड़े, हेमलता कुर्रे, कौशिल्या बंजारे, डीसन बंजारे, सरस्वती बघेल सहित पदाधिकारी एवं सामाजिकजन उपस्थित रहे।

मां कर्मा जयंती हर्षोल्लास से मनाई और निकली गई भव्य शोभायात्रा

आरंग। नगर साहू समाज आरंग परिक्षेत्र द्वारा संत शिरोमणि मां कर्मा जयंती समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर साहू छात्रावास आरंग से भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें बड़ी संख्या में महिलाएं कलश धारण किए हुए थीं, जो विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। शोभायात्रा में बच्चों व युवाओं का उत्साह देखते ही बन रहा था।

मां कर्मा चौक में आम जनों के लिए हलवा का प्रसाद वितरण किया गया। शोभायात्रा का समापन कर्मा भवन में संपन्न हुआ, जहां कर्मा माता मंदिर में पूजा-अर्चना कर खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया गया। तत्पश्चात कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि गुरु खुशवंत साहेब, कैबिनेट मंत्री, छत्तीसगढ़ शासन शामिल हुए। विशिष्ट अतिथि डॉ. संदीप जैन, अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग तथा कार्यक्रम की अध्यक्षता देवनाथ साहू, अध्यक्ष जिला साहू संघ रायपुर ग्रामीण ने की। इस अवसर पर गुरु खुशवंत साहेब ने साहू समाज की प्रशंसा करते हुए कहा कि साहू समाज हर जगह जागृत होकर मां कर्मा जयंती कार्यक्रम आयोजित कर रहा है। मां कर्मा सर्व समाज की माता हैं। मां कर्मा के जीवन से प्रेरणा लेकर हमें भी अपने जीवन में उनके आदर्शों को अपनाना चाहिए, ताकि समाज समृद्ध हो। सभी समाजों की समृद्धि से ही विकसित भारत का लक्ष्य साकार होगा। उन्होंने बताया कि छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव सरकार ने मां कर्मा की आदमकद कांस्य मूर्ति के लिए 5 करोड़ रुपये की राशि का प्रावधान बजट में किया है। कार्यक्रम को डॉ. संदीप जैन और देवनाथ साहू ने भी संबोधित किया। इससे पहले साहू समाज आरंग परिक्षेत्र के अध्यक्ष अविनाश विक्की साहू ने स्वागत भाषण में अतिथियों का स्वागत करते हुए सामाजिक गतिविधियों की जानकारी दी।

कथा सुनकर श्रद्धालु हुए भावविभोर, ओम नमः शिवाय मंत्र का घोष गूंजा

कथा में द्वादश ज्योतिर्लिंगों का पंड़ित अनिल ने किया वर्णन

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

धर्मनगरी आरंग के लोधी पारा स्थित रामलीला मंच (लोधी सभा भवन) में आयोजित भव्य श्री शिवमहापुराण कथा के आठवें दिन श्रद्धा और भक्ति का अपूर्व संगम देखने को मिला। परम पूज्य आचार्य अनिल शुक्ला महाराज के श्रीमुख से बह रही कथा की अमृत गंगा में गोता लगाने क्षेत्र के बड़ी संख्या में धर्मप्रेमी उमड़ रहे हैं। कथा के आठवें दिन महाराज श्री ने भगवान शिव के विभिन्न अवतारों और पावन द्वादश ज्योतिर्लिंगों की उत्पत्ति एवं उनकी महिमा का विस्तार से वर्णन किया। उन्होंने बताया कि शिव के ये अवतार जगत कल्याण के लिए हुए हैं और ज्योतिर्लिंगों का स्मरण मात्र ही मनुष्य के समस्त कष्टों को हर लेता है। भक्तिमय भजनों पर श्रद्धालु झूम उठे और पूरा वातावरण ॐ नमः शिवाय और /"हर-हर महादेव/" के जयघोष से गुंजायमान हो गया। इस ऐतिहासिक आयोजन को सफल बनाने में अपना निस्वार्थ योगदान देने वाले विशिष्ट जनों का आज आयोजक समिति द्वारा सम्मान किया गया। आचार्य अनिल शुक्ला महाराज के कर-कमलों से सहयोगियों को श्रीफल भेंट कर उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया गया। समिति ने कहा कि जनसहयोग से ही ऐसे वृहद आयोजन संभव हो पाते हैं। 17 मार्च को इस नौ दिवसीय भक्ति महोत्सव का अंतिम दिन (पूर्णाहुति) है। समापन के अवसर पर विशेष धार्मिक अनुष्ठानों की श्रृंखला आयोजित की जाएगी, जिसमें महाराज श्री द्वारा कथा का सार और अंतिम उपदेश, विश्व शांति और क्षेत्र की समृद्धि के लिए आहुतियां डाली जाएंगी, भगवान शिव का विशेष श्रृंगार और सामूहिक आरती होगी। यज्ञ की पूर्णाहुति के पश्चात विशाल भंडारे का आयोजन होगा, जिसमें सभी श्रद्धालु प्रसाद ग्रहण करेंगे। आयोजक समिति ने समस्त क्षेत्रवासियों से अपील की है कि मंगलवार को आयोजित होने वाली इस भव्य पूर्णाहुति और महाप्रसादी में सपरिवार सम्मिलित होकर पुण्य लाभ अर्जित करें।

खबर संक्षेप

एमआईसी की बैठक आज

रायपुर। रायपुर नगर निगम के मेयर इन काउंसिल की बैठक 17 मार्च को दोपहर 12 बजे महात्मा गांधी सदन के एमआईसी कक्ष में आयोजित है। महापौर मीनल चौबे की अध्यक्षता में होने वाली इस बैठक में निगम बजट पर चर्चा, कविता नगर, लभांडी क्षेत्र में नाला निर्माण, गरीबी उपशमन विभाग से प्राप्त प्रस्ताव चर्चा के लिए रखे जाएंगे। इसके अलावा नगर निगम के दस जोन से निराश्रित, विधवा, दिव्यांग पेंशन, पारिवार सहायता पेंशन के प्रकरण पर एमआईसी की मुहर लगेगी। इसके अलावा नामकरण, स्थल परिवर्तन के साथ ही शंकरनगर क्षेत्र के क्रिस्टल आर्किड के पास खालसा स्कूल से व्यवस्थापित किए गए मुख्यमंत्री स्वावलंबन योजना के प्रभावित दुकानदारों के व्यवस्थापन संबंधी प्रस्ताव एमआईसी में रखा जाएगा। महापौर मीनल चौबे ने हरिभूमि को बताया कि नगर निगम बजट इसी माह के अंतिम सप्ताह में प्रस्तुत किया जाएगा।

झेरिया यादव समाज की 18 से शुरू होगी चुनावी प्रक्रिया

रायपुर। छत्तीसगढ़ झेरिया यादव समाज की चुनावी प्रक्रिया 18 मार्च से शुरू होने जा रही है। इस संदर्भ में मुख्य निर्वाचन अधिकारी जगत राम यादव और सुकालू राम यदु ने सोमवार को प्रेस क्लब में पत्रकार वार्ता में जानकारी दी। उन्होने बताया कि इसमें अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, सचिव, कोषाध्यक्ष, संयुक्त सचिव के एक-एक पदों की दावेदारी होगी। इसके साथ ही सदस्य के दो पद होने से कुल सात पदाधिकारियों का चयन करने के लिए समाज के पंजीकृत सदस्य मतदान करेंगे। मतदाता सूची का प्रथम प्रकाशन और त्रुटि सुधार की प्रक्रिया 18 से 20 मार्च तक की जाएगी।

निधन

सरोज देवी लुंकड़

रायपुर। शैलेंद्र नगर निवासी सरोज देवी लुंकड़ का 16 मार्च को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 मार्च को निवास स्थान से मारवाड़ी श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे युगराज लुंकड़ की पत्नी और सुमित, सौरभ, ऋषभ लुंकड़ की माता थीं।

रवींद्र कुमार श्रीवास्तव

रायपुर। कबीर नगर निवासी सेवानिवृत्त उपसचिव रवीन्द्र कुमार श्रीवास्तव का 16 मार्च को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 मार्च को दोपहर 11 बजे महादेवघाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे श्रीकांत श्रीवास्तव, पत्रकार अनुपमा चंद्राकर, अंजली श्रीवास्तव सक्सेना के पिता थे।

पवन अग्रवाल

रायपुर। रायपुर निवासी पवन अग्रवाल का 15 मार्च को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार 16 मार्च को तेलीबांधा मुक्तिधाम में किया गया। वे पुष्पा अग्रवाल के पति, अमित अग्रवाल, मनीष अग्रवाल और अनीश अग्रवाल के पिता थे।

आदित्या यादव

रायपुर। अमनपुर परसदा निवासी आदित्या यादव (20) का 16 मार्च को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार गृहग्राम के मुक्तिधाम में किया गया। वे मुकेश यादव के पुत्र और पत्रकार मनोज यादव के भतीजे थे।

पुरुषोत्तम दास शर्मा

रायपुर। अवंति विहार लभांडी निवासी पुरुषोत्तम दास शर्मा का 16 मार्च को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 17 मार्च को सुबह 10 बजे उनके निवास स्थान से न्यू राजेंद्र नगर मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे चंद्रमणि शर्मा, सूर्यकांत शर्मा, शशिकांत शर्मा के पिता थे।

खारुन नदी के दोनों किनारों की बढ़ेगी खूबसूरती, 45 किमी तक सड़क निर्माण, हरियाली होगी विकसित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अंचल की जीवनदायिनी खारुन नदी की सुंदरता बढ़ेगी। नदी के दोनों ओर 45 किलोमीटर के दायरे में आने-जाने के लिए सड़क निर्माण कराया जाएगा, साथ ही इस क्षेत्र को हरा-भरा रखने हरियाली विकसित की जाएगी। रिवर फ्रंट पर आम जनता के लिए वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा विकसित की जाएगी। जगमग रोशनी के साथ लोगों का ध्यान आकर्षित कराने आकर्षक रंग-बिरंगी फौवारे लगाने की योजना है। प्रोजेक्ट का उद्देश्य खारुन नदी के आसपासके इलाके को सजाने-संवारने और पर्यटन को बढ़ावा देना है। इसके तहत महादेवघाट कारीडोर क निर्माण कराया जाएगा। राज्य शासन ने खारुन रिवर फ्रंट के विकास के लिए ने 84.15 करोड़ रुपये स्वीकृत किए हैं।

- राज्य शासन ने खारुन रिवर फ्रंट के लिए 84 करोड़ 15 लाख की दी स्वीकृति

रायपुर पश्चिम विधायक राजेश मूणत की पहल पर लोक निर्माण विभाग ने खारुन रिवर फ्रंट के निर्माण, विकास और सौंदर्यीकरण कार्य के लिए पुनरीक्षित प्रशासकीय स्वीकृति प्रदान की है। श्री मूणत ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और उप मुख्यमंत्री व लोक निर्माण मंत्री अरुण साव के प्रति आभार जताया है। राजेश मूणत ने कहा है कि वे स्वयं इस प्रोजेक्ट के प्रगति की निगरानी करेंगे ताकि यह कार्य निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा हो।

रिवर फ्रंट पर वाटर स्पोर्ट्स की सुविधा, आकर्षक लाइटिंग, फौवारे भी लगाए जाएंगे

इस तरह की सुविधा

- महादेव घाट कॉरिडोर का निर्माण
- नदी के किनारे पार्क और बाग, पिकनिक स्पॉट
- पैदल चलने वालों के लिए फुटपाथ, साइकिल चलाने वालों के साइकिल ट्रैक का निर्माण
- स्थानीय व्यापार को बढ़ावा देने रोजगार और छोटे व्यापारियों के लिए आए के साधन सृजित किए जाएंगे

प्रोजेक्ट की कार्ययोजना व शर्त

लोक निर्माण विभाग की ओर से जारी आदेश के मुताबिक इस परियोजना को कड़े मानकों के साथ पूरा किया जाएगा।

तकनीकी श्रेष्ठता : सक्षम अधिकारियों से तकनीकी स्वीकृति मिलने के बाद निविदा आमंत्रित की जाएगी। इसके बाद कार्य की डिजाइन का बारीकी से परीक्षण कर उसे अनुमोदित किया जाएगा, ताकि यह रिवर फ्रंट देखने में अद्भुत और आधुनिक हो।

समयबद्धता : कार्य के लिए कम से कम 90 फीसदी बाधारहित भूमि सुनिश्चित की गई है, जिससे कि निर्माण कार्य में कोई रूकावट न आए। भू अर्जन की स्थिति में राजस्व विभाग के साथ मिलकर गहन परीक्षण के बाद ही व्यय किया जाएगा।

पुराने पंप हाउस में स्पेस कम, इसलिए नया बनेगा पंप हाउस, जोन 4 ने मुख्यालय को भेजा प्रस्ताव

मोतीबाग की पानी टंकी हो रही अपग्रेड, पुराने मोटर पंप की जगह 150 एचपी के 3 नए मोटर पंप की खरीदी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर के मोतीबाग स्थित पानी टंकी को नगर निगम का जल विभाग अपग्रेड करने जा रहा है। इसके लिए निगम मुख्यालय द्वारा ऑनलाइन टेंडर कर 75 लाख रुपए की लागत वाले 3 नए मोटर पंप खरीदे गए हैं, जिनमें प्रत्येक मोटर पंप की क्षमता 150 एचपी की है, जबकि इस पानी टंकी में पूर्व में लगाए गए पुराने मोटर पंप 75 एचपी की क्षमता वाले हैं। इससे मोतीबाग की पानी टंकी को भरने में काफी समय लगता है। अब पहले की तुलना में दो गुना क्षमता वाले नए मोटर पंप लगने के बाद यह पानी टंकी कम समय में आसानी से भरी जा सकेगी।

- कम समय में भरेगी पानी टंकी, अंतिम छोर तक पानी पहुंचाने में आसानी

यही नहीं, इस पानी टंकी से जल वितरण की स्थिति पर ऑनलाइन नजर रखने स्कॉडा सिस्टम लगाया जा रहा है। जल विभाग के अधिकारी का कहना है, गर्मी के सीजन को ध्यान में रखते हुए एक-एक कर मोटर पंपों को बदलने का काम किया जाएगा।

दरअसल, प्रदेश की सबसे बड़ी और 51 लाख किलोलीटर क्षमता वाली मोतीबाग पानी टंकी में तीन नए मोटर पंप लगाने का काम जल्द शुरू होगा। यह नए पंप पुराने तीन पंपों का स्थान लेंगे, जिनकी क्षमता नए मोटर पंप की तुलना में आधी है। मोतीबाग की पानी टंकी से शहर के आधा दर्जन वार्ड के रहवासियों की प्यास बुझती है। रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड ने अपने पॉयलट प्रोजेक्ट के तहत 24 घंटे शुद्ध पेयजल आपूर्ति के प्रोजेक्ट में मोतीबाग और गंज पानी टंकी को कमांड एरिया बनाकर अनुबंधित एजेंसी के माध्यम से नई पाइप लाइन बिछाई है। शहर के 15 चुनिंदा वार्डो को स्मार्ट सिटी के एबीडी एरिया में समाहित किया गया है। मोतीबाग पानी टंकी वाले कमांड एरिया से जिन वार्डो को जोड़ा गया है उनमें महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड, ब्राम्हणपारा वार्ड, स्वामी विवेकानंद -सदरबाजार वार्ड, मौलाना अब्दुल रऊफ वार्ड, सिविल लाइन वार्ड, शहीद राजीव पांडे वार्ड और शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड, डॉ. विपिन बिहारी सूर वार्ड और महामाया मंदिर वार्ड शामिल हैं।

पुराने पंप हाउस में स्पेस कम, नया पंप हाउस निर्माण की जरूरत

जोन 4 अध्यक्ष मुरली शर्मा का कहना है, कि मोतीबाग पानी टंकी क्षेत्र में जहां पुराने पंप लगे हुए हैं, वहां स्पेस कम है इसलिए नए मोटर पंप इंस्टाल करने में दिक्कत जाएगी। ऐसे में नए पंप हाउस का निर्माण कराने की जरूरत है। नए पंप हाउस बनाने बातचीत चल रही है। पुराने पंप हाउस में उपर से इसे चैन पुलिंग नहीं कर सकते। हमें अभी तक इसकी ड्राइंग डिजाइन नहीं बताई गई।

एक-एक कर बदले जाएंगे मोटर पंप

जल विभाग के कार्यपालन अभियंता नरसिंग फरेन्द्र के मुताबिक मोतीबाग पानी टंकी में जो तीन पुराने मोटर पंप स्थापित हैं, उनमें से प्रत्येक की क्षमता 75 एचपी की है, इसकी जगह अब 150 एचपी की क्षमता वाले नए मोटर पंप स्थापित किए जाएंगे। चूंकि गर्मी का सीजन है इसलिए तीनों मोटर पंप को रिप्लेसकर एक साथ नया बदलने की जगह एक-एक कर नए मोटर पंप लगाया जाएगा ताकि संबंधित वार्डो में जल आपूर्ति प्रभावित न हो। उन्होंने बताया कि निगम मुख्यालय से नए मोटर पंप क्रय करने ऑनलाइन टेंडर हुआ था। 3 नए मोटर पंप आ चुके हैं इसके साथ ही चैनल बोर्ड सहित अन्य उपकरण का आवश्यक सेट मंगा लिया है।

नए पंप हाउस निर्माण के लिए हेड आफिस को भेजा है प्रस्ताव

मोतीबाग पानी टंकी के पुराने पंप हाउस वाली जगह छोटी है, इसलिए नया पंप हाउस निर्माण कराने हेडआफिस में आयुक्त के पास स्वीकृति के लिए प्रस्ताव बनाकर भेजा गया है। मंजूरी मिलते ही जोन के माध्यम से पंप हाउस का निर्माण कराया जाएगा। - *दिव्या चंद्रवंशी, कमिश्नर, जोन क्रमांक 4, नगर निगम रायपुर*

भाठागांव सड़क निर्माण में लेटलतीफी, महापौर मीनल नाराज, ठेकेदार को नोटिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी के भाठागांव चौक से दतरेंगा मोड़ तक सड़क निर्माण में लेटलतीफी को लेकर महापौर मीनल चौबे बेहद नाराज हैं। उन्होंने कहा है कि सड़क डामरीकरण का काम प्रारंभ नहीं होने से मार्ग में यातायात के भारी दबाव से लोग परेशान हैं, दुर्घटना का अंदेशा आए दिन बना रहता है। इससे न केवल परियोजना की प्रगति प्रभावित हो रही है, बल्कि नगर निगम रायपुर की छवि धूमिल होने लगी है। ठेकेदार से तत्काल सड़क निर्माण कार्य प्रारंभ करने उन्होंने कार्यपालन अभियंता को निर्देश दिए। महापौर की नाराजगी के बाद कार्यपालन अभियंता ने संबंधित ठेकेदार को नोटिस जारी कर 3 दिन में अनिवार्य रूप से सड़क डामरीकरण प्रारंभ करने हिदायत दी है। ऐसा नहीं होने पर अनुबंध के प्रावधान अनुसार दंडात्मक कार्यवाही करने की चेतावनी दी गई।

- ट्रैफिक का भारी दबाव, डामरीकरण में लेटलतीफी से जनता परेशान

दरअसल, 15 वें वित्त आयोग मद अंतर्गत भाठागांव चौक से दतरेंगा टर्निंग पाइंट तक सड़क चौड़ीकरण और डामरीकरण का कार्य करने नगर निगम ने जिस एजेंसी को कार्य सौंपा है। उसने डामरीकरण के कार्य में भारी लेटलतीफी दिखाई है। इससे शहर की जनता को इस मार्ग से आने-जाने में खासी परेशानी उठानी पड़ रही है। इस सड़क के दोनों ओर रहने वाले निवासियों और दुकानदारों ने पहले ही सड़क डामरीकरण के लिए सड़क खुदाई से दिन भर धूल,मिट्टी उड़ने को लेकर शिकायत की थी। ठेकेदार मेसर्स नरेश एंड कंपनी को नगर निगम ने सोमवार को नोटिस जारी कर दिया है। विदित हो कि इससे पूर्व 18 फरवरी 2026 को अनुबंधित ठेकेदार को फटकार लगाते हुए कार्य की गति बढ़ाने और पर्याप्त सुरक्षा सुनिश्चित करने निर्देश दिए गए, इसके बाद भी निर्देश का पालन नहीं किया गया। आधे अधूरे निर्माण कार्य से भाठागांव चौक पर सुबह से लेकर देर शाम तक ट्रैफिक जाम की स्थिति बनी रहती है।

अनुबंधित एजेंसी के कार्यप्रणाली को लेकर आम जनता और जन प्रतिनिधियों में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो रही है। ऐसे में एक बार फिर अनुबंधित ठेकेदार को नोटिस के तीन दिन के भीतर अनिवार्य रूप से कार्य प्रारंभ कराने की हिदायत दी गई है।

पेज 11 के शेष ...

जरा संभलकर...

वाटर कूलर के पानी टैंक की नियमित सफाई होनी चाहिए, लेकिन रेलवे की इस अनदेखी के कारण टैंक अब पूरी तरह गंदे हो चुके हैं। अंदर मिट्टी की मोटी परत के साथ गंदगी और काई जम गई है। हरिभूमि ने सोमवार को जब रेलवे स्टेशन के वाटर कूलरों की स्थिति का जायजा लिया, तो प्लेटफॉर्म 1 और 2 के करीब दर्जन वाटर कूलरों के टैंक में झांककर देखा और सभी में भारी गंदगी पाई गई। टैंक का ढक्कन ठीक से बंद न होने के कारण धूल और गंदगी सीधे पानी में पहुंच रही है। खास बात यह है कि स्टेशन के सभी वाटर टैंक की पिछली सफाई 3 फरवरी को हुई थी और अगली सफाई 3 मार्च को की जानी थी। मगर, 13 दिन बीत जाने के बाद भी रेलवे ने इनकी सफाई नहीं करवाई है।

आपसी विवाद ...

अप्रिय स्थिति से निपटने पुलिस बल तैनात : घटना के बाद रवि रक्सेल तथा उसके साथी फरार हो गए हैं। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस बदमाशों के छिपने के संभावित ठिकानों पर छापे की कार्रवाई कर रही है। साथ ही किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने मंदिर तथा आसपास के क्षेत्रों में पुलिस बल की तैनाती की गई है।

बजरंग दल के कार्यकर्ता थाना पहुंचे: मंदिर में पथराव किए जाने की जानकारी मिलने के बाद भारी संख्या में बजरंग दल के कार्यकर्ता मंदिर में पथराव करने वालों के खिलाफ अपराध दर्ज कर उनके खिलाफ कार्रवाई करने की मांग करते हुए थाने का घेराव किए। बजरंग दल के जिला अध्यक्ष योगेश सिंह सैनी के अनुसार, आपसी लड़ाई को एक वर्ग जानबूझकर सांप्रदायिक रंग देने की साजिश कर मंदिर में पथराव किया है, जिसका वे विरोध करते हैं।

गांजा कारोबार पर..

बघेल उर्फ जादू, मोहित निहाल एवं उनके अन्य साथी मौके पर पहुंचे और अभिषेक के साथ गाली-गलौज करने लगे। इसके बाद दोनों पक्ष एक दूसरे के साथ भिड़ गए। दोनों पक्षों के बदमाशों ने एक दूसरे के साथ मारपीट करते हुए एक दूसरे पर चाकू से हमला किया। चाकूबाजी में अभिषेक तथा उसके साथी समीर बघेल की बहन गुड्डी बघेल को चोटें आई हैं।

रवि साहू को जगदलपुर जेल शिफ्ट किया गया : रायपुर सेंट्रल जेल में सजा काट रहा रवि साहू जेल के अंदर से गांजा तस्करी का रैकेट संचालित कर रहा था। इसकी जानकारी मिलने पर कोतवाली पुलिस की रिपोर्ट पर जेल प्रशासन ने रवि को जगदलपुर सेंट्रल जेल शिफ्ट कर दिया है। बताया जा रहा है, रायपुर सेंट्रल जेल में परिजन रवि से मिलने जाने के दौरान उसे चोरी छिपे मादक पदार्थ पहुंचाने का काम करते थे। साथ ही रवि के दिए दिशा निर्देश के आधार पर उसके गुर्गे क्षेत्र में नशे का कारोबार कर रहे थे।

मुखबिरी की आशंका पर भिड़े बदमाश : रवि साहू को सजा होने पर मुकेश बनिया तथा उसके गुर्गे काफी खुश थे। उन्हें लग रहा था कि रायपुर तथा आसपास के क्षेत्र में गांजा बिक्री करने उनका एकछत्र राज रहेगा। पुराने एनडीपीएस के एक मामले में मुकेश बनिया फरार चल रहा था। पतासाजी करने के दौरान मुकेश और उसका भाई पुलिस के हत्थे चढ़ गए। मुकेश के गुर्गों को रवि के गुर्गों पर मुखबिरी करने की आशंका थी। इस बात को लेकर दोनों गुट के बीच विवाद और बढ़ गया। इसी विवाद के चलते दोनों गुट के बदमाश आपस में भिड़ गए। ।

बदमाशों ने की एक दूसरे के घरों में तोड़फोड़ : बदमाशों ने एक दूसरे के साथ मारपीट करने के साथ रवि तथा मुकेश बनिया के घर में जमकर तोड़फोड़ की। बदमाश घर में लगे एलईडी टीवी सहित अन्य समान को तोड़ दिया। बदमाशों की हरकत से क्षेत्रवासी डरे हुए थे। स्थानीय रहवासियों में बदमाशों को लेकर इतना भय का माहौल था कि वे घटना की जानकारी देने पुलिस के पास कॉल करने की हिम्मत तक नहीं जुटा पाए।

रवि सहित आधा ...

बानिया एवं उसके गिरोह के सदस्यों के विरुद्ध भी कोतवाली एवं क्राइम यूनिट द्वारा संयुक्त कार्रवाई करते हुए हथियार एवं मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार कर उन्हें न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेजा गया है।

भारतमाला परियोजना ...

भारतमाला परियोजना मुआवजा घोटाला को लेकर ईडी कोर्ट में चार्जशीट पूर्व में ही दाखिल कर चुकी है। ईडी की जांच में जो बातों सामने आई हैं, उसके मुताबिक राजमार्ग के निर्माण के लिए अधिग्रहित भूमि के संबंध में धोखाधड़ी करके अतिरिक्त और अपात्र मुआवजा प्राप्त करने के लिए भूमि दलालों, निजी व्यक्तियों और कुछ सरकारी कर्मचारियों द्वारा एक आपराधिक साजिश रची गई थी। इस साजिश को आगे बढ़ाने के लिए, सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 30 जनवरी 2020 को अधिसूचना जारी होने के बाद, राजस्व अभिलेखों में हेरफेर और पिछली तारीखें डालकर भूमि के टुकड़ों को धोखाधड़ी से उप-विभाजित किया गया, जिससे अधिग्रहित भूमि के लिए देय मुआवजे की राशि बढ़ गई।

इनकी संपत्ति अटैच...

सहायता से भूमि अभिलेखों के धोखाधड़ी पूर्ण उप-विभाजन में मदद की। ऐसे हेरफेर किए गए अभिलेखों के आधार पर, वैध पात्रता से काफी अधिक मुआवजे की राशि वितरित की गई।

भू-मालिकों के नाम ..

रिश्तेदारों, सहयोगियों और उसके नियंत्रण वाली संस्थाओं के बैंक खातों में स्थानांतरित कर दिया गया, जबकि भूमि मालिकों के पास केवल पात्र मुआवजा या उससे थोड़ा ही अधिक राशि बची। हरमीत सिंह खनूजा और उसके साथियों द्वारा 27.05 करोड़ रुपए की राशि का गबन किया गया था, जिसमें से 23.35 करोड़ रुपए की 'अपराध से अर्जित संपत्ति' का पता लगाकर अटैच किया गया है।

मोक्षित कॉर्पोरेशन ...

कथित तौर पर कई संस्थाओं, फर्मों को शामिल करके और प्रशिक्षण तथा रखरखाव सेवाएं प्रदान करने के नाम पर ऐसी संस्थाओं के साथ फर्जी सेवा समझौते करके अपराध से अर्जित आय को कई स्तरों पर लेयरिंग की। इसके बाद बड़ी मात्रा में नकदी निकाली गई और कथित तौर पर इसका उपयोग अवैध रिश्वत देने तथा संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया।

मूल्यांकन की ...

नोटिस में कहा है कि कुछ लोग (जिनमें वे लोग भी शामिल हैं जो सीधे तौर पर मूल्यांकन के काम में लगे हुए हैं) सोशल मीडिया पर कॉपियों की जांच प्रक्रिया के बारे में अपनी राय, अनुभव और टिप्पणियां पोस्ट कर रहे हैं। सीबीएसई ने कहा कि ऐसी पोस्ट से छात्रों और अभिभावकों के बीच भ्रम पैदा हो सकता है और इससे परीक्षा प्रणाली की विश्वसनीयता को नुकसान पहुंच सकता है।

बोर्ड ने छात्रों, अभिभावकों और अन्य संबंधित पक्षों से आग्रह किया है कि वे सोशल मीडिया पर चल रही अविश्वसनीय (बिना पुष्टि वाली) पोस्ट पर भरोसा न करें। बोर्ड ने कहा कि परीक्षाओं और मूल्यांकन से संबंधित आधिकारिक अपडेट केवल सीबीएसई के अधिकृत संचार माध्यमों और उसकी आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से ही जारी किए जाएंगे।

अफवाह फैलाने पर...

प्रक्रिया में शामिल शिक्षकों को सलाह दी गई है कि वे अपने कर्तव्यों का पालन करते समय संयम बरतें और गोपनीयता बनाए रखें।

लोगो प्रयोग की ...

सीबीएसई लोगो या सीबीएसई इमारतों की तस्वीरों का उपयोग करने की अनुमति नहीं है। इसमें यह भी जोड़ा गया कि जो लोग ऐसी गतिविधियों में लिप्त पाए जाएंगे, उनके खिलाफ संबंधित प्रावधानों के तहत कानूनी कार्रवाई की जा सकती है।

बिजनेस साइट

दो लौह अयस्क ब्लॉक के लिए जिंदल स्टील 'पसंदीदा बोलीदाता' घोषित

रायपुर। प्रसिद्ध उद्योगपति नवीन जिन्दल के नेतृत्व वाली कंपनी जिंदल स्टील लिमिटेड को ओडिशा के क्योंझर जिले में दो महत्वपूर्ण लौह अयस्क ब्लॉक के लिए पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया है। ओडिशा सरकार ने दिसंबर 2025 में अधिसूचित 12 खनिज ब्लॉक की ऑनलाइन नीलामी प्रक्रिया पूरी होने के बाद यह घोषणा की। जिंदल स्टील को पहले ठाकुरानी-ए-1 लौह अयस्क ब्लॉक का पसंदीदा बोलीदाता घोषित किया गया। यह ब्लॉक लगभग 202 हेक्टेयर क्षेत्र में फैला हुआ है। सरकारी दस्तावेजों के अनुसार, इसमें जी-3 स्तर के लौह अयस्क की पुष्टि हुई है। इस ब्लॉक में लगभग 50 मिलियन टन लौह अयस्क का भंडार है। कंपनी ने इसके लिए सरकार को 101.20 प्रतिशत प्रीमियम देने का वचन दिया है। दूसरा ब्लॉक रेंगालाबेरहा उत्तर-पूर्व विस्तार और नुआगांव पश्चिम ब्लॉक है, जो लगभग 84 हेक्टेयर में फैला हुआ है। इसमें जी-2 स्तर तक के लौह अयस्क की पुष्टि हुई है। यहां अनुमानित 38 मिलियन टन लौह अयस्क का भंडार है। इस ब्लॉक के लिए जिंदल स्टील ने 111.15 प्रतिशत प्रीमियम देने का वचन दिया है।

डीएसी एकेडमी का शानदार प्रदर्शन, सैनिक स्कूल परीक्षा में 209 विद्यार्थी सफल

रायपुर। इस वर्ष आयोजित सैनिक स्कूल एंट्रेंस एग्जाम में डीएसी एकेडमी के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए शानदार परिणाम हासिल किया है। अकादमी के कुल 218 विद्यार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया था, जिनमें से 209 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर परीक्षा क्वालिफाई की। अकादमी के विद्यार्थी आदित्य यादव ने 378 अंक प्राप्त कर ऑल इंडिया रैंक 22 हासिल की और संस्था का नाम राष्ट्रीय स्तर पर रोशन किया। इसके अलावा अद्विक ने 283 अंक, आयुष साहू ने 275 अंक, पराश शर्मा ने 264 अंक और अक्षज ने 263 अंक प्राप्त कर बेहतरीन प्रदर्शन किया। साथ ही स्वर्णा मंजरी राकेश, अर्नव सोनी और विश्वास जायसवाल सहित कई अन्य विद्यार्थियों ने भी उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की। राष्ट्रीय मिलिट्री स्कूल की परीक्षा में भी डीएसी एकेडमी के 13 विद्यार्थियों ने सफलता हासिल की है। अकादमी प्रबंधन ने इस उपलब्धि का श्रेय विद्यार्थियों की मेहनत, अभिभावकों के विश्वास और शिक्षकों के मार्गदर्शन को दिया है।

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

दिनांक 27/02/2026

एतद् द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक संजय राठी पिता/पति सत्यनारायण राठी निवासी रायपुर की ग्राम गुमा प.ह.न. 32 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर- 19 (धनेली) तहसील धरसींवा जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमिस्वामी हक की भूमि खसरा नंबर 274/63 रकबा 0.0264 हे. का सीमांकन न्यायालय तहसीलदार धरसींवा के ज्ञापन क्रमांक क/वाचक/ तह/ 2026 आदेश दिनांक 08/01/2026 के परिपालन में दिनांक 13/04/2026 को समय 2:0 बजे पश्चात् किया जाना नियत है। अतः उक्त सीमांकन में जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा या आपत्ति हो वे उक्त तिथि को पटवारी हल्का नबंर 32 के स्थित कार्यालय में अथवा सीमांकन स्थल में दस्तावेज सहित स्वंय अथवा अपने वैध अभिभावक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते हैं। बाद के किसी दावा या आपत्ति पर विचार किया जाना संभव नही होगा।

अतः सूचना जानें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर -19 (धनेली)

कार्यालय राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-3, तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

// आम सूचना //

दिनांक 28/02/2026

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम डूमरतालाब, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर 3 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि के संबंध में आवेदक श्री सुनील ओझा पिता स्व. श्री जी.एस. ओझा निवासी सुभाष नगर, मठपारा, रायपुर द्वारा ग्राम डूमरतालाब, प.ह.नं. 53, रा.नि.मं. रायपुर 3 तहसील व जिला रायपुर स्थित भूमि खसरा नंबर 208/1 शामिल 209/1, 210/1 रकबा 0.0650 हे. तथा खसरा नंबर 209 रकबा 0.0153 हे. कुल रकबा 0.2180 हे. का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 12/01/2026 के परिपालन में हमारे द्वारा दिनांक 25/03/2026 को समय 12.00 बजे पश्चात से किया जाना नियत है।

अतः उक्त भूमि के सभी बटांकनधारी भूमिस्वामियों तथा आसपास के भूमिस्वामियों को सूचना दी जाती है कि उक्त तिथि व समय पर पटवारी कार्यालय में उपस्थित होकर आवेदित खसरा नंबरों के संबंध में जो भी उजर, दावा या आपत्ति हो तो समक्ष में प्रस्तुत करें। आपकी अनुपस्थिति में भी सीमांकन कार्य किया जा सकता है। सीमांकन पश्चात किसी प्रकार की कोई आपत्ति मान्य नही होगी। अपनी अपनी भूमि के दस्तावेजों के साथ सीमांकन स्थल पर उपस्थित होकर सीमांकन कार्य में सहयोग प्रदान करें।

राजस्व निरीक्षक
रायपुर-3, कोटा,
तहसील व जिला रायपुर (छ.ग.)

न्यायालय तहसीलदार आरंग, जिला रायपुर छ.ग.

-: ईश्तहार :-

रा.प्र.क्र. 202505112500076 अ/27 वर्ष 2024-25

ग्राम- बैहार प.ह.नं. 28

एतद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, आवेदक गौरीशंकर पिता संतदास निवासी ग्राम बैहार, तहसील आरंग, जिला रायपुर छ.ग. के द्वारा आवेदन पेश कर निवेदन किया गया है कि ग्राम बैहार प.ह.नं. 28 रा.नि.मं. आरंग, तहसील आरंग स्थित भूमि ख.नं. 87, 157, 246/1, 634 का रकबा 2.34, 1.68, 0.054, 1.69 हे. कुल खसरा 04 कुल रकबा 5.764 हे. भूमि खातेदार लक्ष्मी पति स्व. शिवशंकर वगैरह के नाम पर राजस्व अभिलेख मे दर्ज है। आवेदक द्वारा उक्त आवेदित भूमि का आवेदकगण एवं अनावेदकगण के मध्य खाता विभाजन किये जाने हेतु आवेदन पेश कर निवेदन किये जाने पर प्रकरण भूईया मद से दर्ज होकर इस न्यायालय में प्रकरण प्रारंभ किया गया।

उक्त संबंध में हल्का पटवारी से फर्द प्रतिवेदन लिया गया, जो ईश्तहार के साथ संलग्न है।

अतएव उपरोक्त संबंध में जिस किसी भी व्यक्ति को दावा आपत्ति हो तो वे इस न्यायालय में दिनांक 18.03.2026 तक आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जायेगा।

यह ईश्तहार आज दिनांक 12.03.2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन मुद्रा से जारी किया गया।

मुहर

तहसीलदार
आरंग

खबर संक्षेप

धोबी समाज के लिए भवन निर्माण करने की मांग

रायपुर। धोबी समाज कूंरा राज धरसींवा परिक्षेत्र का महाधिवेशन मलौद में सोमवार को किया गया। इस महाधिवेशन में विवाहयोग्य युवक-युवती भी अपना परिचय देकर मनपसंद जीवनसाथी चयन करते रहे। इस मौके पर समाज के प्रदेशाध्यक्ष सूरज निर्मलकर ने पंचायत प्रतिनिधियों का आभार मानते हुए कहा, सभी प्रक्रियाओं को मिल-जुलकर पूरा करें। भवन निर्माण के लिए सांसद बृजमोहन अग्रवाल, लक्ष्मी वर्मा, विधायक अनुज शर्मा से आवश्यक राशि की मांग हम लोग जरूर करेंगे। इसी दौरान किसान नेता राजू शर्मा ने कहा, धोबी समाज अति पिछड़ा है, राजनेताओं को इस समाज पर भी ध्यान देना चाहिए। जिला पंचायत के सभापति सरोज चंद्रवंशी ने कहा, धोबी समाज अब उपेक्षित नहीं रहेगा, समाज का भवन बनकर रहेगा। इस समाज को भी सत्ता-संगठन में भागीदारी मिलनी चाहिए।

पेंशनरों का धरना-प्रदर्शन 20 को, बैठक में लिया निर्णय

रायपुर। अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर छत्तीसगढ़ पेंशनर्स समाज द्वारा 20 मार्च को धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। इस संबंध में अखिल भारतीय राज्य पेंशन फेडरेशन के प्रांताध्यक्ष चेतन भारती ने बताया कि पेंशनर्स समाज भवन में गत दिनों छत्तीसगढ़ पेंशनर समाज की बैठक हुई। बैठक में उपस्थित पेशनरों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि प्रदेश सरकार द्वारा पेंशनरों की मात्र पांच मांगों पर बजट सत्र में विचार नहीं किए रखे जाने एवं अपने बुजुर्ग कर्मचारियों की भावनाओं का मान नहीं रखे जाने के कारण 20 मार्च को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। यह प्रदर्शन पूरे प्रदेश में एक साथ दोपहर 1 बजे से 4 बजे तक करने का निर्णय लिया गया।

बंजारी वाले बाबा की दरगाह पर इफ्तार में पहुंचे भूपेश

रायपुर। मोतीबाग स्थित औलिया चौक स्थित दरगाह शरीफ सरकारे छत्तीसगढ़ हजरत सैय्यद शेर अली आगा (बंजारी वाले बाबा) रायपुर छत्तीसगढ़ में सोमवार को शाम 6 बजकर 16 मीनट पर रोजा खोला गया। दरगाह ट्रस्ट के राहिल रऊफी ने बताया कि इस अवसर पर रोजेदारों के बीच पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल पहुंचे। इसके बाद अमित जोगी, वक्फ बोर्ड चेयरमैन डॉ. सलीम राज, मखमूर इकबाल खान, सन्नी अग्रवाल पहुंचे, जिनका दरगाह के सज्जादा नशीन नईम अशरफी रिजवी, इशराक अशरफी रिजवी, इम्तियाज अशरफी रिजवी, आफताब अशरफी रिजवी, मुफ्ती मोहम्मद इसरार ने इस्तकबाल किया।

पहली बार व्यापम नहीं लेगा टेट, शिक्षकों के लिए विभागीय स्तर पर परीक्षा, जिलों से मंगाई जानकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश के शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए टेट का आयोजन विभागीय स्तर पर किया जाएगा। लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संयुक्त संचालकों को खत लिखकर उनके क्षेत्र में कार्यरत शिक्षकों की टेट अहर्ता संबंधित जानकारी मांगी गई है। सूत्रों के अनुसार, यह परीक्षा केवल शासकीय विद्यालयों में कार्यरत शिक्षकों के लिए ही आयोजित की जाएगी। अब तक प्रदेश में शिक्षक पात्रता परीक्षा का आयोजन व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा किया जाता रहा है। विभागीत स्तर पर टेट आयोजित होने की स्थिति में यह पहली बार होगा, जब शिक्षक पात्रता परीक्षा व्यापम के स्थान पर विभाग लेगा।

गौरतलब है, सुप्रीम कोर्ट के आदेश पश्चात शिक्षकों की पदोन्नति के लिए टेट अनिवार्य कर दिया गया है। केवल वे ही शिक्षक जो टीचर्स एलिजिबिलिटी टेस्ट उत्तीर्ण कर चुके हैं, उन्हें ही पदोन्नति प्रदान की जाएगी। व्यापम नियमित रूप से टेट का आयोजन नहीं करता है। सामान्यतः दो अथवा तीन वर्ष के अंतराल में व्यापम यह परीक्षा आयोजित करता है। एक प्रयास में टेट उत्तीर्ण नहीं कर पाने की स्थिति में शिक्षकों को पदोन्नति के लिए लंबा इंतजार करना पड़ेगा, इसलिए विभागीय स्तर पर परीक्षाएं आयोजित करने की तैयारी है, ताकि शिक्षक पदोन्नति से वंचित ना हो।

18 मार्च तक देनी होगी जानकारी : लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा समस्त शिक्षा संभाग के संयुक्त संचालक और जिला शिक्षा अधिकारियों को लिखे गए खत में शासकीय प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक स्तर में कार्यरत शिक्षकों की टीईटी अर्हता संबंधी जानकारी निर्धारित प्रपत्र में मांगी गई है। समस्त जिला शिक्षा अधिकारी अपने संयुक्त संचालक कार्यालय को 17 मार्च तक जानकारी उपलब्ध कराएंगे एवं 18 मार्च तक सभी संयुक्त संचालक जानकारी एकत्र कर संचालनालय को हार्ड एवं साफ्ट कॉपी में ई-मेल में उपलब्ध कराएंगे।

खास बातें

- लोक शिक्षण संचालनालय ने सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और संयुक्त संचालकों को लिखा खत
- सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद पदोन्नति के लिए अनिवार्य है शिक्षक पात्रता परीक्षा उत्तीर्ण करना

मांगे गए थे सुझाव

छत्तीसगढ़ टीचर्स एसोसिएशन ने शासन को सुझाव प्रस्तुत करते हुए मांग किया है कि शिक्षकों के हितों को ध्यान में रखते हुए जून एवं जुलाई माह में विभागीय सीमित शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित की जाए, जिससे समय रहते शिक्षकों की पात्रता से संबंधित जटिलताओं का समाधान हो सके। शिक्षकों की सेवा सुरक्षा, पदोन्नति के अवसर एवं शैक्षणिक गुणवत्ता को ध्यान में रखते हुए विभागीय सीमित टेट पात्रता परीक्षा आयोजित करने की मांग संघ द्वारा की गई है। विभागीय स्तर पर टेट की मांग पश्चात लोक शिक्षण संचालनालय द्वारा शिक्षक संघ से इस संदर्भ में सुझाव भी मांगे गए थे।

उचित मूल्य की दुकानों में फर्जीवाड़ा के मामले में अब तक कार्रवाई नहीं

एक दुकान में 19 लाख रुपए के खाद्यान्न की गड़बड़ी, 2 दुकानें बगैर अनुबंध के चल रहीं

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर।

राजधानी रायपुर की कुछ उचित मूल्य की दुकानों में गड़बड़ी और फर्जीवाड़ा के मामले सामने आए हैं। इनमें में एक दुकान में लगभग 19 लाख रुपए की लागत के चावल और शक्कर की गड़बड़ी पाई गई। यह मामला तीन वर्ष पुराना है, जिसमें खाद्य विभाग जांच भी कर चुका है, जिसके तहत शासकीय उचित मूल्य दुकान समूह के प्रमुख लोगों के विरुद्ध खाद्य विभाग द्वारा प्रकरण बनाते हुए गायब खाद्यान्न के एवज में रिकवरी किया जाना था, लेकिन इस मामले में न ही रिकवरी की गई और न ही एफआईआर करायी गयी है। एक अन्य मामले में एक ही समूह में संलग्न दो आईडी दुकानों का फर्जी तरीके से संचालन किया जा रहा है। सूत्रों के अनुसार ये दोनों बिना अनुबंध के संचालित की जा रही हैं, जिसकी शिकायत विभाग में भी की गई है, लेकिन अब तक इस मामले में कोई जांच या कार्रवाई नहीं की गई है।

520 क्विंटल गायब एवं 103 क्विंटल माइनस मिला था चावल

खमतराई स्थित वीर शिवाजी वार्ड क्रमांक-16 में स्थित शासकीय उचित मूल्य दुकान आईडी 441001194 को वर्ष 2021-22 में निलंबन करने के बाद छाया सामुदायिक विकास समिति में संलग्न किया गया था। इसके बाद इस दुकान को पुनः 5 अप्रैल 2023 को पुरानी समिति मां कंकाली महिला स्वसहायता समूह में बहाल कर दिया गया। इस बहाली के दौरान दुकान को हस्तांतरण कराने से पहले विभाग के निरीक्षक ने दुकान को आवंटित (स्टॉक) चावल, शक्कर और नमक का भौतिक सत्यापन किया। इस सत्यापन के दौरान विभाग की वेबसाइट पर दर्ज चावल में 520.96 क्विंटल एवं शक्कर 4 किलोग्राम गायब मिला। इसके अलावा एपीएल चावल भी 103.13 क्विंटल माइनस में पाया था। इस तरह जांच में करीब 19 लाख रुपए के चावल, शक्कर की गड़बड़ी की गई है, जो छत्तीसगढ़ सार्वजनिक वितरण प्रणाली आदेश 2016 की कंडिका 1955 की धारा 3-7 के तहत दंडनीय है।

दो दुकानें बिना अनुबंध के संचालित

शहर के कोटा इलाके में इसी प्रकार दो उचित मूल्य की दुकानें बिना अनुबंध के संचालित हो रही हैं। विभागीय सूत्रों से पता चला कि कोटा क्षेत्र में शासकीय उचित मूल्य की दुकानें जिनकी आईडी 441001334 एवं 441001335 है। विभाग की ऑनलाइन वेबसाइट में उपलब्ध जानकारी के अनुसार ये दोनों दुकानें गुढ़ियारी महिला शक्ति महिला स्व सहायता समूह के नाम पर दिखा रही हैं, लेकिन वर्तमान में इन दोनों दुकानों के संचालन के लिए अलग-अलग दो लोग दावेदारी कर रहे हैं, जिसे लेकर विभाग में शिकायत भी की गई है। इस शिकायत के आधार पर विभाग ने दोनों दावेदारों से दस्तावेज लाकर जमा करने कहा है, लेकिन अभी तक दोनों दावेदारों में से कोई भी विभाग से हुए अनुबंध के दस्तावेजों को जमा नहीं किया हैं। इस तरह इन दोनों दावेदारों के बीच दुकानों को लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई है। इस विवाद के बावजूद ये दोनों दुकानें वर्तमान में संचालित हैं।

वेटनरी डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर सवा करोड़ की ठगी, सरगना हरियाणा से गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ठगी के दो अलग-अलग मामलों में रेंज साइबर पुलिस तथा एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट की टीम ने दो आरोपियों को हरियाणा तथा पश्चिम बंगाल के गिरफ्तार किया है। हरियाणा से गिरफ्तार आरोपी ने एक वेटनरी डॉक्टर को डिजिटल अरेस्ट कर सवा करोड़ रुपए की ठगी की थी। डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने के मामले में रेंज साइबर पुलिस ने पहली बार पीड़ित का 58 लाख रुपए कैश रिफंड कराने के साथ ही उनकी शेष रकम को होल्ड कराने में कामयाबी हासिल की है।

- विदेशी मुद्रा के नाम पर साढ़े 19 लाख की ठगी का आरोपी पश्चिम बंगाल से गिरफ्तार

सेवानिवृत वेटनरी डॉक्टर 74 वर्षीय सपन सेन से ठगी करने के आरोप में रेंज साइबर पुलिस ने हरियाणा, गुड़गांव से सोमनाथ महतो को गिरफ्तार किया है। आरोपी ने 31 दिसंबर से 15 जनवरी के बीच डॉक्टर को कॉल कर अपने आपको मुंबई क्राइम ब्रांच का अफसर बताकर उनके अकाउंट से मनी लांड्रिंग होने का भय दिखाकर डॉक्टर के वाट्सएप में फर्जी एफआईआर की कॉपी भेज कर अलग-अलग किस्तों में अपने अकाउंट में सवा करोड़ रुपए ट्रांसफर करा लिए। इसके साथ ही जालसाजों ने डॉक्टर से उनकी एफडी तक तुड़वा कर अपने अकाउंट में रकम ट्रांसफर कराकर ठगी की थी। घटना में शामिल अन्य आरोपियों की रेंज साइबर पुलिस पतासाजी करने में जुटी है।

होटल बुक करने विदेशी मुद्रा के नाम पर ठगी

टूर एंड ट्रैवल्स का कारोबार करने वाले कारोबारी हरदीप सिंह होरा से साढ़े 19 लाख रुपए की ठगी करने के आरोप में एसीसीयू की टीम ने पश्चिम बंगाल, हावड़ा से प्रोसेनजित चक्रवर्ती को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे से पुलिस ने एक आईफोन के साथ साढ़े चार लाख रुपए कैश जब्त किया है। आरोपी ने अपने आपको हर्षित अग्रवाल बताते हुए ट्रैवल्स कारोबारी को एक मार्च को कॉल कर अमेरिका तथा लंदन में होटल बुकिंग कराने झांसा दिया। इसके बाद दूसरे दिन ट्रैवल्स कारोबोरी को जालसाज ने जेनेट को-वर्किंग स्पेस में मिलने बुलाया। साथ ही कारोबारी को जालसाज ने 18 हजार अमेरिकी डालर और दो हजार पाउंड लेकर आने को कहा, ताकि उसका भाई भारतीय मुद्रा दे सके। ट्रैवल्स कारोबारी विदेशी मुद्रा लेकर पहुंचा, इसके बाद जालसाज कारोबारी को अपनी बातों में उलझाकर विदेशी मुद्रा लेकर मौके से फरार हो गया।

छात्रों ने घेरा माशिम कार्यालय परीक्षा रद्द करने की मांग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा आयोजित बारहवीं कक्षा के हिंदी विषय के प्रश्नपत्र लीक होने संबंधित आरोपों के बीच सोमवार को एनएसयूआई ने माध्यमिक शिक्षा मंडल का घेराव किया। छात्रों ने प्रश्नपत्र रद्द करते हुए दोबारा परीक्षा आयोजित कराने की मांग की है। प्रदर्शनकारी छात्रों की संख्या को देखते हुए मंडल कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किए गए थे। हालांकि बल प्रयोग की स्थिति निर्मित नहीं हुई। प्रदर्शन के दौरान मंडल कार्यालय में गहमागहमी की स्थिति बनी रही। गौरतलब है, 16 मार्च से ही माशिम ने 10वीं-12वीं की उत्तरपुस्तिकाओं का मूल्यांकन प्रारंभ किया है। इसके ठीक एक दिन पूर्व प्रश्नपत्र लीक के आरोप लगने से माशिम की परीक्षा विवादों में आ गई है।

- 12वीं कक्षा के हिंदी विषय का मामला, एक दिन पहले प्रश्न वायरल होने का आरोप

छात्रों संग खिलवाड़

छात्रों का आरोप है कि 14 मार्च को आयोजित 12वीं हिंदी परीक्षा का प्रश्नपत्र 13 मार्च की रात को ही व्हॉट्सऐप ग्रुप्स में वायरल हो गया था, जिससे मंडल की गोपनीयता और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े होते हैं। घंटों तक चले विरोध प्रदर्शन के बाद मंडल के अधिकारियों ने बाहर आकर पूरे मामले की जांच कराने का आश्वासन दिया। एनएसयूआई ने कहा, छात्रों के भविष्य के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यदि तीन दिनों के भीतर इस मामले में ठोस कार्रवाई नहीं की जाती, तो उनके द्वारा शिक्षा मंत्री का घेराव करते हुए उग्र आंदोलन किया जाएगा। प्रदर्शन एनएसयूआई के प्रभारी महामंत्री हेमंत पाल के नेतृत्व में आयोजित किया गया।

ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में मालवाहकों के प्रवेश पर लगाए प्रतिबंध से हो रही समस्या से कराया अवगत

कैट सहित व्यापारी संगठनों के पदाधिकारी पुलिस कमिश्नर संजीव शुक्ला से मिले

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर।

कैट प्रतिनिधिमंडल सहित विभिन्न व्यापारी संगठनों के पदाधिकारियों ने सोमवार को रायपुर के कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला लाकात की। इस दौरान उन्होंने शहर के ट्रांसपोर्ट क्षेत्र में शाम 5 से रात 9 बजे तक मालवाहक ऑटो, रिक्शा के प्रवेश पर लगाए गए प्रतिबंध से उत्पन्न हो र ही समस्याओं से अ व ग त कराया।

- शाम 5 से रात्रि 9 बजे तक मालवाहक, आटो रिक्शा के प्रवेश की है मनाही

कैट के राष्ट्रीय वाइस चे य र मै न अमर पारवानी, छत्तीसगढ़ इकाई के चेयरमैन विक्रम सिंहदेव, अध्यक्ष परमानंद जैन ने संयुक्त रूप से बताया, विगत दिनों शहर में ट्रैफिक की समस्या के समाधान के उद्देश्य से तेलघानी नाका, भैंसस्थान, गुढ़ियारी,अग्रसेन चौक सहित उन क्षेत्रों में, जहां से प्रदेश के विभिन्न स्थानों के लिए माल बुकिंग और ट्रांसपोर्ट संचालन होता है, वहां शाम 5 बजे से रात 9 बजे तक मालवाहक ऑटो व रिक्शों के आवागमन पर प्रतिबंध लगाया गया है। व्यापारियों ने बताया कि इन स्थानों पर बड़ी संख्या में ट्रांसपोर्ट कार्यालय, गोदाम और माल बुकिंग केंद्र संचालित होते है,ऐसे में निर्धारित समय में प्रतिबंध लागू होने से माल बुकिंग, लोडिंग-अनलोडिंग और परिवहन कार्य प्रभावित हो रहा है, जिससे व्यापारियों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है।

इस संबंध में महात्मा गांधी रोड व्यापारी संघ, गुरुनानक चौक व्यापारी संघ, रवि भवन व्यापारी संघ, छत्तीसगढ इलेक्ट्रानिक्स ट्रेडर्स एसोसियेशन सहित अन्य व्यापारिक संगठनों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे और सभी ने इस निर्णय के कारण व्यापार पर पड़ रहे प्रभाव को विस्तार से रखा।

कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने व्यापारियों की पूरी बात गंभीरता से सुनी और ये कहा कि प्रशासन का उद्देश्य ट्रैफिक व्यवस्था को सुचारू रखना है, किंतु व्यापारियों को अनावश्यक परेशानी भी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने आश्वस्त किया कि सभी पक्षों को ध्यान में रखते हुए इस विषय पर शीघ्र ही उचित समाधान निकालने का प्रयास किया जाएगा।

कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला जी से मुलाकात करने वालों में अमर पारवानी राजेन्द्र जग्गी, राम मंधान, भरत जैन, संजय जादवानी जय नानवानी, महेश जेठानी, ठाकुर दास लुल्ला, हरजिन्दर सिंह वोहरा सहित अन्य व्यापारी प्रतिनिधि शामिल रहे।

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजूकेशन चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया रायपुर कार्यकारिणी का चुनाव 27 को

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर।

छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजूकेशन चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया रायपुर कार्यकारिणी का चुनाव 27 मार्च को होगा। यह चुनाव प्रशासन कराएगा। कलेक्टर गौरव सिंह ने चुनाव कराने के लिए डिप्टी कलेक्टर तुलसी राठौर को प्रशासक नियुक्त किया है।

- बोर्ड की डिप्टी कलेक्टर तुलसी राठौर प्रशासक नियुक्त

रजिस्ट्रार फर्म्स एवं संस्थाएं छत्तीसगढ़ द्वारा जिला कलेक्टर रायपुर को संस्था का कार्यकारिणी का चुनाव तथा चुनाव अवधि तक संस्था के संचालन के लिए प्रशासक की नियुक्ति के लिए अधिकृत किया गया है। इस कार्य के लिए कलेक्टर ने डिप्टी कलेक्टर तुलसी राठौर को कलेक्टर प्रतिनिधि के रूप में प्रशासक नियुक्त किया है। प्रशासक, कार्यकारिणी का चुनाव 30 दिन के भीतर कराएगा। इसके पूर्व 20 मार्च तक चुनाव को लेकर दावा आपत्ति मंगाई गई है। इन दावा-आपत्तियों का 23 मार्च से 25 मार्च तक निराकरण किया जाएगा। इसके बाद प्रशासक 27 मार्च को चुनाव कराएगा। दावा आपत्ति शपथ पत्र के साथ प्रस्तुत करना होगा। छत्तीसगढ़ डायोसिस बोर्ड ऑफ एजूकेशन चर्च ऑफ नॉर्थ इंडिया रायपुर के कार्यकारिणी सदस्यों के चुनाव उनके बायलॉज के आधार पर कराया जाना है। अतः इस संबंध में किसी प्रकार की आपत्ति कलेक्टोरेट स्थित कक्ष क्रमांक-5 में 20 मार्च तक ली जाएंगी।

शराब पीने पैसे नहीं देने पर महिला से मारपीट

रायपुर। गुढ़ियारी थाने में एक महिला ने शराब पीने के लिए पैसे नहीं देने पर एक युवक के खिलाफ मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। खालबाड़ा निवासी आरती ठाकुर ने राज दीप के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। महिला ने पुलिस को बताया कि राज ने उससे शराब पीने के लिए पैसे मांगे। महिला के पैसे देने से इंकार कर दिया, इस पर राज ने महिला के साथ मारपीट की।

आयोग ने संज्ञान लेकर खुद से याचिका लगाई और पॉवर कंपनी को थमाया है नोटिस

हजार रुपए के बकाया पर बिजली कट, आयोग में आज जवाब देगी पॉवर कंपनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आम उपभोक्ताओं से बकाया वसूलने के लिए छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी की मनमर्जी पर बिजली नियामक आयोग भारी खफा है। प्रदेशभर के छोटे बकाएदार जिन पर हजार रुपए का भी बकाया है, तो उनकी बिजली को कट कर दिया जा रहा है। इस खबर को हरिभूमि ने प्रमुखता से 19 जनवरी को प्रकाशित किया, तो इस मामले को बिजली नियामक आयोग ने गंभीरता से लेते हुए खुद से संज्ञान लेते हुए याचिका दायर कर ली है और पॉवर कंपनी को नोटिस थमा दिया है। अब मामले की आयोग में मंगलवार को सुबह 11 बजे से सुनवाई होगी। इस मामले में पॉवर कंपनी को जवाब देना पड़ेगा कि आखिर क्यों एक माह का छोटा सा ही बकाया होने पर उपभोक्ताओं की बिजली कट की जा रही है। पॉवर कंपनी के जवाब के बाद आयोग फैसला करेगा कि इस मामले में क्या करना है।

छत्तीसगढ़ राज्य पॉवर कंपनी ने काफी समय से प्रदेशभर में बिजली के बकाएदारों के खिलाफ अभियान चला रखा है। राजधानी रायपुर से लेकर प्रदेश के हर शहर में बकाएदारों के कनेक्शन कट किए जा रहे हैं। प्रदेशभर में 28 लाख से ज्यादा उपभोक्ता ऐसे हैं जिन पर दो हजार करोड़ से ज्यादा का बकाया है। अब प्रदेश सरकार ने इन उपभोक्ताओं का सरचार्ज माफ कर दिया है। यही नहीं, बीपीएल के उपभोक्ताओं की तो मूल राशि में भी 75 प्रतिशत कम कर दिया गया है।

आयोग ने खुद लगाई याचिका

बिजली नियामक आयोग में आमतौर पर किसी उपभोक्ता की शिकायत पर याचिका लगती है, लेकिन आयोग ने देखा कि पॉवर कंपनी छोटे बकायेदारों की ही बिजली कट कर रही और इसको लेकर समाचार भी प्रकाशित हो रहे हैं तो आयोग ने खुद से संज्ञान लेते हुए इस मामले में याचिका लगी ली है। इसके लिए पॉवर कंपनी को नोटिस भी जारी किया गया है। अब इस मामले की आयोग में मंगलवार को सुनवाई होगी। इसमें पॉवर कंपनी को छोटे बकायेदारों का कनेक्शन कट करने का कारण बताना होगा।

एक माह का बिल जमा नहीं और बिजली कट

एक समय वह था जब दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर भी बिजली कट नहीं होती थी, लेकिन दो माह से ज्यादा का बकाया होने पर घरेलू उपभोक्ताओं को बिजली बिल हॉफ योजना का लाभ नहीं मिलता था। लेकिन अब तो एक माह का बकाया होने पर ही बिजली कट हो रही है। इस मामले में पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि एक माह या दो माह का सवाल नहीं है, रायपुर में तीन हजार से ज्यादा का बकाया होने पर बिजली कट हो रही है। प्रदेश के कई शहरों में हजार रुपए का बकाया होने पर भी बिजली कट की जा रही है।

दिन में उमसभरी गर्मी, शाम के बाद चली तेज हवा

रायपुर। बंगाल की खाड़ी से आने वाली नमीयुक्त हवा के प्रभाव से दिन में तेज धूप के साथ उमस भरी गर्मी ने परेशान किया। शाम होने के बाद हवा की गति बढ़ी जिससे थोड़ी राहत मिली। सोमवार को राजनांदगांव का अधिकतम तापमान 40.5 तथा रायपुर का पारा 37.7 डिग्री दर्ज किया गया।

हरिभूमि

रायपुर, मंगलवार 17 मार्च 2026

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

शंख ध्वनि से आराध्य देव का स्वागत....

लाइव इवेंट

चंद्रमा की मिट्टी एक अच्छा इंसुलेटर मानव जीवन के अध्ययन में सहायक

अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में हम अग्रणी देश

रायपुर। एनआईटी में चंद्रयान मिशन एंड एप्लिकेशंस पर ऑफलाइन वर्कशॉप का आयोजन किया गया। सोमवार को पांच दिवसीय वर्कशॉप का उद्घाटन हुआ। यह आयोजन संस्थान के सेंटर ऑफ स्पेस एंड इंटरप्लेनेटरी एक्सप्लोरेशन द्वारा इंडियन स्पेस रिसर्च ऑर्गेनाइजेशन के सहयोग से किया जा रहा है। यह वर्कशॉप 16 से 20 मार्च तक आयोजित होगी। इसका मुख्य उद्देश्य चंद्रयान-1 और चंद्रयान-2 मिशन एवं उनके वैज्ञानिक अनुप्रयोगों के बारे में प्रतिभागियों को जानकारी प्रदान करना है। डॉ. सान्याल ने अपने संबोधन में कहा कि इस प्रकार के वर्कशॉप्स अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में नई संभावनाएं बनाते हैं। भारत के मध्य में स्थित इस संस्थान में अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के विकास की बहुत आवश्यकता है और कोसाइन विभिन्न विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी क्षेत्रों को एक मंच पर लाने का कार्य कर रहा है। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एनआईटी रायपुर के निदेशक डॉ. एनवी रमना राव रहे।

डॉ. राव ने अपने भाषण में चंद्रयान कार्यक्रम की उपलब्धियों पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि इन मिशन से चंद्रमा के जल के अंश और विभिन्न तत्वों की उपस्थिति बारे में महत्वपूर्ण वैज्ञानिक जानकारी प्राप्त हुई है। उन्होंने यह भी बताया कि चंद्रमा की मिट्टी एक अच्छा इंसुलेटर है, जो भविष्य में मानव जीवन की संभावनाओं के अध्ययन में सहायता कर सकता है। इन मिशन ने न केवल भारत, बल्कि पूरे विश्व को उपयोगी डेटा प्रदान किया है और भारत को अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में अग्रणी देशों में स्थापित किया है।

इसके अलावा अतिथि इसरो की उपनिदेशिका एस. मेघला, एनआईटी रायपुर के डीन एवं कोसाइन के मेंटर डॉ. शुभाशीष सान्याल एवं रजिस्ट्रार एनआईटी रायपुर डॉ. नरेंद्र डी. लोंढे रहे। इस दौरान इस कार्यशाला के समन्वयक डॉ. हिमांशु गोविल और डॉ. कपिल सोनी, कोसाइन के प्रमुख डॉ. सौरभ गुप्ता, कोसाइन की सदस्य डॉ. रम्या सेल्वाराज और प्रतिभागी मौजूद रहे।

● चीफ मिनिस्टर छत्तीसगढ़ ट्रॉफी राष्ट्रीय पुरुष व महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप का शुभारंभ

शतरंज की ढाई चाल का दिखा रोमांच, चंद मिनटों में कर दिखाया चेक एंड मेट का खेल, पहले दिन से छग पिछड़ा

छत्तीसगढ़ प्रदेश शतरंज संघ के तत्वावधान व ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के निर्देशन में 'चीफ मिनिस्टर छत्तीसगढ़ ट्रॉफी राष्ट्रीय पुरुष एवं महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप' का भव्य शुभारंभ सोमवार को हुआ। इस दौरान शतरंज की चाल का रोमांच देखने को मिला। ढाई चाल और चेक एंड मेट करने के खेल ने सभी का उत्साह बढ़ाया। देशभर से पहुंचे दिग्गज खिलाड़ियों ने शतरंज का शानदार खेल खेला, जिसे एक साथ देश और दुनिया के अन्य देशों में भी देखा गया।

रायपुर। चंद मिनटों के खेल में अपने चतुर दिमाग और रणनीति से शतरंज के खेल को अंजाम तक पहुंचाने में खिलाड़ी सफल रहे। कार्यक्रम में आयोजन समिति की अध्यक्ष व विधायक भावना बोहरा मुख्य अतिथि रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने की। विशिष्ट अतिथि के रूप में ऑल इंडिया चेस फेडरेशन के उपाध्यक्ष एवं प्रदेश शतरंज संघ के अध्यक्ष राघवेंद्र सिंघानिया, महासचिव विनोद राठी, विकास शर्मा, स्वप्निल, कविराज साव उपस्थित थे। इस अवसर पर मुख्य

पहले राउंड से पिछड़ा छग, पीएसपीबी ने किया क्लीन स्वीप

मुख्यमंत्री ट्रॉफी 23वीं राष्ट्रीय महिला टीम शतरंज चैंपियनशिप 2026 के पहले राउंड के मुकाबले 16 मार्च को खेले गए। इस राउंड में कई टीमों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए अपने अभियान की मजबूत शुरुआत की। पीएसपीबी, एएआई, वेस्ट बंगाल ए और तमिलनाडु जैसी टीमों ने अपने मुकाबले बड़े अंतर से जीते।पीएसपीबी ने छत्तीसगढ़ ए को 4-0 के क्लीन स्वीप से हराया। टीम की ओर से आईएम पद्मिनी राउत, डब्ल्यूएफएम अर्शिया दास, आईएम मोहता निशा और एफएम प्रिशिता गुप्ता ने अपने-अपने मुकाबले जीतकर टीम को एकतरफा जीत दिलाई। एएआई ने भी शानदार खेल दिखाते हुए तेलंगाना बी को 4-0 से पराजित किया। वीजीएम प्रियंका नुटक्की, विम अर्पिता मुखर्जी, विम कल्याणी सिरिन और विम प्रियंका के. ने अपनी बाजियां जीतकर टीम को पूर्ण अंक दिलाए।

अतिथि भावना बोहरा ने शतरंज की बिसात और राजनीति की बिसात को एक जैसा बताते हुए कहा कि जहां शतरंज में खिलाड़ी अपने प्रतिद्वंद्वी से जोर-आजमाइश करता है, उसी प्रकार राजनीति में हम अपने विरोधियों से शह और मात का खेल खेलते हैं। छत्तीसगढ़ ओलम्पिक संघ के महासचिव डॉ. विक्रम सिसोदिया ने इस वृहद आयोजन के लिए प्रदेश शतरंज संघ की सराहना करते हुए उपस्थित खिलाड़ियों से खेलभावना से खेलने की अपील की।

छग में शतरंज देखेगी दुनिया

आज मंगलवार को दो मैच खेले जाएंगे। सुबह 10 बजे द्वितीय चक्र एवं दोपहर 3 बजे चैम्पियनशिप का तृतीय चक्र मैच खेला जाएगा। इस चैंपियनशिप में 24 डिजिटल बोर्ड भी लगाए गए हैं, जिनका प्रसारण दुनियाभर में किया जाएगा। अतिथियों का स्वागत प्रदेश शतरंज संघ के सहसचिव ईश्वर सिंह राजपूत, इंटरनेशनल आर्बिटर अलंकार भिवगड़े, अनीस अंसारी, रॉकी देवांगन, अनिल शर्मा एवं लोगों के द्वारा किया गया। इस अवसर पर देशभर के शतरंज खिलाड़ी उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन ऐश्वर्या ने एवं आभार प्रदर्शन सहसचिव विकास शर्मा ने किया।

आज बंगाल, तमिलनाडु और पीएसपीबी पर रहेगी नजर

वेस्ट बंगाल ए ने गुजरात ए के खिलाफ 4-0 से जीत दर्ज की। सपर्या घोष, ब्रिस्टी मुखर्जी, मृतिका मल्लिक और यश ज्योति बिर ने जीत हासिल की। आंध्र प्रदेश बी ने आंध्र प्रदेश ए को 3-1 से हराया। टीम की ओर से श्रव्यश्री भीमरासेट्टी और मोडिपल्ली दीक्षिता ने जीत दर्ज की, जबकि दो मुकाबले ड्रॉ रहे। तेलंगाना ए ने छत्तीसगढ़ बी को 3-1 से पराजित किया। किर्थिका बी, यश्वी जैन और नाराहारी गीतिका हसिनी ने जीत हासिल कर टीम को बढ़त दिलाई। आंध्र प्रदेश सी ने हिमाचल प्रदेश ए को 3- से हराया। टीम की ओर से तीन जीत और एक ड्रॉ के साथ मुकाबला अपने नाम किया। तमिलनाडु ने छत्तीसगढ़ सी के खिलाफ 4-0 की शानदार जीत दर्ज की और अपनी ताकत का प्रदर्शन किया। वहीं एआईसी ने हिमाचल प्रदेश बी को 2-1 से हराकर महत्वपूर्ण जीत हासिल की। पहले राउंड के बाद पीएसपीबी, एएआई, वेस्ट बंगाल ए और तमिलनाडु जैसी टीमों ने प्रभावशाली प्रदर्शन करते हुए खिताब की दौड़ में मजबूत शुरुआत की है। अब सभी की नजरें अगले राउंड के मुकाबलों पर होंगी।

सिटी इवेंट

स्टार्टअप स्टूडेंट्स ने एआई को-पायलट और ऑटोनॉमस पॉटहोल इंटेलिजेंस पर किया नवाचार

रायपुर। ट्रिपल आईटी में तीन दिवसीय ई-समिट-2026 का आयोजन किया गया। यह आयोजन स्टार्टअप सीजी के सहयोग से आयोजित किया गया। इस समिट में छात्रों और नवोदित उद्यमियों को अपनी प्रतिभा और नवाचारी विचार प्रस्तुत करने का अवसर मिला। इसमें नवाचार, स्टार्टअप सोच और युवा प्रतिभा का शानदार संगम हुआ। इस आयोजन में 800 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। इससे यह युवाओं के लिए एक महत्वपूर्ण नवाचार मंच बना। रविवार को इस ट्रिपल आईटी नया रायपुर के परिसर में आयोजित ई-समिट-2026 का सफल समापन हुआ। समिट के दौरान तकनीकी गतिविधियों के साथ-साथ कई प्रबंधन और रणनीतिक प्रतियोगिताएं भी आयोजित की गईं। बोर्डरूम बैटल, केस स्टडी प्रतियोगिता और आईपीएल ऑक्सन सिमुलेशन जैसे कार्यक्रमों में प्रतिभागियों को व्यावसायिक निर्णय लेने, रणनीति बनाने और टीम प्रबंधन जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा। इन गतिविधियों ने छात्रों को तकनीकी ज्ञान के साथ उद्यमिता और प्रबंधन कौशल सीखने का अवसर प्रदान किया। समिट के अंतिम दिन हैकाथॉन में तैयार किए गए प्रोजेक्ट्स का प्रस्तुतीकरण और मूल्यांकन विशेषज्ञों के पैनल द्वारा किया गया। प्रोजेक्ट्स को नवाचार, व्यावहारिक उपयोगिता, तकनीकी गुणवत्ता और संभावित प्रभाव जैसे मानकों के आधार पर परखा गया। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली टीमों को समापन समारोह में सम्मानित किया गया।

विजेता प्रतिभागियों को 1 लाख रुपए ईनाम

विभिन्न तकनीकी एवं प्रबंधन प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों ने अपनी समस्या समाधान क्षमता, रचनात्मकता और रणनीतिक सोच का प्रदर्शन किया। प्रतियोगिताओं के लिए कुल 1 लाख रुपए से अधिक की पुरस्कार राशि रखी गई थी। ई-समिट-2026 ने युवाओं को अपने विचारों को वास्तविक समाधान में बदलने का प्रभावी मंच प्रदान किया और छात्रों में नवाचार, स्टार्टअप संस्कृति और उद्यमिता की भावना को प्रोत्साहित किया।

स्मार्ट एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म जैसे आइडियाज दिए

इस समिट का मुख्य आकर्षण 36 घंटे का हैकाथॉन रहा, जिसमें लगभग 45 टीमों के 160 प्रतिभागियों ने भाग लेकर वास्तविक समस्याओं के समाधान विकसित किए। प्रतिभागियों को सीईसीबी और चिप्स जैसे सरकारी साझेदारों द्वारा दिए गए समस्या कथनों पर काम करना था। इन समस्याओं में स्मार्ट एनवायरनमेंटल मॉनिटरिंग प्लेटफॉर्म, रोल-बेस्ड एनवायरनमेंटल क्लीयरेंस सिस्टम, सीएससी ऑपरेटर्स के लिए एआई को-पायलट एवं ऑटोनॉमस पॉटहोल इंटेलिजेंस जैसे नवाचारी समाधान शामिल थे।

लायंस मंथन में सेवा, नेतृत्व और दृष्टिकोण पर हुआ सार्थक संवाद

रायपुर। लायंस क्लब इंटरनेशनल डिस्ट्रिक्ट क्षेत्र के तत्वावधान में लायंस क्लब रायपुर सेंट्रल द्वारा लायंस मंथन विशेष बैठक एवं संवाद कार्यक्रम का आयोजन एटी पैलेस में किया गया। यह कार्यक्रम शाम 5.30 बजे से 9 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें सेवा, नेतृत्व, फेलोशिप एवं संगठन की भावी दिशा पर सार्थक विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य लायंस संगठन के सेवा कार्यों को और अधिक प्रभावी बनाना तथा सदस्यों के बीच संवाद और समन्वय को सशक्त करना रहा। इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट के सभी पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर, रायपुर के क्लब अध्यक्ष, रीजन व जोन चेयरपर्सन, डिस्ट्रिक्ट चेयरपर्सन, डिस्ट्रिक्ट को-ऑर्डिनेटर्स तथा लायंस एवं लियो क्लबों के पदाधिकारी एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत फेलोशिप एवं हाई-टी के साथ हुई। इसके पश्चात स्वागत उद्बोधन एवं विशिष्ट अतिथि लायन डॉ. राजू मानवाणी (पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर) का परिचय एवं प्रेरणादायी संबोधन हुआ। उन्होंने अपने उद्बोधन में लायंस क्लब इंटरनेशनल के वैश्विक सेवा कार्यों, नेतृत्व क्षमता के विकास तथा समाजसेवा में सक्रिय भागीदारी की महत्ता पर प्रकाश डाला।

मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श

कार्यक्रम की मुख्य कड़ी लायंस मंथन–ओपन पॉडकास्ट संवाद रही, जिसमें उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने खुलकर अपने विचार और सुझाव साझा किए। इस संवाद के माध्यम से संगठन की भावी योजनाओं, सेवा प्रोजेक्ट्स और क्लब गतिविधियों को नई दिशा देने पर विस्तृत चर्चा हुई। इस अवसर पर मिशन 1.5 लायंस समुदाय की वृद्धि में आपके व्यवसाय की भूमिका विषय पर विशेष परिचर्चा भी आयोजित की गई, जिसमें सदस्यता विस्तार, समाज के विभिन्न वर्गों को सेवा कार्यों से जोड़ने तथा संगठन को और अधिक मजबूत बनाने पर विचार-विमर्श हुआ।

पर्यावरण संरक्षण की अपील, फल और छायादार पौधों का किया निशुल्क वितरण

रायपुर। शहर में मैराथन का आयोजन किया गया था। इस अवसर पर रविवार को पर्यावरण मित्र मंडल द्वारा विभिन्न प्रजातियों का निशुल्क पौधा वितरण किया गया। इस दौरान उपस्थित जन समुदायों से पर्यावरण संरक्षण करने अधिक से अधिक पौधरोपण करने अपील की गई।पर्यावरण मित्र मंडल के संरक्षक बालूराम वर्मा ने कहा कि पौधारोपण के लिए विभिन्न प्रजातियों के फलदार, छायादार और फूलों का पौधा नर्सरी से निशुल्क प्राप्त किया जा सकता हैं। इस अवसर पर पर्यावरण मित्रों द्वारा स्वच्छता ही सेवा समिति के साथ मिलकर स्वच्छता अभियान चलकर आयोजित स्थल को सुंदर एवं स्वच्छ बनाने में सहयोग प्रदान किया। इस कार्य में पर्यावरण मित्र मंडल भिलाई से सियाराम कश्यप, डीपी चौधरी, मनोज चौबे, प्रेमचंद साहू, एसके सेन, दीपेश वर्मा, संजय महाजन, मारुति, शंकर सहित बच्चों ने भी सहयोग दिया।

कार्नर न्यूज

गणित एवं रीजनिंग विषयों को रटने के बजाय तर्क से करते हैं हल, जो बन रहा सफलता का मंत्र

सीजीपीएससी से यूपीएससी तक इंजीनियरिंग-साइंस स्टूडेंट्स का बोलबाला, सक्सेज रेट 60 फीसदी के पार

रायपुर। यूपीएससी और सीजीपीएससी में आर्ट संकाय के स्टूडेंट्स के मुकाबले इंजीनियरिंग व साइंस के छात्रों का दबदबा बना हुआ है। पिछले 5 वर्षों में इन परीक्षाओं के आए परिणाम से यह साबित हो गया है कि इंजीनियरिंग व साइंस के स्टूडेंट्स ने सफलता के परचम लहराए हैं। हाल ही में हुए 2025 के सीजीपीएससी और 2026 के यूपीएससी परीक्षा में 60 फीसदी से अधिक टॉपर्स इंजीनियरिंग व साइंस टर्म से ही रहे हैं। बता दें कि 2020 से 2026 तक यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षाओं में इंजीनियरिंग और साइंस के छात्रों का दबदबा बरकरार है, जो तकनीकी कौशल, विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण और सीएसएटी में गणितीय समझ के कारण सफल हो रहे हैं। 2019-2023 तक, स्नातक डिग्री धारक चयनित उम्मीदवारों की संख्या में 26% की वृद्धि देखी गई और 2020-2025 तक, औसतन 60-65% से अधिक सफल उम्मीदवार इंजीनियरिंग बैकग्राउंड से रहे हैं। इन परीक्षाओं में इंजीनियरिंग व साइंस छात्रों के दबदबे के मुख्य कारण विषय विशेषज्ञों ने प्रारंभिक परीक्षा के सीएसएटी में गणित और रीजनिंग के बढ़ते स्तर के कारण साइंस के छात्रों को फायदा होता है। वहीं रटने के बजाय, साइंस बैकग्राउंड वाले उम्मीदवार विषयों को बेहतर समझते हैं, जो मुख्य परीक्षा के लिए जरूरी है। इसके अलावा इंजीनियरिंग की 4-5 साल की कड़ी मेहनत उन्हें यूपीएससी जैसी परीक्षा के लिए मानसिक रूप से खुद को तैयार करने में मदद करता है। हालांकि वे इंजीनियरिंग बैकग्राउंड के हैं, लेकिन सफलता के लिए वे अक्सर ह्यूमनिटीज जैसे समाजशास्त्र, भूगोल, राजनीति विज्ञान विषयों को भी चुनते हैं।

तकनीकी संस्थाओं व केंद्रीय विवि के स्टूडेंट्स सलेक्ट हुए

सीजीपीएससी और यूपीएससी परीक्षा में सफलता का यह क्रम लगातार साल-दर-साल बढ़ता जा रहा है। इसमें आईआईटी व एआईआईएमएस और केंद्रीय विश्वविद्यालयों के छात्र अपनी तकनीकी और तार्किक क्षमता के कारण मुख्यधारा के कला संकाय के छात्रों पर भारी पड़ रहे हैं। 2017 से 2021 के बीच 64 फीसदी से ज्यादा सफल उम्मीदवार इंजीनियर रहे। 2023-2025 व 2026 में भी यही रुझान देखा गया, जहां शीर्ष 100 में तकनीकी शिक्षा प्राप्त उम्मीदवारों की बड़ी भागीदारी रही।

सीजी पीएससी में इंजीनियरिंग साइंस के यह स्टूडेंट्स रहे टॉपर्स

सीजी पीएससी-2024 की मेरिट सूची में बीटीआई रायपुर में बीटेक सिविल इंजीनियरिंग की डिग्रीधारी भगवंत साहू ने 66वां रैंक हासिल किया था। वहीं शहर के प्रोफेसर कॉलोनी की स्वाति साहू बीएससी बॉयोलॉजी में ग्रेजुएशन करने के बाद ने सीजीपीएससी-2024 की मेरिट सूची में 73वां स्थान हासिल किया। इसी तरह से सीजीपीएससी 2024 में सफल अधिकांश अभ्यर्थी इंजीनियरिंग व साइंस बैकग्राउंड से रहे।

यूपीएससी में भी रिकार्ड बनाया

भिलाई इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी से इंजीनियरिंग की पढ़ाई पूरी करने वाले अंकित ने यूपीएससी में 816वां स्थान प्राप्त किया। वहीं बॉम्बे आईआईटी से एमटेक करने के बाद वैभवी अग्रवाल ने यूपीएससी में 35वां रैंक हासिल किया है। इस तरह से यूपीएससी परीक्षा में भी राज्य के अंदर इंजीनियरिंग स्टूडेंट्स की सफलता दर का रिकार्ड बना है।

समाज लाइव

दहिया समाज के प्रांतीय सम्मेलन में दिखा उत्साह, नए पदाधिकारियों की हुई नियुक्ति

रायपुर। छत्तीसगढ़ दहिया समाज महासंघ का प्रांतीय सम्मेलन व होली मिलन समारोह सोमवार को संपन्न हुआ। समारोह में मुंबई से पधारे मुख्य अतिथि लाल बहादुर सिंह दहिया, विशिष्ट अतिथि सुनील दहिया, संतोष दहिया और राधा राघव दहिया के साथ जबलपुर के प्रसिद्ध गायक राजा दहिया ने समारोह में हिस्सा लिया। समारोह में राम यश कीर्तन मंडली, रायपुर द्वारा भजन का आयोजन किया गया। साथ ही जबलपुर के कलाकार राजा दहिया द्वारा फूलों की होली का शानदार प्रदर्शन किया गया और नन्हें कलाकारों द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दी गईं। इसके बाद सामाजिक विषयों पर चर्चा हुई, जिसमें मुख्य अतिथि लाल बहादुर सिंह दहिया ने समाज को संगठित रहकर सही दिशा में चलने पर जोर दिया और समाज के विभिन्न वर्गों को साथ लेकर चलने के उपाय बताए।

भजनों पर खेली फूलों की होली

कार्यक्रम में नए पदाधिकारियों की नियुक्ति हुई। बिलासपुर से कुलदीप सिंह दहिया एवं राजेश वेश, महासमुंद से देवराज दहिया व दिलीप दहिया, जगदलपुर से हेमंत कुमार दहिया, पेंड्रा रोड से अशर्फी लाल दहिया व श्री वीरेंद्र दहिया, डोंगरगढ़ से मोहन ठाकुर, खरोरा से बलराम दहिया व हरिओम दहिया और अंबिकापुर से पदुमलाल दहिया को नियुक्त किया गया है। दहिया समाज के सचिव गोविंद सिंह दहिया, उपसचिव कृष्ण कुमार दहिया, कोषाध्यक्ष पवन कुमार दहिया और उप कोषाध्यक्ष हेमंत कुमार दहिया ने सांस्कृतिक प्रोग्राम में हिस्सा लेने वाले तथा समाज का नाम रोशन करने वालों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया।

सिटी लाइव

श्री-डी डिजाइन में प्रोडक्ट बनाने दिया टेक्सचर आर्ट का प्रशिक्षण

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ ऐलिगेंस ने कामकाजी महिलाओं को एक होटल में रचनात्मक और कला को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से टेक्सचर आर्ट वर्कशॉप का आयोजन किया। वर्कशॉप में प्रतिभागियों को टेक्सचर आर्ट की विभिन्न तकनीक, डिजाइन और कलात्मक प्रयोग की जानकारी दी गई। प्रतिभागियों को अपने हाथों से सुंदर आर्ट वर्क बनाने का अवसर मिला। यह प्रशिक्षण प्रतिभागियों को सजावटी प्रोडक्ट बनाते हुए आत्मनिर्भर बनने के लिए दिया जा रहा है। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों ने उत्साह से भाग लिया। इससे कला के नए-नए रूप सीखते हुए रचनात्मकता को अभिव्यक्त करने में मदद मिलेगी।

सामाजिक बदलाव के लिए की जा रही पहल

रोटरी क्लब का उद्देश्य इस प्रकार के आयोजनों के माध्यम से समाज में कला-कौशल और रचनात्मकता को बढ़ावा देना है। प्रशिक्षण क्लब की अध्यक्ष रोटेरियन नीरू अग्रवाल, सचिव तनुश्री अग्रवाल, डॉ. स्वाति अग्रवाल की उपस्थिति में दिया जा रहा है। उन्होंने आगे बताया कि प्रतिभागियों का उत्साहवर्धन करने के लिए इस तरह के आयोजन किए जाते हैं। रोटरी क्लब रायपुर ऐलिगेंस समय-समय पर ऐसे रचनात्मक और सामाजिक बदलाव के लिए आयोजन करते हुए समाज में सकरात्मक पहल करने का प्रयास रहता रहा है। इसमें शामिल प्रतिभागियों को इसके लिए पहले क्रम में ड्राइंग बुक से जोड़ा जा रहा है।

आराधना

यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया, दी आहुति

रायपुर। आर्य समाज के संस्थापक सदस्यों से एक जानकी देवी की याद में वैदिक वातावरण के बीच शांति यज्ञ, सत्संग और श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शांति यज्ञ की विधि-विधान से शुरूआत करते हुए आचार्य अंकित शर्मा शास्त्री ने यज्ञ और वैदिक मंत्रों के वैज्ञानिक एवं आध्यात्मिक महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि यज्ञ केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि एक वैज्ञानिक प्रक्रिया भी है जो वातावरण को शुद्ध करने के साथ-साथ मनुष्य के मन, विचार और जीवन को भी पवित्र बनाती है। वैदिक मंत्रों की ध्वनि, यज्ञ की आहुति और सामूहिक प्रार्थना का उद्देश्य केवल दिवंगत आत्मा की शांति ही नहीं, बल्कि उपस्थित सभी लोगों के मन में सकारात्मकता, संयम और सदाचार के संस्कार उत्पन्न करना भी है। इस दौरान डॉ. अजय आर्य ने कहा कि आर्य समाज की शिक्षा यह प्रेरणा देती है कि हम जीवन को सकारात्मक दृष्टि से देखें, ईश्वर में आस्था रखें, कर्म करते रहें और हर परिस्थिति में धैर्य व संतुलन बनाए रखें। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति जीवन को खुलकर, प्रसन्नता और कृतज्ञता के साथ जीता है, वही वास्तव में जीवन के सत्य को समझ पाता है।

● छत्तीसगढ़ में 12 हजार सहित राजधानी के 5 हजारों परिवारों के बीच विराजे जलदेवता भगवान झूलेलाल

शंख ध्वनि से आराध्य देव का स्वागत, विधि-विधान से घरों में मूर्ति स्थापना के साथ पांच दिन पूजा उत्सव

14 साल पहले सिंधु एकता संघ द्वारा संत लालदास साईं की प्रेरणा, संत युधिष्ठिर लाल और माता साहेब मीरादेवी के आशीर्वाद से घरों में आराध्य देव का पूजा उत्सव शुरू किया गया। सिंधी समाज के बीच की गई इस पहल ने अब बड़ा स्वरूप ले लिया है। सोमवार से जहां पांच दिवसीय पूजा उत्सव का आगाज छत्तीसगढ़ के 12 हजार परिवारों ने किया। वहीं राजधानी में पांच हजार परिवारों ने भक्तिभाव और शंख ध्वनि से मूर्ति का स्वागत किया। इसके बाद विधि-विधान से आराध्य देव की मूर्ति स्थापना के साथ पूजा उत्सव शुरू किया गया।

ज्योति जलाकर आराधना से मनवांछित फल की प्राप्ति

वरुणावतार भगवान झूलेलाल की स्थापना विधि और आरती की किताब भी समाज के लोगों को मूर्ति के साथ दी गई थी। उसमें बताए गए नियमों का पालन करते हुए लोगों ने पान के पांच पत्ते और फल के साथ ही मौलीधागा, सुपारी, आसन, लाल कपड़ा, जल कलश में नारियल मूर्ति के सम्मुख रखकर स्थापना की। घंटा और शंख ध्वनि से भगवान झूलेलाल का स्वागत करते हुए सपरिवार आरती की गई।कई परिवारों ने पांच दिनों की अखंड ज्योति भी भगवान झूलेलाल के सामने मनोकामना पूर्ति के लिए प्रज्ज्वलित की है। मान्यता है कि जल और ज्योति ही भगवान झूलेलाल का रूप है। पांच दिनों तक ज्योति जलाकर आराधना करने से मनवांछित फल की प्राप्ति होती है।

रायपुर। सिंधु एकता संघ और सिंधी समाज की पहल पर मनाए जा रहे झूलेलाल उत्सव की कड़ी में 16 मार्च को घरों में झूलेलाल की मूर्ति स्थापना की परंपरा निभाई गई। संघ के संस्थापक सुभाष बजाज और संयोजक महेश मोटवानी, अध्यक्ष चंद्रकुमार माखीजा ने संत लालदास की प्रेरणा व संत युधिष्ठिर लाल और तथा माता साहेब मीरादेवी के आशीर्वाद से लगातार 14वें वर्ष भी गणेश उत्सव की तरह झूलेलाल उत्सव मनाने का अवसर समाज को दिया। इसके अंतर्गत सोमवार को घरों में भगवान झूलेलाल की शुभ मुहूर्त में स्थापना की गई। सिंधु मंडल के अध्यक्ष पं. दिनेश शर्मा के अनुसार मूर्ति स्थापना का शुभ मुहूर्त सुबह 9.10 से 10.36 तक मिलने से विधि-विधान से पूजा शुरू की गई। वहीं शाम 4.23 से शाम 5.50 बजे तक लोगों ने घरों और संस्थानों में आराध्य देव की स्थापना के बाद आरती की।

युवाओं और बच्चों को धर्म से जोड़ने की पहल

मूर्ति के साथ अक्खे का मंत्र, भगवान झूलेलाल की आरती और पल्लव किस तरह करना है, यह परिवार की पहल पर बच्चों और युवाओं को बताने का प्रयास किया गया। सभी समाजजन 5 दिनों तक विधि-विधान से भगवान झूलेलाल की पूजा-अर्चना करेंगे और चेट्रीचंड्र के दूसरे दिन यानी 21 मार्च को विधिवत मूर्ति का विसर्जन किया जाएगा। समाज के बीच इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य सिंधी समाज के युवाओं और बच्चों को अपने धर्म एवं संस्कृति से जोड़ना है। सामाजिक और धार्मिक जागरूकता के लिए रायपुर से शुरू की गई स्थापना की परंपरा से अब मध्यप्रदेश, ओडिशा के समाजजन भी जुड़ने लगे हैं। इसके चलते मूर्तियों की स्थापना में लोग रुचि लेने लगे हैं।

अमलीडीह पंचायत ने 9वें वर्ष भी वितरित की मूर्ति

सिंधी पंचायत अमलीडीह के अध्यक्ष विशाल कुकरेजा की अगवाई में 9वें वर्ष भी करीब सात सौ सिंधी धर्मानुरागियों को मूर्तियों का वितरण किया गया। पंचायत के अध्यक्ष ने बताया कि पांच दिनों तक भगवान की नियमित पूजा-अर्चना से परिवारों में उत्सव का वातावरण निर्मित होगा। चेट्रीचंड्र के दूसरे दिन मूर्ति विसर्जन किया जाएगा। यह आयोजन अनंतपुरी गोस्वामी के सानिध्य किया जा रहा है। चेट्रीचंड्र के अवसर पर 20 मार्च को दोपहर भंडारे का आयोजन किया गया है। 21 मार्च को आर्केस्ट्रा ग्रुप सिंधी गीतों की धूम मचाएगा। मूर्ति वितरण में सुनील बत्रा, अमित नागदेव, पवन लोहाना, कपिल गेहानी, राकेश माटा, अमित बलवानी ने सहभागिता निभाई।

धर्म-प्रेम का पाठ पढ़ाती है गीता, जैसा कर्म करोगे, वैसा ही फल मिलेगा

श्रीमद भागवत गीता एकमात्र ऐसा ग्रंथ है, जो मानव को जीने का ढंग सिखाता है। गीता जीवन में धर्म, कर्म और प्रेम का पाठ पढ़ाती है। गीता के अनुसार हमारा भाग्य और कुछ नहीं बल्कि हमारे कर्मों का ही फल है। यह बातें श्री शिव महापुराण कथा के दौरान आचार्य पं. मनोज शुक्ला ने कही।

रायपुर। गीता के अनुसार, कुछ लोगों के प्रति हमेशा वफादार रहना चाहिए। उन्होंने गीता के बारे में आगे बताया कि हम आज जो कर्म कर रहे हैं, वो हमारे आने वाले कल को निर्धारित करेंगे। इसलिए हमें हमेशा अपने कर्म अच्छे रखने चाहिए, ताकि हमें इसका फल भी अच्छा ही मिले। गीता में श्रीकृष्ण कहते हैं, उनके कर्जदार और वफादार हमेशा रहिए, जिन्होंने आपके बुरे समय में आपका साथ दिया। अंजाम की खबर तो कर्ण को भी थी, लेकिन बात तो मित्रता निभाने की थी। शांति, सौम्यता, मौन, आत्मसंयम और पवित्रता, ये पांचों चीजें मन को अनुशासित करती हैं। हर व्यक्ति में ये सारे गुण होने चाहिए, तभी वह सही मार्ग पर चल सकता है। कार्यक्रम के अवसर पर पूर्व राज्यपाल रमेश बैस, पूर्व अध्यक्ष श्याम बैस, महेश बैस, ओमकार बैस, सनत बैस, दीपक बैस, अजय साहू आदि मौजूद रहे।

अहंकार पतन की जड़

अहंकार मनुष्य से वह सब कराता है, जो अंत में उसी के विनाश का कारण बनता है। इसलिए मनुष्य को जितनी जल्दी हो सके, अपना अहंकार त्याग देना चाहिए। कर्म वो फसल है, जिसे इंसान को हर हाल में खुद काटना ही पड़ता है, इसलिए हमेशा अच्छे बीज बोएं, ताकि फसल अच्छी हो।

छग ब्राह्मण समाज का होली मिलन समारोह

लोक गीत-संगीत और नृत्य से सजाया उत्सव

रायपुर। छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन के तत्वावधान में छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज ने विप्र सांस्कृतिक भवन में सोमवार को फाग गीतों के साथ फूलों की होली खेलते हुए सामाजिक मिलन का आयोजन किया। इससे भवन में आनंद ,भक्ति और उल्लास का माहौल निर्मित हुआ। समारोह में प्रसिद्ध लोक गायक राकेश तिवारी ग्रुप द्वारा प्रस्तुत फाग गीत, नृत्य, प्रहसन और फूलों की होली से खुशनुमा माहौल बना। श्रीकृष्ण-राधा के भजनों पर झूमते, गाते विप्र समाज के सदस्यों ने फूलों की होली खेलकर होली मिलन समारोह को यादगार बनाया। इस अवसर पर हास्य व्यंग्य से सराबोर करने वाले प्रहसन के नए कलेवर ने सबको खूब हंसाया। छत्तीसगढ़ी लोकगीत और लोक नृत्य का अलग ही आनंद रहा। इसमें समाज के हर वर्ग ने मिलकर समारोह को यादगार बनाने का प्रयास किया।

फाग गीतों के साथ छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का आनंद

इस पारंपरिक समारोह से लोगों को जोड़ने के लिए छत्तीसगढ़ युवा विकास संगठन के अध्यक्ष ज्ञानेश शर्मा, विप्र सांस्कृतिक भवन प्रबंध समिति के अध्यक्ष नरेंद्र तिवारी, अविनाश शुक्ला, कुसुम शर्मा ने पहल की। सुरेंद्र शुक्ला, केके शुक्ला ,संजय दीवान, नटराज शर्मा, उमाकांत शर्मा ने समाज के लोगों को जोड़ने के लिए किए गए आयोजन को सफल बनाने में सहयोग दिया। डॉ. मेघेश तिवारी ने बताया कि इसमें भाजपा नेता सुभाष तिवारी सहित छत्तीसगढ़ी ब्राह्मण समाज के सभी सदस्यों ने सहभागिता निभाते हुए फूलों की होली खेलते हुए फाग गीतों के साथ ही छत्तीसगढ़ी व्यंजनों का भी आनंद लिया।

शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में योग एवं उद्योग विषय पर व्याख्यान

युवाओं को अवसाद से निकालने में योग की भूमिका अहम, शारीरिक एवं मानसिक विकास जरूरी

कार्नर न्यूज

रायपुर। सोमवार को भोपाल राव पवार शासकीय पॉलिटेक्निक संस्थान में योग एवं उद्योग विषय पर व्याख्यान आयोजित हुआ। इसके साथ ही छात्र-छात्राओं का अलंकरण समारोह आयोजित किया गया। यह आयोजन रूद्री धमतरी में संस्थान परिसर पर किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में योग के महत्व एवं उद्योगों में उसके उपयोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना है।

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रूपनारायण सिन्हा अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग रहे। श्री सिन्हा ने इस अवसर पर युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि आज के युवा आज के नागरिक हैं। युवाओं को सशक्त बनाना अत्यंत ही आवश्यक है, क्योंकि हमारे भारत में 35 प्रतिशत युवा हैं, जो सबसे बड़ी युवा शक्ति है। योग के माध्यम से राष्ट्रभक्ति एवं उनके शारीरिक, मानसिक विकास को पूर्ण किया जा सकता है। वहीं कार्यक्रम की अध्यक्षता राजीव प्रकाश निदेशक भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान भिलाई द्वारा की गई। साथ ही बतौर विशिष्ट अतिथि रामनाथ कश्यप, सदस्य, जनजातीय सलाहकार समिति छत्तीसगढ़ शासन एवं सूरज सिंह परिहार पुलिस अधीक्षक धमतरी कार्यक्रम में शामिल हुए।

योग का महत्व बताया

कार्यक्रम में आईआईटी के निदेशक राजीव प्रकाश ने युवाओं के मध्य योग के महत्व के विषय को लेकर सारगर्भित उद्बोधन दिया। उन्होंने युवाओं को अवसाद से निकालने के लिए योग भूमिका पर बल दिया तथा उद्योग, व्यापार में एवं व्यावसायिक जगत में निर्णय लेने की प्रक्रिया को सटीक बनाने के लिए सभी व्यवसायियों एवं व्यापारियों को योग अपनाने की सलाह दी।

अतिथियों व पूर्व मेधावी छात्रों का हुआ सम्मान

अतिथियों के उद्बोधन के उपरांत पॉलिटेक्निक कॉलेज के पूर्व मेधावी छात्र, जो समाज के ऊंचे पद पर सेवा दे रहे हैं एवं सफल हैं, उनका सम्मान किया गया। साथ ही अध्यक्ष एवं कार्यक्रम के अध्यक्ष राजीव प्रकाश व रामनाथ कश्यप का शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह से सम्मान किया गया। इस प्रकार का कार्यक्रम धमतरी क्षेत्र में प्रथम बार आयोजित किया गया, जिसमें इस प्रकार की गतिविधियां की गईं।

सिटी स्पोर्ट्स

11 अप्रैल से मीन, धनु और मिथुन राशि वालों का तरक्की योग

वैदिक ज्योतिष के अनुसार 11 अप्रैल को मीन राशि में सूर्य, बुध और शनि की युति से शक्तिशाली त्रिग्रही योग बनने जा रहा है। आपको बता दें कि 11 अप्रैल को ग्रहों के राजकुमार मीन राशि में प्रवेश करेंगे, जहां पहले से ही सूर्य और शनि देव विराजमान है। इस प्रकार त्रिग्रही योग बनेगा। यह योग प्रशासनिक कार्यों, व्यापार, तकनीकी क्षेत्र और प्रबंधन से जुड़े लोगों के लिए विशेष रूप से लाभकारी माना जाता है। इन राशियों को मिल सकते हैं शुभ परिणाम

मीन राशि : त्रिग्रही योग आपकी राशि में ही बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान करियर में नई जिम्मेदारियां, पदोन्नति या नई नौकरी के अवसर मिल सकते हैं। वहीं व्यापार करने वाले लोगों को नए प्रोजेक्ट मिलने की संभावना है। साथ ही इस दौरान आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा भी बढ़ सकती है। वहीं इस समय आपका आत्मविश्वास भी बढ़ा हुआ रह सकता है। साथ ही शादीशुदा लोगों का वैवाहिक जीवन खुशनुमा रह सकता है।

धनु राशि : यह योग आपकी राशि से चतुर्थ भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस दौरान परिवार में सुख-शांति बढ़ सकती है और लंबे समय से रुके कार्य पूरे होने की संभावना है। इस समय प्रापर्टी लेते समय सावधानी पूरी बरतें। वहीं इस समय आपको पैतृक संपत्ति मिल सकती है। लेकिन इस समय नौकरीपेशा लोग कार्यस्थल पर लापरवाही करने से बचें।

मिथुन राशि : यह योग आपकी राशि से कर्म भाव पर बनने जा रहा है। इसलिए इस समय आपको नौकरी में पदोन्नति, नए अवसर या जिम्मेदारियां मिल सकती हैं। व्यापार में नई रणनीति और समझदारी से लाभ मिलने की संभावना बन सकती है। साथ ही पिता के साथ संबंध पहले से अच्छे हो सकते हैं। वहीं इस दौरान बेरोजगार लोगों को नौकरी मिल सकती है।

21 मार्च से मेष, सिंह और धनु राशि में होगा सकारात्मक बदलाव

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, शनि 21 मार्च शनिवार को 04:00 पी एम बजे उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के तीसरे पद में प्रवेश कर जाएंगे। इस दौरान शनि अस्त अवस्था में मीन राशि में विराजमान होंगे। शनि के इस नक्षत्र पद में आने से कुछ राशि के जातकों के जीवन में सकारात्मक बदलाव देखने को मिल सकते हैं।

सिंह राशि : इस राशि में शनि अष्टम भाव में विराजमान है। अष्टम भाव को अचानक हानि, दुर्घटना, हानि और आयु से जुड़ा होता है। ऐसे में शनि के नक्षत्र परिवर्तन करने के साथ अस्त होने से इस राशि के जातकों को नौकरी और बिजनेस में लाभ मिलने के आसार नजर आ रहे हैं। लंबे समय से चली आ रही चिंताएं समाप्त हो सकती है। इसके अलावा आर्थिक स्थिति अच्छी हो सकती है।

मेष राशि : इस राशि के बारहवें भाव में शनि विराजमान है। शनि के बारहवें भाव में होने के साथ-साथ शनि साढ़ेसाती का पहला चरण चल रहा है। ऐसे में शनि के अस्त होने और नक्षत्र पद परिवर्तन करने से इस राशि के जातकों को स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं से राहत मिल सकती है। लंबे समय से चली आ रही समस्या का हल मिल सकता है। धन लाभ के भी योग बन रहे हैं।

धनु राशि : इस राशि के जातकों के लिए शनि का उत्तराभाद्रपद नक्षत्र के तीसरे पद में जाना कई क्षेत्रों में लाभ मिल सकता है। इस राशि में शनि चौथे भाव में अस्त अवस्था में विराजमान है। ऐसे में इस राशि के जातकों के व्यापार से जुड़ी समस्याएं हल हो सकती है। इस राशि में शनि की ढैया चल रही है। मानसिक और शारीरिक तनाव से राहत मिल सकती है। शत्रुओं पर विजय पा सकते हैं।

शरीर का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है, जिससे सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं

गर्म मौसम में बाहर खेलते समय बच्चे हो जाते हैं डिहाइड्रेशन का शिकार, ऐसे रखें सुरक्षित

गर्मियों में बाहर खेलने के दौरान बच्चों को लू और पानी की कमी का खतरा बढ़ जाता है। लू के कारण शरीर का तापमान असामान्य रूप से बढ़ जाता है, जिससे सिरदर्द, चक्कर आना, उल्टी और बेहोशी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। खासकर छोटे बच्चे इस स्थिति के प्रति अधिक संवेदनशील होते हैं। आइए आज हम आपको कुछ ऐसे तरीके बताते हैं, जिन्हें अपनाकर बच्चों को इस गर्मी के मौसम में सुरक्षित रखा जा सकता है।

दोपहर के समय बाहर जाने से करें मना

दोपहर के समय धूप बहुत तेज होती है, जो बच्चों की सेहत के लिए हानिकारक हो सकती है। इससे बचने के लिए उन्हें सुबह या शाम के समय ही बाहर खेलने के लिए कहें। इसके अलावा उन्हें घर के अंदर ही खेल-कूद वाली गतिविधियों में शामिल करें। इससे वे सुरक्षित रहेंगे और उन्हें पर्याप्त पानी भी मिल सकेगा। साथ ही उनकी सेहत भी ठीक रहेगी और वे गर्मी से होने वाले नुकसान से भी बचे रहेंगे।

बच्चों को रखें हाइड्रेट

गर्मी के कारण बच्चों के शरीर में पानी की कमी हो सकती है, जिससे बचाने के लिए उन्हें हाइड्रेट रखना जरूरी है। इसके लिए उन्हें नियमित अंतराल पर पानी या कोई अन्य तरल पदार्थ पीने के लिए दें। इसके अतिरिक्त उन्हें तरबूज, खरबूज और ककड़ी जैसी पानी से भरपूर सब्जियां और फलों का सेवन भी कराएं। इससे न केवल उनकी प्यास बुझती है, बल्कि उनके शरीर में पानी की कमी भी पूरी होती है, जिससे वे स्वस्थ रहते हैं।

धूप से बचाने वाली सनस्क्रीन का करें उपयोग

बच्चों की त्वचा बहुत नाजुक होती है, इसलिए उन्हें धूप से बचाने वाली सनस्क्रीन लगाना जरूरी है। यह क्रीम त्वचा को सूरज की हानिकारक किरणों से बचाती है और जलन से रोकती है। 30 से 50 एसपीएफ वाली सनस्क्रीन का उपयोग करें और इसे हर 2 घंटे बाद फिर से लगाएं। जब भी बच्चे घर से बाहर जाएं तो उन्हें चेहरे, गर्दन, हाथों और पैरों पर अच्छी तरह से सनस्क्रीन लगाएं। इससे वे सुरक्षित रहेंगे और उनकी त्वचा स्वस्थ रहेगी।

खेलते समय बच्चों पर नजर रखें

जब बच्चे बाहर खेल रहे हों तो उनकी गतिविधियों पर नजर रखना बहुत जरूरी है। अगर आप देखेंगे कि बच्चा बहुत थका हुआ या चक्कर खा रहा है तो तुरंत उसे छाया में ले जाएं और पानी पिलाएं। इसके अलावा बच्चों को बीच-बीच में आराम करने के लिए कहें, ताकि वे पूरी तरह से तरोताजा रहें। इस तरह आप अपने बच्चों को गर्मियों के दौरान सुरक्षित रख सकते हैं और उनकी सेहत का ध्यान भी रख सकते हैं।

गर्मियों के दौरान भूख में हो जाता है बदलाव, कंट्रोल करने अपनाएं कुछ सरल से उपाय

गर्मियों के दौरान कई लोगों की भूख में बदलाव देखने को मिल सकता है। कई लोगों को गर्मियों में कम भूख लगती है, जबकि कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें गर्मियों में ज्यादा भूख लगती है। इस बदलाव का मुख्य कारण है कि गर्मियों में तापमान में बढ़ोतरी की वजह से शरीर की ऊर्जा की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिससे भूख में बदलाव हो सकता है। आइए गर्मियों में भूख में बदलाव के कारण जानते हैं।

गर्मियों में भूख में बदलाव का कारण : गर्मियों में भूख में बदलाव का मुख्य कारण शरीर का तापमान है। गर्मियों में तापमान में बढ़ोतरी के कारण पाचन क्रिया धीमी हो जाती है, जिससे भूख में कमी आ जाती है। दूसरी ओर कुछ लोग ऐसे भी होते हैं, जिन्हें गर्मियों में ज्यादा भूख लगती है। इसका कारण है कि गर्मियों में शरीर की ऊर्जा की जरूरत भी बढ़ जाती है, जिससे भूख में बदलाव हो सकता है। गर्मी का असर हर किसी पर अलग होता है।

गर्मियों में कम भूख लगने पर क्या करें?

अगर आपको गर्मियों में कम भूख लगती है तो आपको अपने खाने में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करना चाहिए, जो आसानी से पच जाएं और शरीर को ठंडक पहुंचाएं। उदाहरण के लिए, आप अपने खाने में तरबूज, खरबूजा, खीरा और टमाटर जैसी सब्जियां और फलों को शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने खाने में दही और नारियल पानी आदि को भी शामिल कर सकते हैं।

गर्मियों में ज्यादा भूख लगने पर क्या करें?

अगर आपको गर्मियों में ज्यादा भूख लगती है तो आप अपने खाने में ऐसे खाद्य पदार्थों को शामिल करें, जिनमें प्रोटीन और फाइबर अधिक मात्रा में हो। इसके लिए आप अपने खाने में पनीर, मटर, दाल, चना, राजमा, छोले, सोयाबीन, काबुली चना, मूंगफली, काजू और बादाम आदि को शामिल कर सकते हैं। इसके अलावा आप अपने खाने में हरी सब्जियों को भी शामिल कर सकते हैं, क्योंकि ये हरी सब्जियां भी प्रोटीन और फाइबर से भरपूर होती हैं।

गर्मियों के दौरान इन बातों का रखें ध्यान

गर्मियों के दौरान पाचन तंत्र धीमा होने के कारण भूख कम लगती है। कम भूख लगने के कारण शरीर में पोषक तत्वों की कमी हो जाती है, जिससे व्यक्ति कमजोरी महसूस करने लगता है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने खाने में पोषक तत्वों से भरपूर खाद्य पदार्थों को शामिल करें और पानी की कमी से बचने के लिए दिनभर में पर्याप्त मात्रा में पानी का सेवन करें।

गर्मियों में बनाएं अनोखे स्मूदी, शरीर को रखते हैं तरोताजा, सेहत के लिए भी हैं फायदेमंद

गर्मियों में ठंडी-ठंडी स्मूदी पीने का मजा ही कुछ अलग है। ये न केवल ताजगी देती हैं, बल्कि शरीर को तरोताजा भी रखती हैं। आज हम आपको कुछ ऐसी स्मूदी की रेसिपी बताने जा रहे हैं, जिनमें आमतौर पर इस्तेमाल होने वाली सामग्रियों के साथ-साथ कुछ अनोखे और पौष्टिक तत्व भी शामिल हैं। इन स्मूदी का स्वाद इतना बेहतरीन है कि आप बार-बार इन्हें बनाना चाहेंगे। आइए इन पौष्टिक स्मूदी की रेसिपी जानते हैं।

पालक और केले की स्मूदी : पालक और केले की स्मूदी सुबह के नाश्ते के लिए बढ़िया विकल्प हो सकती है। इसमें पालक की हरी पत्तियों से मिलने वाले जरूरी तत्व और केले की मिठास मिलती है। इसे बनाने के लिए ताजे पालक की पत्तियां, एक पका केला, थोड़ा-सा दही और बर्फ के टुकड़े लें। सभी सामग्रियों को मिक्सर में डालकर अच्छे से मिक्स करें। यह स्मूदी न केवल स्वादिष्ट है, बल्कि आपकी ऊर्जा को भी बढ़ाती है।

चुकंदर और संतरे की स्मूदी : चुकंदर और संतरे की स्मूदी एक अनोखा मिश्रण है, जो आपकी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत बनाता है। इसमें चुकंदर की ताजगी और संतरे का खट्टा-मीठा स्वाद शामिल है। इसे बनाने के लिए उबले हुए चुकंदर के टुकड़े, ताजे संतरे का रस, थोड़ा-सा दही और बर्फ के टुकड़े लें। सभी सामग्रियों को मिक्सर में डालकर अच्छे से मिक्स करें। यह स्मूदी आपके शरीर को साफ करने में मदद करती है।

पुदीने और आम की स्मूदी : पुदीने और आम की स्मूदी गर्मियों के लिए एकदम सही है। इसमें पुदीने की ताजगी और आम का मीठा स्वाद मिलते हैं, जो आपको तरोताजा महसूस कराते हैं। इसे बनाने के लिए ताजे पुदीने की पत्तियां, पके हुए आम के टुकड़े, थोड़ा-सा दही और बर्फ के टुकड़े लें। सभी सामग्रियों को मिक्सर में डालकर अच्छे से मिक्स करें। यह स्मूदी आपके पाचन को सुधारने में मदद करती है और गर्मी भी दूर भगाती है।

खीरे और अदरक की स्मूदी : खीरे और अदरक की स्मूदी एकदम ताजगी भरा पेय है, जो आपके शरीर को तरोताजा रखता है। इसमें खीरे की ताजगी और अदरक का तीखा स्वाद मिलता है, जो आपको तरोताजा महसूस कराता है। इसे बनाने के लिए ताजे खीरे के टुकड़े, थोड़ी कद्दूकस की हुई अदरक, नींबू का रस और बर्फ के टुकड़े लें। सभी सामग्रियों को मिक्सर में डालकर अच्छे से मिक्स करें। यह स्मूदी आपके शरीर को साफ करने में मदद करती है।

गर्मियों में ठंडक का अनुभव करने अपनाएं शाम की आदतें, होगा फायदा

गर्मियों की शामें अक्सर उमस और गर्मी से भरी होती हैं, जिससे आराम पाना मुश्किल हो जाता है। इस समय ठंडक का अनुभव करना बहुत जरूरी है, ताकि आप दिनभर की थकान को दूर कर सकें और ताजगी महसूस कर सकें। आइए आज हम आपको कुछ ऐसी शाम की आदतें बताते हैं, जिन्हें अपनाकर आप गर्मियों में ठंडक का अनुभव कर सकते हैं और स्वास्थ्य को दुरुस्त रख सकते हैं।

नींबू या पुदीना का पानी पिएं : गर्मियों में शरीर को पानी की कमी से बचाना सबसे जरूरी है। इसके लिए शाम के समय ठंडा पानी पीना फायदेमंद हो सकता है। इससे न केवल आपका शरीर ठंडक महसूस करेगा, बल्कि यह आपको तरोताजा भी करेगा। आप चाहें तो नींबू या पुदीने के पत्तों वाले पानी का सेवन भी कर सकते हैं, जो आपके शरीर को ठंडक देने के साथ-साथ विटामिन-सी भी प्रदान करेगा। यह पाचन क्रिया को भी सुधार सकता है।

ठंडी जगह पर रहें : अगर संभव हो तो शाम के समय किसी ठंडी जगह पर जाएं। बगीचे में टहलना या छत पर बैठकर हल्की हवा का आनंद लेना अच्छा विकल्प हो सकता है। ठंडी जगह पर रहकर आप गर्मी से बच सकते हैं और ताजगी महसूस कर सकते हैं। इसके अलावा ठंडी जगह पर बैठकर आप अपने विचारों में भी शांति पा सकते हैं और दिनभर की थकान को दूर कर सकते हैं। आप चाहें तो एसी चलाकर भी लेट सकते हैं।

ठंडे पेय का सेवन करें : गर्मियों में नींबू पानी, नारियल पानी या छाछ जैसे ठंडे पेय का सेवन करना बहुत फायदेमंद होता है। ये पेय न केवल आपको शारीरिक देंगे, बल्कि पानी की कमी भी पूरी करेंगे। आप चाहें तो इनमें बर्फ भी मिला सकते हैं, जिससे और अधिक ठंडक मिलेगी। इसके अलावा आप इन पेय में पुदीने की पत्तियां भी डाल सकते हैं, जो स्वाद के साथ-साथ ताजगी भी देंगे। इन पेय का नियमित सेवन आपके स्वास्थ्य के लिए लाभकारी हो सकता है। गर्मियों में हल्के और सूती कपड़े पहनना सबसे अच्छा होता है, जो आपकी त्वचा को हवा लगने देते हैं और पसीना सोख लेते हैं।

फिल्म इवेंट

छालीवुड

सामाजिक जागरण की फ़िल्म 'मार्चिंग इन द डार्क'

-डॉ. सत्यभामा आडिल

'मार्चिंग इन द डार्क'-- किंशुक सुरजन की पुरस्कृत डॉक्यूमेंट्री फ़िल्म है, जो रायपुर शहर के श्याम टॉकीज में 14 तारीख की शाम 6 बजे दिखाई गई। 2 घंटे की इस फ़िल्म ने दर्शकों को बांधे रखा! सबसे खास बात यह कि, देश की ज्वलंत समस्याओं को क्रमशः उठाया गया,व प्रश्नचिन्ह खड़ा किया! पहली समस्या- सोयाबीन, प्याज आदि के बम्पर उत्पादन के बावजूद, किसानों को सही दाम नहीं मिलना। फलस्वरूप हताश, निराश किसान आत्महत्या करते हैं। बिचोलियों के कारण यह विषम व कारुणिक स्थिति उत्पन्न होती है। बिचौलिया, किसानों का गला काटने वाले होते हैं।सरकार को दृढ़ता से बिचौलिया वाली स्थिति को तत्काल समाप्त करते हुए अनाज, दलहन, तिलहन, आलू-प्याज आदि के दाम निर्धारित करना चाहिए। सरकार किसी भी राजनीतिक पार्टी की हो। सरकार की एक सुव्यवस्थित नीति बननी चाहिए, किसानों के हित में। किसान ही राष्ट्र व समाज की नींव है, जो अर्थव्यवस्था का निर्माण करते हैं। किसानों की आत्महत्या के बाद नारी विधवा हो जाती है, जिससे कई आर्थिक व सामाजिक समस्याएं आती हैं--जिस पर छोटे छोटे दृश्यों व संवादों के माध्यम से प्रश्न उठाया गया है, जो बहुत मर्मांतक है! पहला प्रश्न यह कि अकेली विधवा स्त्री अपना व बच्चों का भरण पोषण कैसे करेगी पति के जाने के बाद निश्चित रूप से किसान विमर्श के साथ साथ यह स्त्री विमर्श की भी कहानी है, नायिका संजीवनी के साथ उसकी साथिनें बतलाती हैं कि पति के जाने के बाद उनकी चूड़ियां तोड़ी जाती हैं, उन्हें बिंदी नहीं लगाने दिया जाता।

उनका मंगलसूत्र निकाल दिया जाता है : स्त्री के मन से उठने वाले ये प्रश्न भारतीय समाज की कट्टर रूढ़ियों पर प्रहार है! विधवा यानी बिंदी रहित व चूड़ी के बिना खाली कलाई देखकर पुरुष वर्ग वासनापूर्ण दृष्टि से, नारी को देखता है--यह संकेत, अप्रत्यक्ष रूप से स्त्री दे रही है। आज का शिक्षित दर्शक इन प्रश्नों से महसूस करने लगता है कि, केवल सिंदूर ही सधवा होने की पहचान व प्रमाण है। बिंदी,व चूड़ी तो अविवाहित लड़की भी पहनती हैं। छेड़छाड़ व पुरुषों की कुदृष्टि से बचाव का एक तरीका यही हो सकता है कि विधवा होने के बाद भी स्त्री को बिल्कुल सामान्य स्त्री की तरह पहनना, ओढ़ना चाहिये! फिल्म का यह संदेश बहुत सकारात्मक व प्रगतिशीलता का प्रतीक है। यह एक क्रांति की तरह है!

नायिका संजीवनी केवल घर पर रोती बिसूरती कैद नहीं होती, वरन पढाई, सिलाई सीखकर आगे बढ़ती है। इस तरह समान समस्याएं झेलने वाली स्त्रियां समूह बनाकर अर्थोपार्जन के लिए आगे बढ़ती हैं। जीवन में आये अंधकार को दूर करने प्रगतिशील सोच की मशाल लेकर रोशनी की तलाश में आगे बढ़ती हैं! वे निराशा के गहन अंधकार को भेदकर यात्रा करती हैं। यह सकारात्मक पक्ष ही इस फ़िल्म 'मार्चिंग इन द डार्क' की सफलता है।युवा किंशुक की सामाजिक सोच को बधाई।। इस फ़िल्म के बाद किंशुक को ब्रेक नहीं लेना है। हम चाहते हैं कि राष्ट्र में कई ज्वलन्त समस्याओं को लेकर फ़िल्म बनाते रहें। देश व समाज में जागरूकता लाएं। जैसे राष्ट्रभाषा की समस्या, क्षेत्रीय भाषाओं के आपसी वर्चस्व का संघर्ष, कट्टर जातिवाद में जातीय बहिष्कार की समस्या(अन्तर्जातीय विवाह पर) ये भारतीय समाज की ज्वलन्त समस्या है। आशा है युवा किंशुक का ध्यान इस विषय पर भी जाएगा! किंशुक को ढेरों बधाई व आशीष, इस फिल्म के लिए। यह प्रयोग है, जो आगे भी होते रहना चाहिए। अनंत शुभकामनाएं क्रांति के बीजारोपण के लिए।

हॉलीवुड

ऑस्कर में 14 वर्षों में पहली बार टाई हुआ, भारत से गहरा कनेक्शन

98वें एकेडमी अवॉर्ड्स समारोह में लॉस एंजेलिस के प्रतिष्ठित डॉल्बी थिएटर में दुनिया भर के कलाकारों की मेहनत और प्रतिभा को सम्मानित किया गया। इस समारोह में 16 नॉमिनेशंस के साथ आगे चल चल रही 'सिनर्स' 13 नॉमिनेशंस के साथ दूसरे नंबर पर 'वन बैटल आफ्टर अनदर' से पीछे रह गई है। वहीं इस बार ऑस्कर्स में कुछ नई चीजें भी हुईं। इस साल 2026 में 14 साल में पहली बार टाई हुआ है और इसका एक मजेदार भारतीय कनेक्शन भी है। यहां बता दें कि ऑस्कर्स 2026 में डायरेक्टर नीरज घायवान की फिल्म ' होमबाउंड ' (2025) बेस्ट अंतर्राष्ट्रीय फीचर फिल्म कैटिगरी में टॉप पांच में जगह बनाने में असफल रही। वहीं भारतीय-अमेरिकी फिल्म प्रड्यूसर गीता गांधबीर भी अवॉर्ड लिस्ट से बाहर हो गईं, जिन्हें बेस्ड डॉक्यूमेंट्री फीचर फिल्म (द परफेक्ट नेबर) और बेस्ट डॉक्यूमेंट्री शॉर्ट फिल्म (द डेविल इज बिजी) के लिए नॉमिनेट किया गया था।

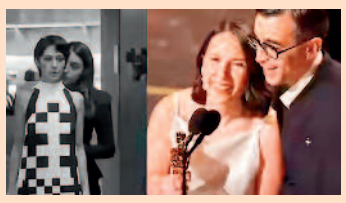

टॉलीवुड

उस्ताद भगत सिंह का ट्रेलर देख चिरंजीवी फिदा, की पवन की तारीफ

चिरंजीवी ने हाल ही पवन कल्याण की फिल्म 'उस्ताद भगत सिंह' का ट्रेलर देखा, जो 19 मार्च को 'धुरंधर 2' के साथ रिलीज हो रही है। चिरंजीवी ने ट्रेलर की तारीफ की और पवन कल्याण को बधाई दी। यह फिल्म थलपति विजय की 'थेरी' का रीमेक है, जो 2016 में आई थी। फिल्म में पवन कल्याण एक ईमानदार पुलिस अफसर उस्ताद भगत सिंह के रोल में हैं, जो भ्रष्टाचार और जुर्म के खिलाफ डटकर खड़ा है। चिरंजीवी ने 'उस्ताद भगत सिंह' का ट्रेलर देखने के बाद इसे अपने एक्स अकाउंट पर शेयर किया और साथ में लिखा, 'जादू हो गया। समय आ गया है। ट्रेलर रिलीज हो गया है।

टीवी और फिल्म एक्ट्रेस कृतिका कामरा और गौरव कपूर की शादी की आफ्टर-पार्टी में मलाइका ने एक सिल्वर सीक्वेन गाउन पहना था, जो अपनी चमक से 80 के दशक के डिस्को एरा की याद दिला रहा था। यह एक स्ट्रैपलेस गाउन था जिसमें रिफ्लेक्टिव कढ़ाई की गई थी। बॉडी-हगिंग सिलुएट वाले इस गाउन में मलाइका का टोंड फिगर और प्लंजिंग नेकलाइन काफी ग्लैमरस लग रही थी। फ्लोर-लेंथ हेमलाइन ने उनके इस लुक में एक ड्रामा और रॉयल टच जोड़ दिया। मलाइका की एक्सेसरीज भी टॉक ऑफ द टाउन बनी रहीं।

वसंत के लिए बेहतरीन हैं सदाबहार हैंडलूम साड़ियां, पहनकर लगेंगी बहुत खूबसूरत

फैशन

वसंत ऋतु अपने साथ ताजगी और नए रंग लेकर आती है। इस दौरान महिलाएं ऐसे कपड़े पहनना पसंद करती हैं, जो न केवल आरामदायक हों, बल्कि स्टाइलिश भी दिखें। हैंडलूम साड़ियां इस मौसम के लिए बेहतरीन हैं। ये न केवल भारतीय संस्कृति की पहचान हैं, बल्कि इनमें इस्तेमाल किए जाने वाले हल्के और मुलायम कपड़े आपको पूरे दिन आरामदायक महसूस कराते हैं। आइए कुछ ऐसी हैंडलूम साड़ियों के बारे में जानते हैं, जो आपको सुंदर लुक दे सकती हैं।

कांजीवरम सिल्क साड़ी : कांजीवरम सिल्क साड़ी दक्षिण भारत की एक खास पहचान है। इसकी चमकदार रंगत और जरी की कारीगरी इसे बहुत सुंदर बनाती है। यह साड़ी भारी होने के कारण इन्हें ठंडे मौसम में पहनना आसान होता है। इसके अलावा इसकी चमक और डिजाइन आपको शाही लुक देते हैं। कांजीवरम सिल्क साड़ी को किसी भी त्योहार या खास मौके पर पहना जा सकता है।

बनारसी सिल्क साड़ी : बनारसी सिल्क साड़ी उत्तर भारत की शान मानी जाती है। इसमें की गई जरी की कारीगरी इसे बेहद आकर्षक बनाती है। बनारसी सिल्क साड़ी हल्की होने के बावजूद बहुत मजबूत होती हैं, जिससे इन्हें संभालना आसान होता है। बनारसी सिल्क साड़ी को शादी-ब्याह जैसे खास मौकों पर पहना जा सकता है।

तसर सिल्क साड़ी : तसर सिल्क साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, जो वसंत ऋतु के लिए आदर्श विकल्प हैं। इन साड़ियों में प्राकृतिक रेशम का उपयोग किया जाता है, जिससे ये त्वचा को हवा लगने देती हैं और गर्मी महसूस नहीं होने देती हैं। तसर सिल्क साड़ियां आमतौर पर हल्के रंगों में आती हैं, जो मौसम की ताजगी को दर्शाते हैं। इनकी मुलायम बनावट और आरामदायक बनावट हर महिला को पसंद आती है।

पटोला सिल्क साड़ी : पटोला सिल्क साड़ियां गुजरात की एक खास प्रकार की साड़ी है। इन साड़ियों में रंग-बिरंगे पैटर्न बनाए जाते हैं, जो इन्हें बेहद आकर्षक बनाते हैं। पटोला सिल्क साड़ियां भारी होने के कारण ठंडे मौसम में पहनना आसान नहीं होता, लेकिन इनकी सुंदरता और गुणवत्ता इन्हें खास बनाती है। पटोला सिल्क साड़ियों को किसी भी त्योहार या खास मौके पर पहना जा सकता है।

बंगाली कॉटन साड़ी : बंगाली कॉटन साड़ियां हल्की और आरामदायक होती हैं, जो गर्मियों में ठंडक देती हैं। इन साड़ियों में आमतौर पर पारंपरिक बंगाली बॉर्डर होता है, जो इन्हें खास बनाता है। बंगाली कॉटन साड़ियां आमतौर पर हल्के रंगों में आती हैं, जो मौसम की ताजगी को दर्शाते हैं। इनकी मुलायम और आरामदायक बनावट हर महिला को पसंद आती है।

हर मौके के लिए परफेक्ट हैं कढ़ाई वाली मोझरी, इसकी कुछ शैलियां तो हैं बेहतरीन

मोझरी एक पारंपरिक भारतीय जूती है, जो न केवल आरामदायक होती है, बल्कि स्टाइलिश भी दिखती है। खासकर कढ़ाई वाली मोझरी तो और भी खूबसूरत लगती है। ये मोझरी किसी भी भारतीय मौके पर पहनने के लिए एक बेहतरीन विकल्प हैं। चाहे वह शादी हो, त्योहार हो या कोई विशेष अवसर, कढ़ाई वाली मोझरी आपके लुक को खास बना सकती हैं। आइए विभिन्न प्रकार की कढ़ाई वाली मोझरी की शैलियों पर चर्चा करते हैं।

बनारसी कढ़ाई वाली मोझरी : बनारसी कढ़ाई वाली मोझरी बनारस की मशहूर बनारसी साड़ियों के साथ बहुत अच्छी लगती हैं। इन पर सोने-चांदी के धागों से बारीकी से कढ़ाई की जाती है, जो इन्हें एक शाही लुक देती है। यह मोझरी रेशम या सूती कपड़े से बनाई जाती है और इसकी कढ़ाई बहुत ही सुंदर होती है। शादी या किसी बड़े समारोह में पहनने के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इसे आप सूट के साथ भी पहन सकती हैं।

कांचीपल्लम कढ़ाई वाली मोझरी : कांचीपल्लम कढ़ाई वाली मोझरी तमिलनाडु की खासियत हैं। इन पर

हाथ से कढ़ाई की जाती है, जिसमें पारंपरिक डिजाइन होते हैं। यह मोझरी रेशम या सूती कपड़े से बनाई जाती हैं और इनमें सुनहरे धागों का उपयोग किया जाता है। त्योहारों या धार्मिक अवसरों पर पहनने के लिए यह एक आदर्श विकल्प हो सकता है। इसकी चमकदार कढ़ाई और आरामदायक बनावट इसे खास अवसरों के लिए उपयुक्त फुट वियर बनाती है।

लुधियाना कढ़ाई वाली मोझरी : लुधियाना पंजाब का एक सुंदर शहर है, जहां की कढ़ाई वाली मोझरी बहुत ही लोकप्रिय होती है। इन पर फूलों और पत्तियों के पैटर्न की कढ़ाई की जाती है, जिससे इन्हें एक आकर्षक रूप मिलता है।

कश्मीरी कढ़ाई वाली मोझरी

कश्मीरी कढ़ाई वाली मोझरी जम्मू-कश्मीर क्षेत्र की खासियत हैं। इन पर ऊनी धागों से बारीकी से कढ़ाई की जाती है, जिसमें पारंपरिक कश्मीरी डिजाइन होते हैं। यह मोझरी सर्दियों में पहनने के लिए उपयुक्त होती हैं, क्योंकि ये गर्मी प्रदान करती हैं। शादी या किसी बड़े समारोह में पहनने के लिए यह एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। इन सभी प्रकार की कढ़ाई वाली मोझरी आपके लुक को न केवल खास बनाएंगी, बल्कि आरामदायक भी रहेंगी।

सड़क के बाजारों में खरीदारी करते समय रखें कुछ बातों का ध्यान, मोलभाव करना

सड़क के बाजारों में खरीदारी करना एक मजेदार अनुभव हो सकता है, लेकिन इसके साथ ही यह कुछ चुनौतियों को भी लेकर आता है।

खासकर अगर आप नए हैं या पहली बार जा रहे हैं तो आपको सही तरीके से मोलभाव करना आना चाहिए। इस लेख में हम आपको कुछ आसान और प्रभावी तरीके बताएंगे, जिनसे आप सड़क के बाजारों में बेहतर खरीदारी कर सकते हैं और अपनी जेब पर कम बोझ डाल सकते हैं।

पहले से तय करें बजट : सड़क के बाजारों में जाने से पहले ही अपना खर्च तय कर लें। यह तय करें कि आपको कितने पैसे खर्च करने हैं और किस चीज के लिए कितने पैसे देने को तैयार हैं। इससे आपको अनावश्यक खर्चों से बचने में मदद मिलेगी और आप अपने खर्च के भीतर रहकर ही खरीदारी कर पाएंगे। इसके अलावा आप अपने बजट के अनुसार ही सामान की गुणवत्ता और कीमत की जांच करके सही निर्णय ले सकेंगे।

स्थानीय लोगों से जानकारी लें : अगर आप किसी नए शहर या देश में हैं तो वहां के लोगों से जानकारी लेना बहुत जरूरी है। वे आपको सही कीमतों के बारे में बता सकते हैं और अच्छे दुकानदारों के बारे में भी जानकारी दे सकते हैं। इसके अलावा वे आपको सही समय पर खरीदारी करने के बारे में बता सकते हैं, जिससे आपको छूट मिल सकती है। इससे आपकी खरीदारी का अनुभव बेहतर हो सकता है।

सामान की गुणवत्ता पर ध्यान दें : सड़क के बाजारों में अक्सर ऐसा होता है कि दिखावे में चीजें बहुत अच्छी लगती हैं। हालांकि, उनकी असली गुणवत्ता क्या है, यह जानना जरूरी है। इसलिए, किसी भी सामान को खरीदने से पहले उसकी गुणवत्ता की जांच जरूर करें। इसके अलावा यह भी सुनिश्चित करें कि सामान असली हो और नकली न हो।

गर्मियों में पुरुषों के लिए सबसे अच्छे रहेंगे रंगों के ये मेल, आउटफिट में करें शामिल

गर्मियों के दौरान पुरुषों के लिए सही रंगों का चुनाव करना बहुत जरूरी है, खासकर जब बात कपड़ों की हो। सही रंग न केवल आपको आरामदायक महसूस कराते हैं, बल्कि आपको स्टाइलिश भी दिखाते हैं।

नारंगी और नीला : नारंगी और नीले रंग का मेल एक बेहतरीन विकल्प हो सकता है। नारंगी रंग की शर्ट या टी-शर्ट के साथ नीली जींस पहनकर आप एक आकर्षक लुक पा सकते हैं। यह मेल न केवल आंखों को भाता है, बल्कि गर्मियों की उमस भरी शामों में आपको ठंडक का अहसास भी दिलाता है। इसके अलावा यह रंगों का मेल आपको आत्मविश्वासी और ऊर्जावान दिखाता है, जिससे आप हर मौके पर खास महसूस करेंगे।

हरा और पीला : हरे और पीले रंग का मेल एक ताजगी भरा लुक देता है। हरे रंग की टी-शर्ट के साथ पीली शर्ट पहनकर आप एक नया अंदाज

अपना सकते हैं। यह मेल न केवल थोड़ा खास लुक देता है, बल्कि गर्मियों में आपको भीड़ से अलग भी दिखा सकता है। इसके अलावा इन रंगों का मेल आपको आत्मविश्वासी और ऊर्जावान दिखाता है, जिससे आप हर मौके पर खास महसूस करेंगे। इसके साथ नीले रंग की जींस पहनकर लुक को संतुलित करें।

लाल और काला : लाल और काला रंग का मेल हमेशा से ही आकर्षण का केंद्र रहा है। लाल रंग की शर्ट या टी-शर्ट के साथ काली जींस पहनकर आप एक बेहतरीन लुक पा सकते हैं। यह मेल न केवल आपको स्टाइलिश दिखाता है, बल्कि आत्मविश्वास भी बढ़ाता है। गर्मियों की उमस भरी शामों में यह रंगों का मेल आपको खास महसूस करा सकता है, जिससे आप हर मौके पर अलग और खास दिखते हैं।

नीला और सफेद : नीला और सफेद रंग का मेल एक सदाबहार विकल्प हो सकता है। नीली शर्ट के साथ सफेद पैंट या टी-शर्ट पहनकर आप हमेशा स्टाइलिश दिख सकते हैं। यह मेल न केवल आरामदायक होता है, बल्कि आपको हर मौके पर अलग और खास दिखाता है।

कार्नर न्यूज

यात्रा को और भी सुविधाजनक और आनंददायक बनाया जा सकता है

यात्रा के लिए सामान पैक करते समय इन हैक्स को अपनाना हो सकता है फायदेमंद

यात्रा के लिए सामान पैक करना कभी-कभी चुनौतीपूर्ण हो सकता है। सही तरीके से पैकिंग न करने पर कई बार जरूरी चीजें छूट जाती हैं या ज्यादा सामान ले जाना पड़ता है। इस लेख में हम कुछ आसान और असरदार उपायों पर चर्चा करेंगे, जिनसे आपकी यात्रा को और भी सुविधाजनक और आनंददायक बनाया जा सकता है। इन उपायों को अपनाकर आप अपनी यात्रा को बिना किसी परेशानी के पूरा कर पाएंगे।

कपड़ों को रोल करके पैक करें

कपड़ों को रोल करके पैक करने से न केवल ज्यादा कपड़े समा सकते हैं, बल्कि इससे वे कम जगह घेरते हैं। इसके लिए सबसे पहले कपड़े को हल्का सा मोड़ें, फिर उसे रोल बनाकर कसकर बांधें। इससे कपड़े निचले हिस्से में अच्छी तरह से फिट हो जाएंगे और यात्रा के दौरान भी वे ठीक रहेंगे। यह तरीका आपके कपड़ों को अधिक व्यवस्थित और साफ-सुथरा रखने में मदद करेगा, जिससे आपकी यात्रा और भी आरामदायक बन जाएगी।

जिप लॉक बैग का करें उपयोग

जिप लॉक बैग्स का उपयोग करके आप छोटे-छोटे सामान जैसे टूथब्रश, डियोड्रेंट, या अन्य टॉयलेट्री आइटम्स को आसानी से व्यवस्थित कर सकते हैं। इन बैग्स में सामान रखने से वे सुरक्षित रहते हैं और लीक होने का डर भी कम होता है। इसके अलावा इन्हें आसानी से कैरी किया जा सकता है। जिप लॉक बैग्स का यह तरीका आपकी यात्रा को अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनाता है, जिससे आपको हर चीज जल्दी मिलती है और आपका समय भी बचता है।

कई काम आने वाले सामान का चयन करें

यात्रा के दौरान ऐसे सामान चुनें जो कई काम आ सकते हैं, जैसे एक ही शर्ट को अलग-अलग तरीकों से पहनकर इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे आपको कम कपड़े ले जाने की जरूरत पड़ेगी और बैग में जगह भी बचेगी। इसके अलावा आप एक ही जैकेट या स्वेटर को कई बार पहनकर अलग-अलग लुक पा सकते हैं। इससे न केवल आपका वजन हल्का होगा बल्कि आप अपनी यात्रा को भी आरामदायक बना सकेंगे।

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्जर्स को व्यवस्थित रखें

इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस चार्जर्स अक्सर यात्रा के दौरान गड़बड़ हो जाते हैं। इन्हें व्यवस्थित रखने के लिए छोटे-छोटे पाउच या रबर बैंड का उपयोग करें ताकि वे उलझें नहीं। इसके अलावा आप कुछ छोटे कार्डबोर्ड का टुकड़ा लेकर उसमें छेद करके रबर बैंड डाल सकते हैं, जिससे चार्जर्स आसानी से पहचाने जा सकें। इस तरीके से आपकी यात्रा अधिक सुविधाजनक और आरामदायक बनेगी। इस तरह के उपाय अपनाकर आप अपनी यात्रा को और भी आनंददायक बना सकते हैं।

यात्रा के दौरान आरामदायक कपड़े पहनें

यात्रा के दौरान आरामदायक कपड़े पहनना बहुत जरूरी है। इसके लिए सूती या हल्के कपड़े चुनें जो आपको ठंड से बचाएंगे और आरामदायक महसूस करवाएंगे। इसके अलावा ढीले-ढाले कपड़े जैसे योगा पैंट्स या आरामदायक टॉप्स भी अच्छे विकल्प हो सकते हैं।

इन सरल उपायों को अपनाकर आप अपनी अगली यात्रा को अधिक आनंददायक बना सकते हैं और किसी भी तरह की परेशानी से बच सकते हैं।